जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 232 प्रभात चूरू, बुधवार 20 दिसम्बर, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अंटार्कटिका में बर्ड फ्लू फैल रहा है सैंकड़ों की तादाद में एलिफैंट सील मृत पाई गई हैं। वैज्ञानिकों को आशंका है कि अगर यह वायरस पैनग्विन तक पहुंच गया तो यह आधुनिक काल का सबसे बड़ा पर्यावरण विनाश साबित हो सकता है। सबसे पहले यह वायरस बर्ड आइलैंड में रहने वाले ब्राउन स्कूआ पक्षियों में मिला था। उसके बाद वैज्ञानिकों ने एलिफैंट सील की सामुहिक मौत की जानकारी दी, साथ ही फर सील केल्प गल्स और ब्राउन स्कूआ के मरने की खबर भी मिली। साउथ जॉर्जिया से पश्चिम में 900 मील दूर फॉकलैंड आइलैंड में फुलमर पक्षी के मरने की भी खबरें मिली हैं। अंटार्कटिक वाइल्डलाइफ हैल्थ नैटवर्क की अध्यक्ष डॉ. मीगन डेवार ने बताया कि सदर्न एलिफैंट सील की हालत बहुत खराब है, कई जगहों पर सौ से ज्यादा मृत सील मिली हैं और यह बर्ड फ्लू के कारण हो सकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि कई सील में बर्ड फ्लू के संकेत मिले हैं और कई जगहों के टैस्ट होने बाकी हैं। अभी तक अंटार्कटिक मेनलैंड में बर्ड फ्लू का कोई केस रिकॉर्ड नहीं हुआ है। पर आगामी महीनों में यहां तक यह रोग पहुंचने की संभावना है। भारी भरकम 8800 पाउण्ड वजनी एलिफैंट सील समंदर के सबसे बड़े परभक्षी जीवों में से एक है। इन्हें यह नाम इनके आकार के कारण नहीं मिला है बल्कि नर सील में सूंड जैसी सरंचना के कारण मिला है, इससे वे तेज आवाजें करते हैं, खासकर प्रजनन काल में। एलिफैंट सील का पूर्व काल में तेल के लिए जमकर शिकार किया गया जिससे वे लुप्त हो गईं। बाद में कानूनी संरक्षण मिलने से इनकी आबादी फिर बढ़ी। अभी इनकी आबादी कई खतरों से जूझ रही है और बर्ड फ्लू ने इन खतरों को और बढ़ा दिया।

आखिरकार ए.आई.सी.सी. में पद हासिल कर ही लिया गहलोत ने

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गहलोत को राष्ट्रीय गठबंधन समिति का सदस्य बनाया है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। यह एक ऐसा कदम है जो इस बात के स्पष्ट संकेत देता है कि कांग्रेस लोकसभा चुनावों तक अपने सीनियर नेताओं को साथ रखना चाहती है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले एक राष्ट्रीय गठबंधन समिति गठित की गई है जिसमें अशोक गहलोत को सदस्य बनाया गया है। कमेटी का समन्वयक मुकुल वासनिक को बनाया गया है। इसके अन्य सदस्य हैं- भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद और मोहन प्रकाश। कमेटी अगले चार महीनों का कुछ समय के लिए है। यह अन्य पार्टियों के साथ मीट शेयरिंग पर विचार-विमर्श करेगी और इस पर भी गठबंधन के मुद्दे पर समन्वय कैसे बिठाया जाए।

- हालांकि खड़गे जानते हैं कि गांधी परिवार गहलोत को पसंद नहीं करता है, पर गहलोत खड़गे की ''गुड बुक'' में हैं।
- चार माह के लिए गठित कमेटी के अध्यक्ष हैं मुकुल वासनिक तथा गहलोत के अलावा भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद व मोहन प्रकाश इसके सदस्य हैं।
- राजस्थान में सत्ता खोने के बाद गहलोत येन-केन-प्रकारेण ए.आई.सी.सी. में पद पाना चाहते थे, ताकि वे दिखा सकें कि वे अब भी पार्टी में ताकतवर हैं।
- लोकसभा चुनावों में अब ज्यादा समय नहीं है, अतः चर्चा है कि गहलोत को राजस्थान से दूर रखा जा सकता है और सचिन पायलट को प्रदेश में पार्टी की जिम्मेवारी सौंपी जा सकती है।

मज़ेदार बात यह है कि गहलोत को कमेटी में शामिल करने का निर्णय मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिया है जो इस तथ्य के बावजूद उनका समर्थन करते रहे हैं कि गांधी परिवार के सदस्यों का नज़रिया राजस्थान के इस पूर्व मुख्यमंत्री के प्रति अच्छा नहीं है।

राजस्थान में सत्ता खोने के बाद ए.आई.सी.सी. में कोई पद प्राप्त करने के लिए व्याकुल हैं। इससे वह यह मैसेज देना चाहते हैं कि वह अब भी पहले के जैसे मजबूत नेता हैं।

यह जानना दिलचस्प होगा कि क्या गहलोत आगे ए.आई.सी.सी. में कोई पद प्राप्त करेंगे या कमेटी में उनका आना सिर्फ लोकसभा चुनावों तक ही है। प्रश्न यह भी है कि सचिन पायलट को कहां समायोजित किया जाएगा। राज्य में या केन्द्र में।

चूंकि लोकसभा चुनावों में अब थोड़ा ही समय शेष है, इसलिए यदि गहलोत को राजस्थान की राजनीति से दूर रखा जाए एवं यहां उनका हस्तक्षेप ना हो तो सचिन पायलट जैसा युवा एवं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खड़गे को प्रधानमंत्री पद का प्रत्याशी बनाने का प्रस्ताव रखा ममता बनर्जी ने

इंडिया गठबंधन की बैठक में ममता बनर्जी ने खेला चतुर दांव, केजरीवाल ने किया समर्थन

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। एक बहुत ही चतुराई भरा कदम उठाते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) की अध्यक्ष ममता बनर्जी एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने आज विपक्ष के इंडिया गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम का प्रस्ताव कर दिया। इस प्रस्ताव को कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे ने बहुत विनम्रता के साथ यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि सर्वप्रथम चुनाव जीतना ज्यादा महत्वपूर्ण है और उसके बाद हर एक बात का निर्णय बाद मे कर लिया जाएगा।

समूहों की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए एम.डी.एम.के. नेता वायको ने कहा कि बैठक में खड़गे के नाम पर प्रस्ताव विपक्ष के चेहरे के रूप में रखा गया था परन्तु इस मसले पर कोई फैसला नहीं लिया गया क्योंकि पहले दूसरे महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान किया जाना जरूरी है।

- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने विनम्रता से प्रस्ताव अस्वीकार किया, मल्लिकार्जुन खड़गे ने साफ कहा कि, पहले चुनाव जीतने पर फोकस कीजिए बाकी बातों पर बाद में विचार करेंगे।
- ममता बनर्जी के इस प्रस्ताव को मीडिया ने हाथों हाथ लपक लिया और मीडिया इसे राहुल गांधी के लिए झटका बता रहा है।
- इंडिया गठबंधन की बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, शरद पवार, नीतीश, स्टालिन, केजरीवाल और ममता बनर्जी सहित सभी बड़े नेता मौजूद थे।

दिल्ली में आयोजित 28 विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक में देश के प्रथम दलित प्रधानमंत्री के रूप में खड़गे के नाम का प्रस्ताव रख दिए जाने के बाद, खड़गे ने कहा, ''मैं दलितों और वंचितों के लिए काम करता हूँ। पहले हम चुनाव जीतें उसके बाद हम इस बारे में विचार करेंगे। मुझे कुछ नहीं चाहिए।''

खड़गे से जब पूछा गया कि, क्या वे विपक्षी गठबंधन की तरफ से पी.एम. पद के उम्मीदवार हो सकते हैं, उन्होंने कहा कि ''सर्वप्रथम हमें चुनावों में विजय प्राप्त करनी और बहुमत प्राप्त करना है और सांसद इस बात का फैसला लोकतांत्रिक तरीके से करेंगे।''

खड़गे ने कहा कि इंडिया गठबंधन की पार्टियां राज्य स्तर पर सीटों के आपसी बंटवारे को लेकर चर्चा करेंगी और सम्पूर्ण देश में सार्वजनिक रूप से सभाएं करेंगी। उन्होंने इस बात को जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में निर्णय आम चुनावों के पश्चात् ही किया जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन के दलों ने एक संकल्प पारित किया है जिसमें लोकसभा व राज्यसभा में विपक्षी दलों के सांसदों को निलम्बित किए जाने के फैसले की भर्त्सना की गई है और इस मामले को लेकर 22 दिसम्बर को भी विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है।

बनर्जी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में आने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए कहा था कि, गठबंधन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष मुक्त लोकसभा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। कांग्रेस सांसद शशि थरूर, जो लोकसभा से निलम्बित किए गए 49 सांसदों में से एक हैं, ने किया कि, ''यह बात साफ हो गई है कि भाजपा विपक्ष मुक्त लोकसभा चाहती है और वह राज्यसभा में भी कुछ हद तक ऐसा ही करने वाली है।''

- लोकसभा से आज 49 विपक्षी सदस्यों को निलम्बित किया गया, निलम्बित होने वाले सांसदों में शामिल शशि थरूर ने कहा कि, भाजपा विपक्ष मुक्त लोकसभा चाहती है। हमें संसदीय लोकतंत्र का शोक संदेश लिखना शुरू कर देना चाहिए।

''दुर्भाग्यवश, हमें भारत में संसदीय लोकतंत्र के ऊपर शोक संदेश लिखना शुरू कर देना चाहिए'', थरूर ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना के बाद अब कांग्रेस का फोकस आंध्र प्रदेश पर

कांग्रेस की बढ़ती सक्रियता से जगन मोहन व चन्द्रबाबू की बेचैनी बढ़ने लगी है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। तेलंगाना में जीत के बाद कांग्रेस की निगाहें एकमात्र अन्य तेलुगु भाषी राज्य आंध्र प्रदेश पर है, क्योंकि यही पर वह अपना पुनरुत्थान कर सकती है। अन्य राज्यों के लिए तो उसके लिए सोचना भी असंभव है।

आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद यहां कांग्रेस बिल्कुल शून्य पर आ गई थी क्योंकि यहां दो पार्टियों- तेलुगु देसम पार्टी और वर्तमान में सत्तारूढ़ प्रवजन श्रमिक रायतू कांग्रेस पार्टी (वाय.एस.आर.सी.पी.) कांग्रेस को एक ऐसी खराब पार्टी के रूप में चित्रित किया जिसने राज्य का विभाजन किया है, जिससे वर्ष 2014 के बाद से आंध्र प्रदेश अप्रासंगिक बनकर रह गया।

यहां कांग्रेस के अधिकांश नेता पार्टी छोड़कर वाय.एस.आर.सी.पी. में शामिल हो गए थे। और कुछ अन्य ने टी.डी.पी. का रुख किया था उसके बाद कांग्रेस में वे ही लोग शेष रहे जो पार्टी के प्रति बेहद निष्ठावान थे। आंध्र प्रदेश कांग्रेस का पुराना गढ़ रहा है और यहां के प्रत्येक गांव में कांग्रेस के समर्थक आज भी मौजूद हैं। तेलंगाना के चुनाव परिणामों के बाद क्या आंध्र प्रदेश में

- दक्षिण भारत में कांग्रेस की ताकत बढ़ी है और यहां आंध्र प्रदेश ही ऐसा राज्य है जहां पार्टी सत्ता पाने के बारे में सोच सकती है।
- वर्ष 2014 के बाद आंध्र में कांग्रेस शक्तिहीन हो गई थी, कांग्रेस के नेता भी भारी तादाद में जगन मोहन रेड्डी की पार्टी में शामिल हो गए थे।
- आंध्र कभी कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था। यहां के गांवों में अब भी कांग्रेस समर्थक हैं। तेलंगाना के नतीजों ने प्रदेश में भी कांग्रेस को उत्साहित कर दिया है, यही बात जगन मोहन की चिंता बढ़ा रही है।
- लोकसभा चुनावों की दृष्टि से आंध्र प्रदेश महत्वपूर्ण है। यहां 25 लोकसभा सीटें हैं, अभी 23 सीटें जगन मोहन रेड्डी की पार्टी के पास है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आडवाणी व जोशी को अयोध्या आने का निमंत्रण

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर। अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और डॉ मुरली मनोहर जोशी को आमंत्रित किया गया है।

- विश्व हिन्दू परिषद के अन्तर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने दोनों नेताओं से मुलाकात कर उन्हें निमंत्रण दिया। हालांकि पहले चर्चा थी कि उन्हें नहीं बुलाया जाएगा।

विश्व हिन्दू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने दोनों वरिष्ठ नेताओं से भेंट करके उन्हें अयोध्या आने का निमंत्रण दिया। दोनों नेताओं ने कार्यक्रम में आने का पूरा प्रयास करने की बात कही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आखिर क्यों खड़गे का नाम प्रस्तावित किया ममता बनर्जी ने?

क्या वे इंडिया गठबंधन को खत्म करना चाहती हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन की बैठक में गठबंधन को नष्ट करने के लिए एक दांव खेला है अनुमान है कि इस कारगुजारी की रिपोर्ट उन्हें प्रधानमंत्री को देनी है, जिनसे वे बुधवार को मुलाकात करेगी।

बंगाल के वामपंथी नेता जैसे सुजन चक्रवर्ती, जो ममता बनर्जी के तौर तरीकों से परिचित है, उनका मत है कि ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन के बारे में भ्रम फैलाना चाहती है, उन्होंने कहा पहले उन्होंने अपना नाम चलाया फिर अखिलेश यादव का नाम लिया और अब खड़गे का नाम ले रही है।

प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी के बारे में समय से पहले चर्चा करके वो आदतन गड़बड़ी पैदा कर रही हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम इंडिया गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री के चेहरे के रुप में उछालकर वे अपने चिर प्रतिद्वंद्वी राहुल गांधी को सत्ता की दौड़ से हटा देना चाहती है।

कांग्रेस में गांधी सरनेम को पार्टी के कार्यकर्ताओं व नेताओं का पूर्ण समर्थन मिल सकता है। ममता बनर्जी पुरानी कांग्रेसी है और इस सच को अच्छे से जानती हैं।

विडम्बना है कि खड़गे ने इस बात का उसी जगह खत्म करने की भरसक कोशिश की। उन्होंने इसे हल्का करने का प्रयास किया और कहा पहले चुनाव जीतने पर फोकस किया जाए उसके बाद नेतृत्व का मुद्दा हल किया जाएगा।

खड़गे ने कहा कि सीटों के बंटवारे पर 31 दिसम्बर तक निर्णय कर लिया जाएगा। उन्होंने इसके लिए जिन राज्यों का उल्लेख किया उनमें बंगाल का नाम नहीं लिया। बंगाल के कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस से कोई समझौता नहीं होगा।

- ममता के तौर तरीकों से वाकिफ बंगाल के वामपंथी नेता कहते हैं कि ममता की रणनीति भ्रम पैदा करने की है, तभी तो पहले उन्होंने खुद का नाम चलाया, फिर अखिलेश यादव का और अब खड़गे का।
- सूत्रों का कहना है कि, ऐसा करके वे राहुल गांधी को भी झटका देना चाहती हैं, जिन्हें वे जरा भी पसंद नहीं करती हैं।
- यह भी चर्चा है कि, ममता बनर्जी ने नेतृत्व का मुद्दा उठाकर गठबंधन निर्माण की प्रक्रिया को भारी नुकसान पहुंचाया है।
- राजनैतिक हल्कों में कहा जा रहा है कि ऐसा उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के इशारे पर किया है, जिनसे वे बुधवार को मुलाकात करने जा रही हैं और उन्हें अपने इस कारनामे की रिपोर्ट भी देंगी।

महत्वपूर्ण बात यह है कि ममता बनर्जी मीटिंग खत्म होने से पहले ही चली गई थी वे प्रैस कॉन्फ्रैंस में भी नज़र नहीं आईं।

इसके साथ ही ममता बनर्जी ने ''इण्डिया'' गठबंधन के नेताओं के बीच इतनी कटुता पैदा कर दी है कि वे आपस में कोई भी समझ निर्मित नहीं कर पा रहे हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता अखिलेश यादव खड़गे के नाम को पहले ही खारिज कर चुके हैं।

नीतीश कुमार को इण्डिया गठबंधन की ओर से प्रधानमंत्री पद का प्रत्याशी बनाने की मांग पटना में जोरों पर थी। सी.पी.आई. (एम) नेता सीताराम येचुरी ने खड़गे को प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने के किसी भी प्रश्न पर कोई उत्तर नहीं दिया।

संक्षेप में, ममता बनर्जी ने तप मापदंडों पर ''इण्डिया'' गठबंधन की वार्ताएं शुरु होने से पहले ही नेता का नाम फाइनल कर पूरे गठबंधन की प्रक्रिया को दूषित कर दिया है।

दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के एक समर्थक की हत्या के मामले में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के संबंध निम्न स्तर पर पहुंच चुके हैं। कांग्रेस की शिकायत है कि उसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जमानत याचिकाओं में परिवादी या पीड़ित को पक्षकार बनाना जरूरी नहीं'

जयपुर, 19 दिसम्बर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ की ओर से भेजे गए रेफरेंस को तय करते हुए कहा है कि सभी तरह की जमानत याचिकाओं में परिवादी या पीड़ित को पक्षकार बनाना जरूरी नहीं है। जस्टिस अरुण भंसाली व पंकज भंडारी की खंडपीठ ने यह आदेश पूजा गुर्जर व अन्य की जमानत याचिकाओं पर भेजे गए रेफरेंस को तय करते हुए दिया। खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता व

- राजस्थान हाई कोर्ट की खंडपीठ ने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता व पीड़ित को सुनवाई का मौका देने को कहा है, पर इसका अर्थ यह नहीं है कि, उन्हें जमानत याचिका में पक्षकार बनाया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

नई सरकार से राज्य की जनता क्या अपेक्षा रख सकती है!

जिन मुद्दों पर प्रधान मंत्री सहित सभी भाजपा नेताओं ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को जाम कर कोसा था, मतदाताओं के मन में उसके खिलाफ माहौल बनाया था उन पर अब नई सरकार की कसौटी होगी। कसौटी का पैमाना खुद भाजपा के नेताओं ने बनाया है जो राज्य के प्रशासन की बागडोर थामने वाले हैं। यह पैमाना राहतें लुटाने का नहीं बल्कि ऐसा साफ सुथरा शासन तंत्र देने का होगा जिसमें बिना किसी बिचौलिये के शासन और आम जन के बीच सीधा संवाद की अपेक्षा होगी। इसके लिए शासन के शीर्ष नेतृत्व को अपने को सचिवालय में मुख्यमंत्री के कार्यालय (सीएमओ) और मुख्यमंत्री के निवास ओर मुख्यमंत्री के कार्यालय (सीएमआर) की मोटी दीवारों की जद और घेरेबंदी से अपने को मुक्त करना होगा। प्रशासन को जनता के द्वार भेजने के ढोंग करने की बजाय उसके कर्मियों की आदत डालनी होगी कि वे अपने-अपने ऑफिसों में पूरे समय बैठ कर जनता के काम शीघ्रता और निपुणता से निपटाएं। शासन के क़िले की सारी खिड़कियां ही नहीं खोलनी होगी बल्कि उन्हें पारदर्शी भी बनाना होगा। सचिवालय के ठस दिमागों को झकझोरना होगा और बाहर से आने वाले जनहित के विचारों पर ईमानदारी से गौर करना सीखना होगा। सत्ता में बैठने वालों को अपने को बार-बार याद दिलाते रहना होगा कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं मालिक नहीं। इसके लिए उन्हें महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुद जनता से लगातार संवाद करते रहना होगा। सत्ता में बैठने वाले राजनेताओं को अपनी पार्टी के छोटे और मंझले स्तर के कार्यकर्ताओं की ही नहीं सभी वर्गों के प्रतिनिधियों की अपने तक पहुंच सुगम बनाए रखनी होगी और उनकी बातों को गौर से सुनना होगा, समझना होगा। सत्ता के पदों पर आसीन होने वाले राजनेताओं की यह कसौटी भी होगी कि वे अपनी सनकों का नहीं कानून के राज की स्थापना करें। सभी यह चाहेंगे कि नई सरकार आम जन में पैठ गई इस अवधारणा कि राज में चहुं ओर लूट ही लूट है को तोड़े ओर राज्य की अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने के प्रयास शुरू करे। हाल के दिनों में राजस्थान में संगठित अपराधी गिरोहों के भयावह कारनामे सामने आये हैं, चाहे वे भू माफियाओं द्वारा हत्याएं कराए जाना हो या शिक्षा माफियॉन द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक कराया जाना हो। इन गिरोहों को राजनेताओं और विभिन्न समुदायों से मिल रहे समर्थन को ध्वस्त करने के लिए राजनैतिक इच्छाशक्ति का ठोस प्रदर्शन करके नई सरकार के नियंताओं को अपने ही घोषित पैमाने पर खरा उतरने का प्रदर्शन करना होगा। नये निजाम में सिर्फ राजनैतिक नेतृत्व बदला है प्रशासन का तंत्र नहीं बदला है। नीचे सबसे छोटे बाबू से लेकर सबसे ऊपर मुख्य सचिव तक और सबसे छोटे सिपाही से लेकर पुलिस महानिदेशक तक की व्यवस्था वही की वही है। प्रशासन तंत्र राजनेताओं की लूट का जरिया न बन कर लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों को ईमानदारी और मेहनत से जमीनी स्तर पर लागू करे इसे सुनिश्चित करने से ही यह संभव हो सकता है। शासन के नये कर्ता-धर्ताओं को यह बात स्पष्ट रूप से पहले दिन से ही समझ लेनी होगी कि प्रशासनिक व्यवस्था अच्छी है या बुरी उसे के आधार पर मतदाता चुनावों में अपना मन बनाते हैं और सरकारें बनाने और गिराने के परिणाम देते हैं। प्रशासन तंत्र को राजनेताओं या अधिकारियों की सनकों के आधार पर चलाने से पार्टियां सत्ताच्युत होती हैं और समाज में बेचैनी पैदा होती है। भारतीय संविधान को शासन का पवित्र धर्मग्रंथ मान कर चलने से ही सहभागी लोकतंत्र की व्यवस्था मजबूत होती है, जिस पर नये विधि निर्माताओं को चलना है। संविधान कोरा एक बड़ा ग्रंथ नहीं है जिसे संविधान सभा में उसके सदस्यों ने कुल 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन में 165 बैठकें करके गहरे और लंबे विमर्शों के बाद अपनाया। वह सजा कर अलमारी में रखने वाली किताब भी नहीं है। संविधान एक जीवंत दस्तावेज है जिसके आधार पर हम समानता और न्याय पर आधारित अपने शासन और प्रशासन तंत्र की व्यवस्था करते हैं। यह मान लेना भूल होगी कि संविधान की प्रस्तावना की पंक्तियों को फ्रेम करके रख देने से लोकतंत्र सम्पूर्ण हो जाता है। देश के शासन तंत्र को चलाने के लिए जिस प्रकार की राज व्यवस्था संविधान ने दी उसकी बारीकियों में जाकर ही देश को गणतांत्रिक तरीके से चलाया जा सकता है। संविधान के प्रावधानों को अपने व्यवहार में लाकर उसके अनुरूप चलने से ही लोकतंत्र बना रह सकता है। इसीलिए राजस्थान में नई सरकार से इस समझदारी की अपेक्षा होगी कि वह सरकारी और स्वायत्तशाषी संस्थाओं को संकुचित दृष्टि से न देख कर उन्हें मजबूत और सर्वग्राही बनाए और उन्हें किन्हीं लोगों को समायोजित करने के स्थान न माने। भारत का संविधान बनाने वाली सभा के सदस्य विभिन्न पृष्ठभूमि और सामाजिक स्तरों से आए थे।

नये निजाम में सिर्फ राजनैतिक नेतृत्व बदला है प्रशासन का तंत्र नहीं बदला है। नीचे सबसे छोटे बाबू से लेकर सबसे ऊपर मुख्य सचिव तक और सबसे छोटे सिपाही से लेकर पुलिस महानिदेशक तक की व्यवस्था वही की वही है। प्रशासन तंत्र राजनेताओं की लूट का जरिया न बन कर लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों को ईमानदारी और मेहनत से जमीनी स्तर पर लागू करे इसे सुनिश्चित करने से ही यह संभव हो सकता है।

लेकिन उन सबका एक ही जज़्बा था कि एक ऐसी व्यवस्था बनाई जाय जिससे सदियों की विदेशी ग़ुलामी से आज़ाद हो रहे देश को उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा फिर से मिलने में मदद मिले। वे जानते थे कि आज़ाद हो रहा मुल्क अनेकताएं लिये हुए अत्यंत विशाल है और एक समानता वाली न्यायपूर्ण राज व्यवस्था ही सबको एक रख सकती है और सबके विकास की राह प्रशस्त कर सकती है। हम भारत के लोगों ने जब भारत को गणतंत्र घोषित करते हुए अपने आप को संविधान दिया तब उसका अर्थ यह भी था कि सबको संविधान के अनुशासन में रहना है। यह अनुशासन राज व्यवस्था के लिए था ताकि देश के नागरिक स्वतंत्रता की सांस ले सकें। लेकिन हमने अब तक यही पाया है कि संवैधानिक व्यवस्थाओं को किनारे लगाने में खुद शासन तंत्र तथा सभी राजनैतिक दल एक दूसरे से होड लेते रहते हैं। संविधान और कानून के अनुशासन से बचने के लिए कोई गली निकालना या उसकी पूरी तरह उपेक्षा करना अब किसी को भी परेशान नहीं करता है और न अनैतिक लगता है। जब यह कहा जाता है कि देश में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है तब उसका आशय संविधान प्रदत्त लोकतांत्रिक संस्थाओं के क्षरण से ही होता है। राजस्थान में इसका भयावह रूप देखने को मिलता है। सच तो यह है कि यह प्रदेश, जो देशी रियासतों के विलय से बना, कभी अपने सामंती चरित्र से बाहर नहीं निकल पाया। उसी का नतीजा है कि लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के उत्तरोत्तर विकास की जगह उनके स्थापित होने के साथ ही उनके दरकने का सिलसिला चालू हो गया। राज्य विधानसभा के पिछले कार्यकाल में इन्हीं की झलकें देखीं गईं। आज़ादी की जंग के दौरान बिजौलिया किसान आंदोलन के प्रणेता विजय सिंह 'पथिक' को जयपुर के बाबा हरिश्चद्र मार्ग पर एक इमारत के चौथे माले के एक छोटे कमरे में रोटी पकाते देखने वाले तब के युवा पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने उनसे जब पूछा कि वह भूपसिंह कहां है जो अंग्रेजों और सामंतों के खिलाफ दहाड़ता था? तो जवाब मिला कि अब किससे लडूं, अपनों से? जन्म पर 'पथिक' का नाम भूपसिंह रखा गया था। आजादी के उस जांबाज योद्धा ने युवा पत्रकार से कहा था एक बोतल का नशा कितना होता है जानता है? सत्ता तो न जाने कितनी बोतलों का नशा होता है! नई सरकार के के लोग भी इस नशे में न डूब जाएं यह अपेक्षा राज्य के लोग इसलिए भी करेंगे कि चुनाव प्रचार के दौरान उस नेता ने अपने भाषणों में यह गारंटी दी है जिसके चेहरे पर भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा का चुनाव लड़ा। हाल के दशकों में विधानसभा की बैठकों की संख्या निरंतर घटने का चलन हो गया है। अब कानूनों पर विचार करने के लिए विधानसभा में प्रमुख रूप से काम नहीं होता और सदन के सत्र हंगामा भरे रहने के लिए शापित हो गये हैं। वहां अब लोक कल्याण के मुद्दों पर कोई गंभीर और सार्थक चर्चाएं नहीं होती। सच तो यह है कि विधायिका के काम कार्यपालिका करने लगी है। जो व्यवहार में ख़राब बात है। विधायिका के नियंत्रण में गिरावट हमारी राजनीतिक संस्कृति की बीमारी को दर्शाती है। जब सामूहिक जिम्मेवारी वाली व्यवस्था का महत्व न रह जाए और सभी फैसले केंद्रित सत्ता करने लगे तब लोकतंत्र दरकने लगता है जिसे राजस्थान के लोगों ने पिछले पांच वर्षों में देखा। नया निजाम इससे सबक लेगा ऐसी भी अपेक्षा करना व्यर्थ नहीं है। विधायक सत्ता की ताकत चाहने लगे हैं ताकि वे अपने को और अपनों को उपकृत कर सकें। इसीलिए राजनेता संविधान और कानूनों की सीमाओं को लांघने के लिए तत्पर रहने लगे हैं। राजनेता विशिष्ट दलगत लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रमुख संवैधानिक सिद्धांतों को ताक में रख देने में एक क्षण नहीं लगाते है। संविधान उच्च कानून का एक रूप है, जो दिन-प्रतिदिन की राजनीति के दबाव से ऊपर होता है। मगर हमारे यहां दोनों तेजी से आपस में जुड़ गए हैं, प्रमुख राजनेता संविधान की व्याख्या उस तरीके से करने की कोशिश करने लगे हैं जो उनके एजेंडे के अनुकूल हो। नया शासन इससे बचे यह भी आम जन की अपेक्षा होगी। भले ही संसदीय लोकतंत्र उच्च जीवन स्तर, सामाजिक सुरक्षा और संरक्षित वातावरण की शत प्रतिशत गारंटी नहीं है, किन्तु वह एक ऐसी प्रक्रिया जरूर है जिससे महत्वपूर्ण मुद्दों पर आम सहमति से बेहतर नीतियां तय की जा सकती हैं और उनके परिणाम हासिल किये जा सकते हैं। यह तभी संभव है जब कुलीनतंत्रीय राजनीतिक व्यवस्था से बाहर निकला जाए तभी आम जन को लगेगा कि राज उसका आया है।

अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

जोधपुर पोलो-2023: 61 कैवलरी ने एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप (8 गोल) टूर्नामेंट फाइनल जीता

ध्रुवपाल गोदारा ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर टीम को कप दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, एयरफोर्स रोड, पाबूपुरा में चल रहे

■ **आज से शुरु होगा राजपूताना एण्ड सेन्ट्रल इण्डिया कप टूर्नामेंट**

24वें जोधपुर पोलो सीजन 2023 में मंगलवार को दोपहर तीन बजे एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप (8 गोल) टूर्नामेंट का फाइनल पोलो हेरिटेज व 61 कैवलरी-रॉयल इनफील्ड के बीच दोपहर तीन बजे खेला गया जिसमें कैवलरी टीम ने हेरिटेज टीम को पांच के मुकाबले नौ गोल कर चार गोल के अन्तर से हराते हुए कप अपने नाम कर लिया। कैवलरी के ध्रुवपाल गोदारा ने बेहतरीन सधे हुए खेल का प्रदर्शन कर अपनी टीम को कप दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैच समाप्ति पर विजेता टीम को डॉ. नम्रता मिश्रा ने कप व ट्रॉफियां प्रदान की।

जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर केसचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि पोलो हेरिटेज टीम की ओर से खेलते हुए टीम के चार हैण्डीकेप के खिलाड़ी सैय्यद शमशेर अली ने पहले चक्कर में दो गोल किए। योगेश्वर सिंह ने चौथे चक्कर में एक गोल किया। इस टीम द्वारा तीसरे चक्कर में कोई गोल नहीं किया गया। मुकाबले में 61 कैवलरी-रॉयल इनफील्ड के तीन हैण्डीकेप के वरिष्ठ खिलाड़ी ध्रुवपाल गोदारा ने अपने सदाबहार प्रदर्शन को दोहराते हुए कुल सात गोल कर विपक्षी टीम को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने दूसरे व चौथे चक्कर में दो-दो गोल व तीसरे चक्कर में तीन गोल किए। तीन हैण्डीकेप के साथी खिलाड़ी अंगद कलान ने पहले चक्कर में व दो हैण्डीकेप के कर्नल विशाल चौहान ने चौथे चक्कर में एक गोल किया। मैच की कॉमेन्ट्री राजवी शैलेन्द्रसिंह ने की।

एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप (8 गोल) टूर्नामेंट में फाइनल मैच के विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की।

मैच के अम्पायर अर्जेन्टीना के निकोलस स्कोर्टीचीनी व दक्षिण अफ्रीका के रोडनी ज्योफरी गुटरिज रहे जबकि रैफरी लांस वाटसन थे। मैच के दौरान पूर्व सांसद नारायणसिंह माणकलाव, मेजर जनरल नरपतसिंह राजपुरोहित वीएसएम, कर्नल गिरेन्द्रसिंह, महाराजा मदनसिंह, राजेन्द्रसिंह, हर्षवर्धनसिंह भांवरी, दिग्विजयसिंह भांवरी, वीर विजयसिंह अनेक देशी-विदेशी पोलो प्रेमी मैदान में उपस्थित थे। पोलो हेरिटेज टीम के खिलाड़ी सैय्यद शमशेर अली की घोडी बरफी को बेस्ट पौनी अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिसके तहत उन्हें सेडल प्रदान की गई।

सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि बुधवार से राजपूताना एण्ड सेन्ट्रल इण्डिया कप (8 गोल) टूर्नामेंट शुरु होगा। पहले दिन दो मैच खेले जाएंगे। पहला मैच दोपहर 1.45 बजे पूल 'ए' में 61 कैवलरी-रॉयल इनफील्ड व इण्डियन नेवी के बीच व दूसरा मैच दोपहर 3 बजे पूल 'बी' में जोधपुर-जयपुर व वी पोलो-चान्दना पोलो के बीच खेला जायेगा। उन्होंने बताया कि दोपहर 3 बजे खेला जाने वाला मैच इण्डियन एयरफोर्स लोंगेवाला कप के प्रदर्शन मैच के तहत खेला जायेगा। इस दौरान पोलो ग्राउण्ड में भारतीय वायुसेना द्वारा एयर शो का बेहद ही आकर्षक प्रदर्शन किया जायेगा।

तकनीकी कार्य के कारण रेल सेवाओं का मार्ग बदला

अजमेर-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग पर चलेगी

अजमेर, (कासं)। पश्चिम रेलवे द्वारा रतलाम मण्डल पर यात्री सुविधाओं की बढ़ोतरी के क्रम में तकनीकी कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के कारण इस खण्ड की कुछ रेल सेवाएं प्रभावित रहेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित रेल सेवाएं जिनका मार्ग परिवर्तित किया जा रहा है वे परिवर्तित मार्ग में ब्यावर, मारवाड़ जंक्शन एवं आबू रोड स्टेशन पर ठहराव करेंगी।

मार्ग परिवर्तित रेलसेवाएं :-गाड़ी संख्या 12996, अजमेर-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस रेलसेवा जो दिनांक 19, 21 व 23 दिसम्बर 2023 को अजमेर से रवाना होगी वह निर्धारित मार्ग चित्तौड़गढ़-रतलाम-वडोदरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया अजमेर-पालनपुर-अहमदाबाद-वडोदरा होकर

■ **परिवर्तित मार्ग में ब्यावर, मारवाड़ जंक्शन एवं आबूरोड स्टेशन पर करेंगी ठहराव**

संचालित होगी। गाड़ी संख्या 12995, बान्द्रा टर्मिनस-अजमेर एक्सप्रेस रेलसेवा जो 20, 22 व 24 दिसम्बर 2023 को बान्द्रा टर्मिनस से रवाना होगी वह निर्धारित मार्ग वडोदरा-रतलाम-चित्तौडगढ़ के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया वडोदरा-अहमदाबाद-पालनपुर-अजमेर होकर संचालित होगी। गाड़ी संख्या 82654, जयपुर-यशवन्तपुर एक्सप्रेस रेलसेवा जो 23 को जयपुर से रवाना होगी वह निर्धारित मार्ग चित्तौड़गढ़-रतलाम-वडोदरा के स्थान परिवर्तित मार्ग वाया अजमेर-पालनपुर-अहमदाबाद-वडोदरा होकर संचालित होगी। गाड़ी संख्या 82653, यशवन्तपुर -जयपुर एक्सप्रेस रेलसेवा जो 21 दिसम्बर 23 को यशवन्तपुर से रवाना होगी वह निर्धारित मार्ग वडोदरा-रतलाम-चित्तौडगढ के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया वडोदरा-अहमदाबाद-पालनपुर-अजमेर होकर संचालित होगी। गौरतलब है कि उपरोक्त रेल सेवाएं परिवर्तित मार्ग में ब्यावर, मारवाड़ जंक्शन एवं आबूरोड स्टेशन पर ठहराव करेगी।

मालपुरा के कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में छात्राओं के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

पेन और किताब उठाने की उम्र में छात्राओं के सिर पर रखा जा रहा ईंधन का बोझ

मालपुरा, (निसं)। एक ओर जहां केन्द्र व राज्य सरकार बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आवासीय विद्यालय खोलने सहित बालिकाओं के लिए अनेक योजनाएं शुरू कर करोड़ों रूपये पानी की तरह बहा रही है। वहीं दूसरी ओर मालपुरा शहर में संचालित कस्तुरबा बालिका आवासीय विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के लिए रह रही मासूम बालिकाओं के भविष्य से खिलवाड़ किये जाने का मामला सामने आया है। मामले के अनुसार शहर के रेलवे स्टेशन सरकारी अस्पताल के पास संचालित कस्तुरबा आवासीय बालिका विद्यालय में ग्रामीण अंचल में रहने वाली गरीब व मध्यम वर्ग की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण करवाने के लिए परिजन दाखिल करवा अपनी बेटी के भविष्य को लेकर दिल में कई बड़े सपने सोचते हैं।

आवासीय विद्यालय प्रशासन अभिभावकों के इन सपनों व विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण करने का सपना लेकर दाखिला लेने वाली छात्राओं के भविष्य को नजर अंदाज कर अपनी सुविधा व मनमर्जी से अन्य कार्यों में व्यस्त कर उनके भविष्य से खिलवाड़ करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

मालपुरा में कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं के भविष्य से खिलवाड हो रहा है।

आवासीय विद्यालय प्रशासन की घोर लापरवाही व भारी अनियमितता तब उजागर हुई जब आधा दर्जन छात्राएं विद्यालय समय में कक्षा में बैठ शिक्षण कार्य व शिक्षा ग्रहण करने के बजाय अस्पताल रोड से अपने सिर पर गौबर के कंडों से भरे प्लास्टिक के कट्टों का वजन अपने सिर पर रखकर आवासीय विद्यालय की और आती देखी गई। इस माजरे को मीडियाकर्मियों ने देखा तो इन मासूम बालिकाओं से सिर पर ईंधन का बोझ रखने का कारण जानने पर इन छात्राओं ने जवाब दिया कि मैडम ने कहा है कि इन कट्टों को सिर पर रख कर हॉस्टल ले चलो। बस इससे आगे इन मासूम छात्राओं के पास और कोई जवाब नहीं मिल पाया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

राशिफल 20 दिसम्बर 2023

मागशीर्ष मास शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, बुधवार, विक्रम सम्वत 2080, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 10.58 तक, व्यतिपात योग दिन 3.56 तक, बव करण दिन 11.15 तक, चन्द्रमा मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति - सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मीन, मंगल-वृश्चिक, बुध-धनु, गुरू-मेष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में संचार करेगा।

श्रेष्ठ चौघडिया - लाभ-अमृत सूर्योदय से 9.49 तक, शुभ 11.07 से 12.24 तक, चर 2.59 से 4.16 तक, लाभ 4.16 से सूर्यास्त तक

राहुकाल - 12.00 से 1.30 तक, सूर्योदय 7.15 सूर्यास्त 5.33

मेष
घर गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भाग दौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृष
आर्थिक-वित्तीय मामलों में सतुलन बनाये रखना ठीक रहेगा। संभावित स्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यवस्तता बनी रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्य के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलंब हो सकता है।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

तुला
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिवार में वाद-विवाद बड़ सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के कारण भाग दौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल आत्मविश्वास बडेगा। महत्वपूर्ण योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

सार-समाचार

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

मंडावा (निसं)। मंडावा कॉलेज में सांस्कृतिक साप्ताहिक कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ प्राचार्य राजेन्द्र केरोडिया की अध्यक्षता में किया गया। साप्ताहिक प्रतियोगिता के दौरान क्रिकेट, रंगोली व मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। क्रिकेट प्रतियोगिता प्रभारी सुरेश कुमार एवं सद्दाम हुसैन भाटी ने बताया कि सेमी फाइनल मैच बीएससी तृतीय वर्ष व बीए तृतीय वर्ष के बीच खेला गया। जिसमें बीएससी तृतीय वर्ष की टीम 30 रनों से विजेता रही। फाइनल मैच बीएससी तृतीय वर्ष एवं बीए द्वितीय वर्ष के बीच खेला गया। जिसमें बीए द्वितीय की टीम विजेता रही, मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब पीयूष शर्मा को मिला। मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिता प्रभारी ममता सैनी ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में नौ ग्रुप ने भाग लिया जिसमें ग्रुप ए के अनिशा, निष्ठा, सना एवं अर्चना सैनी ने प्रथम स्थान, ग्रुप जी के यमिनी वर्मा, बबिता, अंकिता कुमावत एवं अम्बिका ने द्वितीय स्थान व ग्रुप बी सीमा, लक्ष्मी, अनु कंवर एवं नीरू कंवर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में कुल दस छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान पर यामिनी वर्मा व द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से अलका कुमारी एवं कोमल चन्देलिया तथा तृतीय स्थान ललिता कांवलिया रही। निर्णायक की भूमिका में आशा यादव, रचना मिश्रा, सोनम वर्मा आदि थे। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता एवं कैरम प्रतियोगिता (छात्रा वर्ग) का आयोजन किया गया जिसमें म्यूजिकल चेयर की विजेता बबिता, संजू सैनी एवं ललिता कांवलिया क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही। कैरम प्रतियोगिता में कुल ग्यारह छात्राओं ने भाग लिया जिसमें फाइनल मैच पूजा एवं विशाखा के मध्य खेला गया जिसमें पूजा विजेता रही।

कंचन गर्सा मिस बरासिया बनी

सूरजगढ़ (निसं)। कस्बे के आरकेजेके बरासिया पीजी महाविद्यालय में संस्कृति सुरभि 2023 के अन्तर्गत आयोजित मिस बरासिया प्रतियोगिता में कंचन गर्सा को मिस बरासिया चुना गया। मुख्य अतिथि डॉ. सीमा सहल गर्ल्स कॉलेज चिड़ावा, विशिष्ट अतिथि प्रशासनिक अधिकारी जया पाठक व प्राचार्य डॉ. रवि शर्मा व संयुक्त सचिव डॉ. एनएल अरडावतिया की अध्यक्षता में मां सरस्वति के समक्ष दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में कंचन गर्सा को मिस बरासिया, काजल चावला को मिस इंटेलीजेंट व निशु शर्मा को मिस स्माइली चुना गया। प्रतियोगिता में कुल 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया। छात्र वर्ग की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में एकल गायन में विकास प्रथम वविनित द्वितीय, एकल नृत्य में विपुल शर्मा प्रथम व रीतिक शर्मा द्वितीय, सामुहिक गायन में हिमांशु सैनी एंड ग्रुप प्रथम, सामुहिक नृत्य में हिमांशु सैनी एंड ग्रुप प्रथ्रम व राजेश कुमार एंड ग्रुप द्वितीय, विचित्र वेशभुषा में हर्ष टेलर प्रथम व रीतिक शर्मा द्वितीय कविता पाठ में विनित पंसारी प्रथम व विकास द्वितीय स्थन पर रहे। निर्णायक मंडल में लक्की शर्मा, पूनम कंवर, शोभा बोहरा रही। संचालन डॉ. माया जांगिड़, डॉ. नीरमा कुमावत ने किया। डॉ. अनिता सैनी ने सभी का आभार प्रकट किया।

विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

झुंझुनू (निसं)। जिले के केदारनाथ मोदी राजकीय महाविद्यालय, गुढ़ा में मंगलवार को राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। महिला नीति के अन्तर्गत बागवानी, रेशम पालन, बून्द-बून्द सिंचाई, उर्वरक, जैविक विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राजकीय महाविद्यालय, झुंझुनू से प्रो. मंजू चौधरी ने पीपीटी के माध्यम से रोचक एवं ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय कार्यवाहक प्राचार्य सरोज नैनीवाल ने एनएसएस के अन्तर्गत मिशन 2047 हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ दिलवायी एवं मुख्यवक्ता को स्मृति चिह्न देकर धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ वीएस तंवर ने सेमेस्टर सिस्टम प्रणाली के बारे में बच्चों को विस्तार से जानकारी दी। एनएसएस अधिकारी सुमन सैनी ने माई भारत डॉट कॉम पर स्वयंसेवकों को शत प्रतिशत रजिस्ट्रेशन करने हेतु प्रेरित किया। मंच संचालन शौर्य बूरी ने किया। इस अवसर पर डॉ कुलदीप ढाका, कृष्ण लाल, रामपाल सिंह, सुभाष चन्द्र खेदड़, रणबीर सिंह, मनीष कुमार, प्रवीण देवा, संजय कुमार आदि सहित महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर आयोजित

सूरजगढ़ (निसं)। विकसित भारत संकल्प यात्रा के ग्राम पंचायत सेही कलां पहुंचने पर पूर्व विधायक सुभाष पूनियां, प्रधान बलवान सिंह, सरपंच अणची देवी द्वारा स्वागत सत्कार किया गया। मंगलवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ सेही कलां पहुंचा जहां पर रथ का स्वागत कर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री गरीब योजना, स्वामित्व योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सम्मान योजना, आयुष्मान भारत योजना, मिशन अन्त्योदय योजना, प्रणाम पीएम योजना, जल जीवन मिशन योजना आदि योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं पंजीयन कर लोगों को लाभान्वित किया गया। शिविर के दौरान कुल 819 लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया। इस मौके पर की उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी सहित सभी विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।

चंपालाल महाराज को सुरक्षा देने की मांग

सुजानगढ़ (कासं)। अजमेर मसाणिया भैरव धाम के मंहत धर्मगुरू चंपालाल महाराज को सुरक्षा देने की मांग को लेकर आज क्षेत्र के सैंकडो लोगों ने उपखण्ड अधिकारी रमेश कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि 10 दिसम्बर रविवार को पूजा अर्चना करते समय धमकी भरा पत्र मिला था। इसके अलावा पूर्व में भी मारवाडी दरबाजा के पास जानलेवा हमला हो चुका है। ज्ञापन में मुख्यमंत्री भजनलाल से उनके परिवार को स्थाई सुरक्षा देने की मांग की है। साथ ही राजगढ मन्दिर व अजमेर तक सुरक्षा जाप्ता तैनात करने की मांग की है। इस अवसर पर सतीश डूंखवाल, अनिल कुमार, पंकज, संदीप, रविन्द्र, शेर सिंह सहित बडी संख्या में शहर के लोग मौजूद रहे।

बावलिया बाबा का गुणगान किया

झुंझुनू (निसं)। चिडावा से घूमने आए बावलिया बाबा महिला मंडल के सदस्यों ने मंगलवार को बुगाला स्थित बावलिया बाबा मंदिर में बाबा का गुणगान किया। पुजारी गोपाल दास ने पूजा अर्चना की। इसके बाद मंडल के सभी सदस्य म्यूजियम गए। जुगलकिशोर वर्मा ने बताया कि सभी महिलाओं ने बाबा की प्रतिमा के दर्शन किए तथा म्यूजियम में लगाई गई बाबा की जीवनी का पठन किया। साथ ही सजाई गई विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का अवलोकन भी किया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष पूनम चौरासिया, शशि जोशी, सुषमा पुजारी, चंद्रकांता मिश्रा, आशा अग्रवाल, कौशल्या योगी, पूनम शर्मा, इंदिरा योगी, सन्तोष केडिया, कोयल योगी सहित समस्त महिला मंडल सदस्य मौजूद रहे।

सी.एम.से मिलकर बधाई दी

सूरजगढ (निसं)। प्रदेश में भाजपा सरकार के गठन के बाद नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। चेयरमैन पुष्पा देवी गुप्ता व राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ अध्यक्ष सेवाराम गुप्ता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके आवास पर मिलकर उनको मुख्यमंत्री निर्वाचित होने की बधाई देते हुए मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। इस मौके पर चेयरमैन ने नगरपालिका के विकास को लकर चर्चा की जिस पर मुख्यमंत्री ने चेयरमैन गुप्ता को सूरजगढ नगरपालिका के विकास में सहयोग करने का आश्वासन दिया।

बैठक आयोजित

सुजानगढ (कासं)। राजकीय बगडिया अस्पताल में बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण के संबंध में वार्ड प्रभारी नर्सिंग अधीक्षकों की बैठक आयोजित की गयी। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश चंद्र कलानी एवं नोडल अधिकारी डॉ. लियाकत अली ने बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत संस्थान में आवश्यक बैठक में निर्देश प्रदान किए गए भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही नहीं करने के निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में अनाराम गोदारा, सरोज स्वामी, सुनीता स्वामी अन्य समस्त वार्ड प्रभारी उपस्थित रहे।

थाने में परिवाद दिया

सुजानगढ़ (कासं)। पुलिस थाने में 60 मुर्गी चोरी होने की शिकायत दी गई है। मर्द पुत्र इलियास खत्री ने थाने में दिए परिवाद में बताया है कि 17 दिसम्बर को बाईपास रोड फाटक पांच के पास स्थित मेरी दुकान से अज्ञात व्यक्तियों ने 60 मुर्गियां चुरा ली है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया।

'भाजपा को पूरे प्रदेश में मजबूत करना है'

- राजेन्द्र राठौड़ के सानिध्य में विकसित भारत संकल्प यात्रा एवं आभार सभा आयोजित
- झुंझुनूं भाजपा जिला उपाध्यक्ष इंजीनियर प्यारेलाल ढूकिया ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की

चूरू, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के सानिध्य में विकसित भारत संकल्प यात्रा एवं आभार सभा दादाबाड़ी में मंगलवार को आयोजित हुई। इस अवसर पर उज्जवला योजना के लाभार्थियों को गैस कनेक्शन दिए गए। आभार सभा में झुंझुनूं भाजपा जिला उपाध्यक्ष इंजीनियर प्यारेलाल ढूकिया ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की।

सभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने तारानगर में हुई अपनी पराजय के संबंध में कहा कि चुनाव लोकतंत्र का युद्ध है, इस युद्ध में हार-जीत सिक्के के दो पहलु हैं। राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि मेरा कोई कर्म ऐसा रहा होगा कि मैं तारानगर की जनता को विश्वास नहीं दिला पाया। राठौड़ ने कहा कि जो लोग उन्हें तारानगर लेकर गए वे पर्चा भरने के बाद खिसकने लगे। राठौड़ ने कहा कि वे समझ तो गए थे लेकिन देर हो गई थी। राठौड़ ने कहा कि वो एक दुखद अध्याय के रूप में बंद कर दिया है। अब नया इतिहास रचेंगे। उन्होंने कहा चुनाव परिणाम के बाद एक दिन विधायक भजनलाल शर्मा का फोन आया कि आपके बिना विधानसभा सुनी-सुनी लगेगी। आज वे भजनलाल शर्मा राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं। राठौड़ ने मोदी को दुनिया का सबसे बड़ा नेता बताते हुए कहा कि मोदी है तो मुमकिन है।

राठौड़ ने कहा कि अब उनका एक मात्र ध्येय भाजपा को पूरे प्रदेश में मजबूत करना है, जिससे 2024 के चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमत्री बनवाया जा सके। उन्होंने चूरू के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि चूरू मेरा पहला प्यार है और मेरे इस चूरू परिवार ने हरलाल सहारण को

राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के सानिध्य में विकसित भारत संकल्प यात्रा एवं आभार सभा दादाबाड़ी में आयोजित हुई।

विधानसभा में पहुंचाकर मेरी लाज रख ली। राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी उनकी मां है और जो व्यक्ति मां से गद्दारी करता है, उसे किसी भी सुरत में माफ नहीं किया जाना चाहिए।

राठौड़ ने भावुक होते हुए कहा कि उन्हें अपनी हार की कतई परवाह नहीं है परन्तु जिस प्रकार कुछ लोगों ने गद्दारी की, उससे मेरी चूरू की जनता का अपमान हुआ है और इस अपमान का बदला अवश्य लिया जायेगा। इससे पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का चूरू प्रधान दीपचन्द राहड़ ने एवं चूरू विधायक हरलाल सहारण का पूर्व प्रधान विक्रम सिंह कोटवाद ने साफा पहनाकर अभिनन्दन किया। सभा की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, दीनदयाल सैनी, विधाधर शर्मा, पवन यादव, विजय कस्वां, राकेश तालणिया व करणीसिंह निर्बाण ने 21 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया।

चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि राजेन्द्र राठौड़ की हार ने मुझे अन्दर तक विचलित कर दिया है। सहारण ने कहा कि राजेन्द्र राठौड़ हम सब के दिल में बसते हैं। उनके सपनों को साकार करने के लिए हम दिन रात जुटकर सेवा करेंगे। युवा भाजपा नेता पराक्रम सिंह राठौड़ ने कहा कि जिस प्रकार की घृणित राजनीति तारानगर में कुछ लोगों ने की उससे मन खिन्न हो जाता है। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री डॉ. वासुदेव चावला, पूर्व सभापति विजयकुमार शर्मा, एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया, प्रधान दीपचन्द राहड़, भाजपा नेता विक्रम कोटवाद, राष्ट्रीय परिषद् सदस्य ओम सारस्वत, नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, पूर्व सभापति मुरलीधर शर्मा, कर्मचारी नेता नोरंगलाल वर्मा, सम्पत सिंह राठौड़, महेन्द्र न्यौल, जेपी शर्मा, दौलत तंवर ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री भास्कर शर्मा, हेमसिंह शेखावत व अभिषेक चोटिया ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम में रतननगर नगरपालिका चेयरमेन निकिता गुर्जर, बनवारीलाल शर्मा, पदमसिंह राठौड़, फतेहचन्द सोती, बजरंग कस्वां, किशन आसेरी, सत्तार खान, सुरेश प्रजापत, चन्द्राराम गुरी, नरेन्द्र कंवल, नरेन्द्र काछवाल, योगिता प्रजापत, सुशील लाटा, सुभाष जांगिड़, नारायण बेनीवाल, मदनगोपाल बालाण, प्रभा धंधावत, अख्तर खान, अजीत मेघवाल, भंवर अजीत सिंह, राजेन्द्र धरेन्द्रा, भीखाराम सैनी, ममता जोशी, मेधराज भार्गव, हरिराम चोपड़ा, विमल जोशी, विनोद सैनी, शेरू गोयन्का, रमेश शर्मा, सुरेश मिश्रा, रवि दाधीच, रघुनाथ खेमका, राजीव शर्मा, नीरज जांगिड़, ओमसिंह, सीपी शर्मा, सुनील ढाका, संदीप पाटील, श्रीराम शर्मा, राजेश माटोलिया, गोगराज सैनी, ब्रहमानंद राजोतिया, गजानंद गौड़, विशाल भाटी, आनन्द रैगर, मनोज सैनी, कर्ण शर्मा, दिनेश शर्मा, विजय बावलिया, पवन गुर्जर, अश्विनी बुडानिया, चन्द्रकला ढाका, नोमान खान, भरत पारीक, मोहम्मद सबीर, अमरसिंह बुढानिया, महावीर पूनियां, सुनीता प्रजापत, सरीता जोशी, चचंल सोनी, इन्द्रा सैनी, बबीता भाकर, शोभा चौधरी, दीनदयाल खारड़िया, असलम डायर, आदिल खान, ओम इन्दोरिया, जुगल पाण्डे, मुकेश औझा, रजत शर्मा, शंशाक शर्मा, विश्वनाथ जांगिड़, पवन चावंरिया, संदीप बाल्मिकी, अजय तंवर, अशोक तंवर, लोकेश शर्मा सहित चूरू विधानसभा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शक्ति दिवस मनाया

सीकर, (निसं)। एनीमिया के खिलाफ चल रही चिकित्सा विभाग की जंग जारी है। इसके तहत प्रदेशभर में राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे अनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान के तहत हर माह के प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस मनाया जा रहा है। अनीमिया से बच्चों, किशोर किशोरियों, गर्भवती, धात्री व अन्य सभी वर्ग के लोगों को मुक्त रखने के लिए विभाग की ओर से यह दिवस मनाया जाता है।

इस दिन स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा शरीर में खून की मात्रा की जांच कर खून बढाने की गोली दी जाती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निर्मल सिंह ने बताया कि मंगलवार को जिले के चिकित्सा संस्थानों, आंगनबाड़ी केंद्रों व शिक्षण संस्थाओं पर स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों, किशोर किशोरियों, गर्भवती व धात्री महिलाओं की स्क्रीनिंग की और शरीर में खून की कमी नहीं हो, इसके लिए आयरन फोलिक एसिड की गोली तथा बच्चों को सिरप पिलाई गई। प्रत्येक मंगलवार को जिले के आंगनबाडी केंद्रों, राजकीय विद्यालयों, उप स्वास्थ्य केंद्रों, सीएचसी, पीएचसी, उप जिला अस्पताल, जिला अस्पताल, शिक्षण संस्थाओं में शक्ति दिवस मनाया जाता है। 6 माह से 59 माह तक के बच्चों, पांच से नौ वर्ष तक के विद्यालय नहीं जाने वाले बच्चों, 10 से 19 साल तक की विद्यालय नहीं जाने वाली सभी किशोरी तथा 20 से 24 साल की विवाहित महिलाओं, गर्भवती व धात्री माताओं को आंगनबाडी केंद्र पर आशा सहयोगिनी द्वारा लक्षण के आधार पर जांच की गई और आयरन की गोलियां दी गई। विद्यार्थियों को राजकीय विद्यालयों में आयरन की गोली खिलाई। छह से 59 माह तक बच्चे, पांच से नौ साल के बच्चे, 10 से 19 साल के किशोर-किशोर तथा 20 से 24 वर्ष की विवाहित महिलाएं, गर्भवती व धात्री महिलाओं को चिकित्सा संस्थानों पर भी आयरन फोलिक एसीड की गोली व सिरप पिलाई गई।

वाहन की टक्कर से राहगीर की मौत

खेतड़ी (निसं)। एएसआई राजकुमार ने बताया कि ढाणी पुजारी वाली तन कालोटा का रहने वाला दिलीप सिंह (51) पुत्र मूल सिंह बबाई में किराना की दुकानों पर पल्लेदारी का काम करता था। सोमवार शाम को वह अपने घर से बबाई किसी काम के लिए आया था। जब रात को वापस अपने घर पैदल ही लौट रहा था तो मंडाना कालोटा सडक पर भेरुजी की मंदिर के पास पहुंचा तो पीछे से आई गाडी ने उसको टक्कर मार दी, जिससे वह घायल होकर सडक किनारे ही गिर पडा।

इस दौरान सुबह आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा सडक किनारे एक व्यक्ति के मृत अवस्था में पडे होने की सूचना दी गई। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव की शिनाख्त के प्रयास किए गए। इस दौरान मृतक की पहचान पुजारी वाली ढाणी तन कालोटा निवासी दलीप सिंह पुत्र मूल सिंह के रूप में हुई। घटना की सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी जुटाई।

ओवरलोड वाहनों एवं अवैध रॉयल्टी के खिलाफ कलेक्टर को ज्ञापन दिया

पाटन (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के गणमान्य लोगों द्वारा नीमकाथाना में रॉयल्टी ठेकेदार द्वारा अनाधिकृत रूप से फिनिश गुड्स पर स्वीकृत दर से अधिक राशि वसूली एवं ओवरलोड के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है।

ज्ञापन में लिखा है कि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित राशि खनिज चेजा पत्थर पर प्रति टन 49.28 रूपयें हैं जबकि ठेकेदार द्वारा 63 रूपयें प्रति टन वसूल किये जा रहें हैं, जिसे रोकने के लिए 15 जुलाई को नीमकाथाना माईनिंग एण्ड क्रेशर वेलफेयर सेवा समिति की बैठक में निर्णय लिया गया है कि माईन्स एण्ड क्रेशर मालिकों द्वारा फिनिश गुड्स पर सरकार द्वारा स्वीकृत दर से ज्यादा राशि का भुगतान नहीं किया जायेगा, साथ ही खनिज पर रॉयल्टी सरकार द्वारा स्वीकृत दर से वसूली की जाती हैं तो क्रेशर और खान मालिको को कोई आपत्ति नही होगी। जिसके विरोध में उपखण्ड अधिकारी नीमकाथाना को 15 जुलाई को समिति द्वारा ज्ञापन भी दिया गया था परंतु आज दिनांक तक ठेकेदार द्वारा चेजा पत्थर के बजाय फिनिश गुड्स पर प्रति टन 49.28 रूपये की बजाय 63.00 रूपयें अवैध वसूली की जा रही हैं। क्षेत्र के गणमान्य लोग एवं भाजपा के पदाधिकारियों ने रॉयल्टी ठेकेदार को पाबन्द करने एवं राज्य सकार द्वारा स्वीकृत दर से अधिक राशि की वसूली नही करने की मांग की है।

भाजपा के पदाधिकारियों ने अपने ज्ञापन में यह भी लिखा है कि नीमकाथाना कि सडकों पर चेजा पत्थर, क्रेशर गिट्टी, सिलिकासेड ,फेल्सफार से भरे ट्रैलर दिन दहाडे चल रहे हैं जिनमें 40 टन से 100 टन तक वजन होता है। ये ट्रक व ट्रेलर निर्धारित क्षमता से अधिक भरे हुए होते हैं तथा गांवों के बिचो बीच तेजगति से निकलते हैं जिस कारण आए दिन दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। ओवर लोड वाहनों से चेजा पत्थर, क्रेशर गिट्टी, सिलिकासेड, फेल्सफार गिरते हुए जाते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाए हो रही हैं। पूर्व में भी ग्राम पंचायत बिहारीपुर, जीलो, डाबला, बिहार एवं हसामपुर के ग्रामीणों द्वारा ज्ञापन दिया गया था तथा हमारे द्वारा भी 28 जुलाई को अतिरिक्त जिला कलेक्टर नीमकाथाना को ओवर लोड वाहनों के खिलाफ ज्ञापन दिया था, उसके बावजूद भी आज तक ना तो ओवरलोड के खिलाफ कोई कार्यवाही हुई है और ना ही अवैध रॉयल्टी बंद हुई है। इनके खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जाए अन्यथा नीमकाथाना में एक बड़ा आंदोलन होगा। ज्ञापन देने वालों में दौलत राम गोयल जिला उपाध्यक्ष भाजपा सीकर, सुवालाल सैनी प्रधान पंचायत समिति पाटन, भाजपा नेता प्रमोद सिंह बाजोर, मन्नालाल सैनी, फूलचंद वर्मा, सुभाष बराला आदि उपस्थित रहे।

सार-समाचार

भारतीय लघुकथा सम्मेलन आयोजित

सादुलपुर, (निसं)। हरियाणा प्रदोशिक लघुकथा मंच सिरसा (हरियाणा) द्वारा आयोजित अखिल भारतीय लघुकथा सम्मेलन-2023 में साहित्य समिति राजगढ के अध्यक्ष एवं सदस्यों को सम्मानित किया गया। जिसमें साहित्य समिति राजगढ के अध्यक्ष डॉ रामकुमार घोटड सहित अनिल शास्त्री, रणजीत सिंह भाटी, जाफर खान को भी आयोजकों द्वारा पुस्तकें व प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं सम्मेलन में दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उतर प्रदेश व राजस्थान सहित हरियाणा राज्य के विभिन्न शहरों से आये लघुकथाकारो ने अपने-अपने आलेख पढे तथा सम्मेलन में उपस्थित लघुकथाकारों की जिज्ञासा भरे प्रश्नों का तर्क संगत साहित्यिक शैली में उनका निदान कर संतुष्ट किया। वहीं इस राष्ट्रीय सम्मेलन स्तर के आयोजन में डॉ रामकुमार घोटड ने अध्यक्षीय मण्डल से बोलते हुए हिन्दी लघूकथा में प्रयोग धर्मिता का औचित्य विषय पर अपना उदबोधन दिया। आयोजक मण्डल रूपदेवगुण, शीलकोशिक, योगराज प्रभाकर, मेजर शक्तिराज, ललीत जैन, मित्रसैन जैसे प्रतिष्ठित महानुभावों द्वारा साहित्य समिति के सदस्यो को सम्मानित किये जाने पर पुरूषोतम देव पाण्डिया, संतोष जांगिड पंछी, प्रतापसिंह कस्वा, वैद्य सत्यनारायण शाडिल्य, राम अवतार बैरासरिया, मकसुद चिश्ती सहित परिचित जनों ने बधाई देते हुए खुशी जताई।

विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ पंचायत समिति की ददरेवा व लाखलाण बडी ग्राम पंचायत में मंगलवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा अन्तर्गत कार्यक्रम आयोजित किए गए। राजगढ पंचायत समिति के नायब तहसीलदार जयप्रकाश ने बताया कि एसडीएम राजगढ दीपांशु सांगवान के प्रभावी निर्देशन में ग्राम पंचायतों पर आयेजित शिविरों में ग्रामीणों में काफी उत्साह रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रचार रथ पहुंचने पर ग्रामवासियों ने भरपूर उत्साह से स्वागत किया। केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में आमजन को जागरूक करने के लिए गाँव के विद्यार्थियों व बालक-बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। उन्होंने बताया कि शिविर में ग्रामवासियों के प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, राजीविका, हर घर जल-जल जीवन मिशन, प्रधनमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्राी गरीब कल्याण अन्न योजना सहित शामिल कुल 17 योजनाओं के संबंधित रजिस्ट्रेशन किए गए।

आनंद उत्सव समिति का गठन

पाटन (निसं)। अयोध्या में होने वाले श्री राम मंदिर आनंद उत्सव को लेकर श्री नृसिंह मंदिर हसामपुर में आज मंडल स्तरीय समिति व ग्राम स्तरीय समिति का गठन किया गया। बैठक में तय किया कि 24 दिसंबर को हसामपुर में अयोध्या से आए पूजित अक्षत का स्वागत किया जाएगा।

क्षेत्र में सर्दी बढ़ने से अस्पतालों में मरीजों की लाइन लगी

खेतडी (निसं)। खेतड़ी क्षेत्र में पिछले दो दिन से सर्दी का प्रभाव अधिक हो जाने से अब अस्पतालों में मरीजों की लाइन लगने लगी है। उप जिला अस्पताल में मरीजों को उपचार के लिए अपनी बारी के आने का इंतजार भी करना पड रहा है।

वर्तमान समय में अस्पतालों में खांसी, जुकाम के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जिसके चलते राजकीय उप जिला अस्पताल की प्रतिदिन की ओपीडी पांच सौ से अधिक हो गई है। अस्पताल में सबसे ज्यादा वायरल, खांसी, जुखाम बुखार के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

अस्पताल में डॉक्टरों की ड्यूटी का सही तरीके से नहीं लगाए जाने के कारण मरीजों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल के पीएमओ डॉक्टर अक्षय कुमार शर्मा ने बताया कि पिछले दो दिन से सर्दी का प्रभाव अधिक हो जाने से मौसम बीमारियां फैलने लगी हैं, जिसके चलते खांसी जुखाम, बुखार के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सुबह-शाम सर्दी अधिक होने व दिन में सूर्य की तपन होने से बदलते मौसम के चलते इन बीमारियों के मरीज की आवक ज्यादा हो रही है, जिसके चलते अस्पतालों में मरीजों की भीड लगने लगी है।

अस्पताल में उपचार के लिए आई संतोष, विमला, कल्पना ने बताया कि पिछले आधे घंटे से लाइन में लगे हुए हैं। लाइन लंबी होने के कारण काफी देर तक अपनी बारी आने का इंतजार करना पड रहा है।

इसके अलावा राजकुमार, विजेंद्र कुमार ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर के अपने चैंबर में बैठने की व्यवस्था सही नहीं होने के कारण मरीजों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। पीएमओ ने बताया कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर चिकित्सा विभाग की ओर से बेहतर प्रयास किया जा रहे हैं, जिसके चलते स्थानीय आशा, एएनएम व अन्य कर्मचारी की सहयोग से लोगों को मौसमी बीमारियों के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हरीश यादव ने बताया कि बदलते मौसम के साथ बढ़ रही मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर चिकित्सा विभाग की टीमें लगाई गई है, जो वार्ड व ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी बीमारियों की सतर्कता को लेकर कार्य कर रही हैं।

इसके अलावा दो दिन पहले भी कर्मचारियों की बैठक लेकर कर्मचारियों को मौसमी बीमारियों को रोकथाम को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे।

परीक्षा संयोजक का निलंबन रद्द करने की मांग

- चूरू जिले में अर्द्ध वार्षिक परीक्षा 2023-24 की कक्षा 10 के तृतीय भाषा संस्कृत व सामाजिक विज्ञान के प्रश्न पत्र वायरल

चूरू, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने समान परीक्षा संयोजक के निलंबन रद्द करने की मांग को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री को अतिरिक्त जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन भेजा है।

शिक्षा निदेशक द्वारा चूरू जिले में अर्द्ध वार्षिक परीक्षा 2023-24 की कक्षा 10 के तृतीय भाषा संस्कृत व सामाजिक विज्ञान के प्रश्न पत्र वायरल प्रकरण में बिना किसी जांच के चूरू जिले की समान परीक्षा संयोजक निर्मला

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने समान परीक्षा संयोजक के निलंबन रद्द करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को अतिरिक्त जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन भेजा है।

गहलोत को निलंबित कर दिया था। इस पर शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने यह मांग उठाई है कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए लेकिन निर्दोष जिला संयोजक का निलंबन आदेश तुरंत प्रभाव से प्रत्याहारित किया जाना चाहिए क्योंकि जिला संयोजक का कार्य पेपर को छपाना तथा नोडल विद्यालय तक सुपुर्द करने का होता है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती गई है। इस अवसर पर संभाग संगठन मंत्री राजवीर सिंह राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार सैनी, जिला मंत्री शिवकुमार शर्मा, केसर देव सैनी, धर्मेंद्र कुमार सोलंकी, प्रदेश महासमिति सदस्य चिरंजीलाल सैनी, ताराचंद खेड़ीवाल, भंवरलाल, कन्हैयालाल सैनी, अशोक दाधीच, कुलदीप सिंह, सुरेंद्र परिहार, विनोद भाकर, राजेश भांभू, अनुपम सैनी, जगदीश कुलथिया आदि उपस्थित थे।

इसी प्रकार रेसला के पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रधानाचार्य रामकुमार खीचड़ के नेतृत्व में जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग को ज्ञापन सौंपकर श्रीमती गहलोत को अविलम्ब बहाल करने की मांग की। सैकड़ों साथियों के साथ जिला कलेक्टर के चैम्बर के आगे बैठकर नारेबाजी की गई। खीचड़ ने बताया कि समान परीक्षा के संयोजक का कार्य पेपर छपवाकर सभी ब्लॉकों के नोडल स्कूल में भेजकर जिले की सभी राजकीय स्कूलों में भेजने का है। परीक्षा शुरू होने के बाद जिले की मोनेटरिंग जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक की होती है। महोदय से इस मामले में बात करूंगा। ज्ञापन देने वालों में पूर्णाराम माहिच, जगदीश खेड़ीवाल, नंदलाल बौद्ध, मोहन अर्जुन, शीशराम माहिच, सांवतराम, रिखाराम तालनियाँ, रघुवीर सिंह बाडेटिया सहित सैकड़ों साथी शामिल थे।

जरूरतमन्दों को स्वेटर वितरित

झुंझुनू (निसं) महावीर इंटरनेशनल झुंझुनू द्वारा (ईएमएएमआई ग्रुप कोलकता) के राधेश्याम गोयनका के सौजन्य से केड (छावसरी) राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कालबेलिया बस्ती में कक्षा एक से आठ तक के 41 छात्र-छात्राओं को टोपी वाली स्वेटर तथा प्रत्येक बच्चे को पहनने के लिए साधारण कपडे का वितरण किया। इस विद्यालय में सभी बच्चे कालबेलिया बस्ती परिवार से आते हैं जिनके पास कोई बिजली संसाधन नहीं है फिर भी इन बच्चों में पढ़ने का जुनून है तथा एक बच्चे ने राजस्थान मेरिट में अपना नाम लाकर स्कूल का नाम रोशन किया जो एक सपेरा जाति परिवार का बच्चा था। संस्था अध्यक्ष वीर सत्यदेव दडिय़ा ने सभी बच्चों को मोटिवेशन तथा स्कूल अध्यापकों को लगन से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता आयोजित

झुंझुनू (निसं)। स्थानीय गणपति नगर स्थित न्यू राजस्थान बालिका पीजी महाविद्यालय में एनएसएस की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय शिविर के पांचवें दिन प्रथम सत्र में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें इकाई प्रथम व द्वितीय की स्वयंसेविकाओं के मध्य बॉस्केटबॉल, खो-खो, कबड्डी, रस्साकस्सी व म्यूजिकल चैयर आदि विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए समन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय स्थान मलसीसर
वादी उम्मेद खान विरूद्ध **भादर वगै.**
दावा बाबत :- **घोषणार्थ रिकॉर्ड दुरूस्ती, बंटवारा एवं स्थायी निषेधाज्ञा**
सिविल वाद
संख्या......2022/331......सन 2022
प्रेषितः- 1. भादर पुत्र, 2. भवानी सिंह, 3. विजयभान, 4. राकेश पुत्रगण हरिसंह, 5. शोभा कंवर पत्नी हरिसिंह, 6. ललता पुत्री हरिसिंह, 7. राजू माता हंसकर दोहिता हरिसिंह समस्त जाति बड़वा निवासीगण बड़वा की ढाणी, तहसील मलसीसर जिला झुंझुनूं, राज.
वादी उक्त ने आपके विरूद्ध उक्त वाद के लिये संस्थिक किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 31/01/2024 को दिन के 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो वाद से संबंधित सभी सारवाना प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो, जो ऐसे सभी प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे, जिन पर आपका प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या ना हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है, तो ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के बाद उपावद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टी करे।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे, तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज तारीख 921/15.12.2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश
उपखण्ड अधिकारी, मलसीसर

सी.एम. बनने के बाद पहली बार भरतपुर पहुंचने पर भजनलाल शर्मा का स्वागत

प्रदेश के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

भरतपुर, (निसं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के पहली बार गृह जिले में पहुंचने पर जिले की सीमा से लेकर भरतपुर तक स्वागत में जनसैलाब उमड़ पड़ा। हर गांव, कस्बे, ढाणी में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। ऐसा लगा मानो पूरा हाइवे फूलों से लदकद कर दिया हो। जिले की सीमा कमालपुरा पर सम्भागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक रूपिन्दर सिंह, जिला कलेक्टर लोक बंधु एवं जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने अगवानी कर स्वागत किया।

रोड किनारे बनाये गये मंच पर जिले के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों नदबई विधायक जगत सिंह, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, नगर विधायक जवाहर सिंह बेढ़म, वैर विधायक बहादुर सिंह कोली, कामां विधायक नौक्षम चौधरी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने 101 किलो के पुष्पहार से स्वागत कर भरतपुर की प्रतीक गदा प्रदान कर स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अपनों के बीच आत्मीयता पाकर उन्हें संबल मिला है। प्रदेश के विकास में अब कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ग को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान कर प्रदेश को अग्रणी राज्यों में शामिल किया जायेगा। उन्होंने केन्द्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए चलाये जा रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में भी सभी को सक्रियता से भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों सहित गणमान्य नागरिकों ने 101 किलो के पुष्पहार से स्वागत कर भरतपुर की प्रतीक गदा प्रदान कर स्वागत किया।

इस अवसर पर बगरू विधायक कैलाश वर्मा, पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली, पूर्व विधायक बयाना बच्चूसिंह बंसीवाल, पूर्व मेयर शिवसिंह भोंट, पूर्व उप जिला प्रमुख अभयवीर सोलंकी, नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष रूपेंद्र सिंह, सोमकान्त शर्मा, मनोज भारद्वाज, गिरधारी तिवारी, सत्येंद्र गोयल, भानूसिंह राजावत, शिवानी दायमा, गोवर्धन सिंह जादौन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री का हर गांव-कस्बे में ग्रामीणों ने जेसीबी से पुष्पवर्षा करते हुए स्वागत किया। हजारों की संख्या में महिला, पुरूष कतारबद्ध रूप से मुख्यमंत्री को देखने के लिए लालायित रहे। प्रत्येक नागरिक के हाथ में फूल एवं चेहरे पर उल्लास देखने को मिला।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का जिले की सीमा कमालपुरा, बाछरैन, नसवारा, खेड़ली मोड़, छोंकरवाडा, आमोली, झालाटाला, सरसैना मोड़, हलैना, बेरी, अरौदा, हंतरा, डहरा मोड़, पहरसर, लुलहारा, बांसी, सिनपिनी, लुधावई, सेवर में जनसमूह ने फूलमालाओं से स्वागत किया। सैकडों वाहनों के काफिले में मुख्यमंत्री ने खुली कार में सवार होकर सभी का अभिवादन स्वीकार किया तथा आत्मीयता से मिलकर आमजन की शुभकामनाएं स्वीकार की।

सीएम ने सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, गोवर्धन के लिए रवाना होते समय उन्होंने कहा की, पेपर लीक पर सीएम भजन लाल

- **मुख्यमंत्री शर्मा जवाहर नगर स्थित अपने मकान पर पहुंचे, जहां परिवार से मुलाकात की**

ने कहा कि आगे-आगे देखते जाइए क्या होता है। मंत्रिमंडल के विस्तार पर सीएम ने चुप्पी साध ली, जिसके बाद वह गोवर्धन के लिए रवाना हो गए। सीएम भजन लाल पहली बार अपने गृह जिले पहुंचे तो उनका लोगों ने जोरदार स्वागत किया। भरतपुर के कमालपुरा बॉर्डर से लेकर उनके घर तक कई जगह उनका स्वागत हुआ। जिसके बाद वह जवाहर नगर स्थित अपने मकान पर पहुंचे। जहां उन्होंने अपने परिवार से मुलाकात की, सीएम के घर के बाहर उनके पड़ौसियों और रिश्तेदारों ने उनका स्वागत किया। अपने परिवार से मिलने के बाद सीएम सर्किट हाउस पहुंचे। सर्किट हाउस में उन्होंने कार्यकर्ताओं और आमजन से मुलाकात की, जिसके बाद वह गोवर्धन भगवान के दर्शन के लिए रवाना हो गए।

भरतपुर आते समय सीएम भजन लाल लुधावई वाले हनुमान मंदिर पर रुके। जहां उन्होंने भगवान हनुमान के दर्शन किए। सीएम बनने से पहले और सांगानेर के विधायक बनने से पहले सीएम लुधावई वाले हनुमान मंदिर पर अकसर पूजा अर्चना करने जाते थे। उनकी लुधावई वाले हनुमान मंदिर में काफी आस्था है। इसलिए वह मंदिर पर रुके और भगवान का आशीर्वाद लिया।

दो लोगों को पकड़ा, 60 हजार के नकली नोट बरामद

बीकानेर, (निसं)। जिले की सीमावर्ती क्षेत्र खाजूवाला में पुलिस ने नकली नोटों के साथ दो व्यक्तियों को पकड़ा है। इनके पास से 60 हजार रुपए के 500-500 रुपए के नकली नोट बरामद हुए हैं।

पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौमत ने बताया कि यह कार्रवाई खाजूवाला एसएचओ रामप्रकाश व उनकी टीम ने की है। एसएचओ को लंबे समय से क्षेत्र में नकली नोटों की सूचना मिल रही थी। नकली नोटों के गिरोह को पकड़ने के लिए एसएचओ ने मुखबीरों को अलर्ट कर रखा था। मुखबीर से सूचना मिलने पर खाजूवाला पुलिस ने बीएसएफ ग्राउंड के पास से रामानंद एवं रमेश चौधरी को पकड़ा। तलाशी लेने पर रामानंद के पास

- **आरोपियों ने बताया कि नकली नोट जयपुर में रहने वाले सुरेन्द्र उर्फ मिर्ची से लाए थे**

36 हजार एवं रमेश के पास से 24 हजार के नकली नोट बरामद हुए। आरोपियों के खिलाफ बीकानेर के कोटगेट थाने में मामला दर्ज किया गया है।

एसएचओ रामप्रताप ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह यह नकली नोट जयपुर में रहने वाले सुरेन्द्र उर्फ मिर्ची से लाए थे। सुरेन्द्र मूल रूप से बीकानेर का रहने वाला है। यह पहले मिर्ची का कारोबार करता था, इसलिए इसका नाम मिर्ची पड़ गया। आरोपियों ने बताया कि पिछले दिनों यह जयपुर गए थे तब सुरेन्द्र ने उक्त लोगों ने नकली नोट दिए थे। आरोपी यह रुपए रावला में किसी अन्य व्यक्ति को सप्लाई करने वाले थे लेकिन पुलिस ने इन्हें पहले ही दबोच लिया।

बीकानेर पुलिस की ओर से करोड़ों रुपए के नकली नोट पकड़े जा चुके हैं। बीकानेर रेंज पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश के नेतृत्व में जिला पुलिस ने करीब तीन करोड़ रुपए के नकली नोट, नोट छापने की मशीन, कागज, कटर व अन्य सामान जब्त किया था। उक्त मामले में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया था।

फूड पॉयजनिंग से एक दर्जन बच्चे बीमार

बीकानेर, (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ के एक प्राइवेट स्कूल में पुरानी सामग्री खाने से बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। करीब एक दर्जन बच्चों को उल्टी-दस्त के साथ बेहोशी आने लगी। इन सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। कुछ बच्चों को भर्ती करके इलाज किया जा रहा है। श्रीडूंगरगढ़ के धनेरू गांव में स्थित निजी स्कूल में अचानक चौथी कक्षा के बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। कुछ बच्चे बेहोश होने लगे तो स्कूल टीचर्स में हडकंप मच गया। किसी ने स्कूल में पताशे आदि बच्चों को वितरित किए थे। ये सामग्री एक बच्चे को दी गई थी, जिसने पूरी क्लास में वितरित किया। इसके कुछ देर बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। स्कूल प्रशासन ने गांव के लोगों को भी इसकी सूचना दी। स्कूल की छुट्टी कर दी गई व बीमार हुए बच्चों को स्कूल बस से तुरंत बीदासर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया।

20 लाख का गांजा पकड़ा, दो गिरफ्तार

उड़ीसा से तस्करी कर प्राइवेट बस में गांजा ला रहे थे तस्कर

जयपुर/झालावाड़, (निसं)। पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच की सूचना पर झालावाड़ जिले की बकानी थाना पुलिस की टीम ने मंगलवार सुबह नाकाबंदी में प्राइवेट वीडियो कोच बस से दो तस्करों को गिरफ्तार कर उडीसा से लाया जा रहा 20 किलो गांजा बरामद किया है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 20 लाख रुपए है।

- **तस्कर उडीसा से राजस्थान तक का सफर कई ट्रेन और बसों को बदल-बदल कर करते हैं**

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी गोविंद चौहान पुत्र नारायण सिंह (25) गरोडा थाना बडोद मध्य प्रदेश व दुर्गेश पुत्र भैंरू सिंह (19) नानोरा थाना बकानी जिला झालावाड़ के रहने वाले हैं। प्रारम्भिक पूछताछ में आरोपियों ने उडीसा के बोईपरीगुदा से साहिल नाम के व्यक्ति से गांजा जलाल खेड़ा निवासी दलिप सिंह के लिए लाना बताया है। एडीजी एमएन ने बताया कि सीआईडी टीम को सूचना मिली कि दो व्यक्ति उड़ीसा से अवैध मादक पदार्थ की बड़ी खेप लेकर आते हैं। सूचना की पुष्टि के लिए प्रफुल्ल कुमार के पर्यवेक्षण में एडिशनल एसपी आशा राम चौधरी व राजेश मलिक के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर राम सिंह व सुभाष सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। सूचना की पुष्टि के बाद एसएचओ बकानी भूपेश शर्मा को अवगत कराया गया। जिनकी टीम द्वारा मंगलवार को थाने के सामने नाकाबंदी कर एक प्राइवेट वीडियो कोच बस में बैठे तस्कर गोविंद चौहान व दुर्गेश को 20 किलो गांजा सहित गिरफ्तार किया गया। इन दोनों को मुख्य आरोपी दलिप सिंह कैरियर के तौर पर 10-10 हजार रुपये देता है। तस्कर उडीसा से राजस्थान तक का सफर कई ट्रेन और बसों को बदल बदल कर करते हैं।

एमएन ने बताया कि इस सम्पूर्ण कार्रवाई में हैड कांस्टेबल महेश कुमार, रविंद्र सिंह, शंकर दयाल, कमल सिंह, राकेश जाखड व कांस्टेबल नरेश कुमार की अहम भूमिका रही। कांस्टेबल सोहन देव का तकनीकी सहयोग तो इंस्पेक्टर राम सिंह व सुभाष सिंह का कुशल नेतृत्व रहा। आरोपियों की गिरफ्तारी एसएचओ भूपेश शर्मा मय टीम द्वारा की गई।

बोलेरो कार व ट्रोले में हुई भिड़ंत

हादसे में बिजली विभाग के ए.ई.एन. सहित चार कर्मचारियों की मौत

अलवर, (निसं)। अलवर-बहरोड़ मार्ग पर जिंदोली सुरंग के पास मंगलवार की सुबह करीब दस बजे सीमेंट से भरे ट्रोले व बोलेरो कार में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। वहीं इसकी चपेट में एक बाइक सवार भी आ गया। तीनों ही वाहन 35 फीट गहरी खाई में जा गिरे। इस भीषण हादसे में बिजली विभाग के एईएन समेत चार लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। बचाव दल के देरी से पहुंचने के कारण लोगों ने सड़क भी जाम कर दी। मृतकों के शव सामान्य अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। मृतक स्थानीय ही बताए जा रहे हैं। प्रशासनिक अमला भी अस्पताल घायलों को देखने पहुंचा है।

- **भिड़ंत के दौरान एक बाइक भी चपेट में आई गई, तीनों वाहन 35 फीट खाई में गिरे**
- **अलवर-बहरोड मार्ग पर जिंदोली सुरंग के पास मंगलवार सुबह हुआ हादसा**

जानकारी के अनुसार बिजली विभाग की टीम काली मोरी से सुबह करीब पौने दस बजे बोलेरो कार से अलवर-बहरोड मार्ग पर काम के लिए निकली थी। इस टीम में एईएन एसके अरोडा, तकनीशियन नटवर, रविंद्र शर्मा, चालक बाबूलाल, रेडियो मैकेनिक मदन मीणा शामिल थे। जैसे ही इनकी गाडी जिंदोली सुरंग के पास पहुंची तो दूसरी दिशा से आ रहा ट्राला इससे भिड़ गया। पास से ही निकल रही बाइक भी चपेट में आ गई। तीनों ही वाहन खाई में जा गिरे।

ट्रोले में सीमेंट भरी थी, इसी के नीचे बोलेरो कार व बाइक दब गई। बोलेरो में सवार चार लोगों की मौत हो गई। पांचवे रेडियो मैकेनिक मदन मीणा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सामान्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बाइक सवार जेईएन राजेश के पैर में गंभीर चोटें आई हैं। इस मामले में बचाव व राहत देरी से मिलने के कारण लोगों में आक्रोश पनप गया। उन्होंने घटनास्थल पर ही जाम लगा दिया। दोपहर में प्रशासनिक अमला घायलों का हाल जानने सामान्य अस्पताल पहुंचा।

मनरेगा कार्य में चल रही जेसीबी मशीन जब्त

परबतसर, (निसं)। पंचायत समिति परबतसर विकास अधिकारी कविता जसोरिया ने मनरेगा स्थल पर जेसीबी से काम करते हुए एक जेसीबी को जब्त किया। लेकिन जेसीबी चालक ने अधिकारी को धत्ता बताते हुए उन पर जानलेवा हमला कर फरार हो गया।

बीडीओ कविता जसोरिया ने बताया कि महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत ग्राम पंचायत राबड़ीयाद के राजस्व गांव खानपुर में ग्रेवल सड़क निर्माण खानपुर से नायकों की ढाणी, अरठकी और कार्य पर 16 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक 81 श्रमिकों के मसट्रोल जारी किये थे। वही देर रात शिकायत मिली कि उक्त नरेगा स्थल पर जेसीबी से कार्य करवाया जा रहा है। शिकायत के आधार पर बीडीओ मौके पर पहुंची जहाँ जेसीबी चल रही थी। लेकिन भनक लगते ही जेसीबी चालक ने बीडीओ पर जानलेवा हमला कर मौके से जेसीबी लेकर फरार हो गया। जिस पर बीडीओ ने जानकारी ली की जेसीबी का मालिक हेमाराम है। जिस पर कार्यवाही करते हुए सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी सतीश कुमार, कनिष्ठ सहयक छुटन लाल, मेट काना राम के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाने व जेसीबी चालक व उसके मालिक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाने के लिए कर्मचारियों को निर्देश दिए।

बीडीओ ने जेसीबी मशीन जब्त करने की कार्रवाई की।

आसाराम की पैरोल याचिका की सुनवाई पूरी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान व गुजरात में रेप के मामले में आजीवन कैद की सजा भुगत रहे कथावाचक आसाराम बापू की पैरोल याचिका मामले में दायर याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई है। हाई कोर्ट ने सुनवाई के फैसले को सुरक्षित रखा है। नाबालिग से यौन शोषण मामले में आसाराम पिछले 11 साल से जेल में बंद है।

जानकारी के अनुसार जेल में बंद आसाराम बापू ने अपनी 20 दिन की पैरोल के लिए अपील की थी। इस अपील में जेल में बंद कैदियों के लिए पैरोल नियम 1958 का हवाला दिया गया था। लेकिन जिला पैरोल सलाहकार समिति ने 21 अगस्त को आसाराम को पैरोल पर रिहा करने के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया था। समिति ने पैरोल के नए नियम 2021 का हवाला देते हुए आसाराम की पैरोल याचिका को खारिज किया था।

पेपर वायरल मामले में प्रधानाचार्या निलंबित

बीकानेर, (निसं)। रा. सेठ एल एन बागला बाउमावि चूरू की प्रधानाचार्या निर्मला गहलोत को निलंबित किया गया है। उनका मुख्यालय शिक्षा निदेशक कार्यालय रखा गया है। इस संबंध में शिक्षा निदेशक कानाराम ने आदेश जारी किए हैं।

आदेश में कहा गया है कि गहलोत पर चूरू जिले में जिला समान परीक्षा अन्तर्गत अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2023 के कक्षा 10 के 18 दिसंबर को होने वाले द्वितीय पारी विषय सामाजिक विज्ञान एवं 20 दिसंबर को द्वितीय पारी विषय तृतीय भाषा संस्कृत के प्रश्न पत्रों के सोशल मीडिया पर वायरल हो जाने के कारण लापरवाही सामने आई थी।

- **दो प्रश्न पत्रों के सोशल मीडिया पर वायरल हो जाने के कारण लापरवाही सामने आई थी**

निलम्बन काल में उनका मुख्यालय कार्यालय निदेशक, बीकानेर रहेगा। वार्षिक परीक्षाओं से पहले ही शिक्षा विभाग की गोपनीयता सवालों के घेरे में है। चूरू के सादुलपुर में दसवीं कक्षा का सामाजिक विज्ञान का पेपर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। यह परीक्षा गत सोमवार को होनी थी। सोमवार को पेपर खोलने के बाद मिलान किया गया, तो सभी प्रश्न वही थे, जो वायरल पेपर में थे। इसके बाद विभाग ने परीक्षा को स्थगित कर दिया है।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी जगबीर सिंह यादव ने बताया कि सोशल मीडिया में दो पेपर वायरल होने की खबर आई थी। जांच के बाद दोनों पेपरों को स्थगित कर दिया है। आगामी तारीख की सूचना जांच के बाद जारी की जाएगी। इधर, मामले की जांच के लिए बीकानेर से टीम पहुंची है। जांच के बाद ही खुलासा होगा कौनसे स्कूल की लापरवाही से यह पेपर सोशल मीडिया पर लीक हुआ। इससे पहले करौली जिले में भी शिक्षा विभाग को प्रश्न पत्र चोरी होने की वजह से परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ी थी।

पेड़ पर फंदे से लटके मिले प्रेमी युगल

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के बाटोदा थाना अंतर्गत बरनाला तहसील की बैरवा ढाणी गांव के एक खेत के पास पेड़ पर एक प्रेमी युगल लड़के व लड़की ने फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मंगलवार को जब बैरवा ढाणी के ग्रामीण शौच करने एवं खेतों पर अपने कार्य से जंगल गए तो एक पेड़ पर विष्णु कुमार बैरवा उम्र 23 वर्ष व चाइना बैरवा उम्र 21 वर्ष निवासी बैरवा ढाणी के शव पेड़ पर लटके मिले जिससे गांव में सनसनी फैल गई।

पूर्व मंत्री रामलाल जाट की याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई आज

रामलाल जाट पर भीलवाड़ा के थाने में 5 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है

जोधपुर/भीलवाड़ा, (कासं)। प्रदेश के पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट के खिलाफ 5 करोड़ की धोखाधड़ी के केस में हाईकोर्ट में 20 दिसंबर को हाई कोर्ट में सुनवाई होगी। उन पर भीलवाड़ा के थाने में 5 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है। पूर्व मंत्री ने 14 दिसंबर को दर्ज एफआईआर के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट सहित 5 लोगों के खिलाफ 17 सितंबर को कोर्ट के आदेश पर भीलवाड़ा के करेड़ा थाने में धोखाधड़ी और चोरी का मामला दर्ज किया गया था। राजसमंद के माइनिंग व्यवसायी परमेश्वर ने आरोप लगाया था कि करोड़ों रुपए की ग्रेनाइट मांइस में 50 प्रतिशत शेयर मंत्री ने अपने छोटे भाई के बेटे और उसकी पत्नी के नाम करवाए थे। इसके बदले 5 करोड़ रुपए देने का वादा किया था, लेकिन कागज में नाम होने के बाद रुपए नहीं दिए गए। रामलाल जाट ने करेड़ा थाने में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर 211 के खिलाफ हाई कोर्ट में पिटीशन (याचिका) दायर की है। उन्होंने सेक्शन 482 सीआर पीसी (204) के तहत उन पर दर्ज एफआईआर को खारिज करने व गिरफ्तारी पर रोक लगाने की अपील की है। भीलवाड़ा के करेड़ा थाने में 17 सितंबर को मांडल (भीलवाड़ा) कोर्ट के आदेश पर तत्कालीन थाना प्रभारी ओमप्रकाश गोरा ने एफआईआर दर्ज की थी। रिपोर्ट दर्ज होने के दूसरे दिन ही थाना प्रभारी ओमप्रकाश का ट्रांसफर हो गया था। उनके ट्रांसफर को भी इस मामले से जोड़कर देखा गया था और यह काफी चर्चा में रहा था।

- **पूर्व मंत्री ने 14 दिसंबर को दर्ज एफआईआर के खिलाफ हाईकोर्ट में पिटीशन दायर की**

माइनिंग व्यवसायी राजसमंद के गढबोर निवासी परमेश्वर जोशी ने पुलिस को रिपोर्ट में बताया था कि वह करेड़ा के रघुनाथपुरा में मैसर्स अरावली ग्रेनि मार्मो प्रा.लि नाम से ग्रेनाइट मांइस का काम करता है। माइंस में वह डायरेक्टर और शेयर होल्डर है। इस कंपनी का रजिस्ट्रेशन श्यामसुंदर गोयल व चंद्रकांत शुक्ला के नाम से है। जिस समय कंपनी का रजिस्ट्रेशन हुआ था, उस समय परमेश्वर श्याम सुंदर व चंद्रकांत से 10 करोड़ रुपए मांगता था। इसके चलते इन दोनों ने माइंस के 50 प्रतिशत शेयर परमेश्वर व उसकी पत्नी भव्या जोशी के नाम पर कर दिए थे।

आरोप है कि बाकी के 50 प्रतिशत शेयर का सौदा श्याम सुंदर व चंद्रकांत ने पूर्व मंत्री रामलाल जाट से कर दिया। रामलाल जाट ने माइंस के शेयर अपने रिश्तेदार मोना चौधरी व सुरेश जाट के नाम पर करवा दिए। इन शेयर के पैसे पूर्व मंत्री को देने थे। परमेश्वर (माइनिंग कारोबारी) श्याम सुंदर व चंद्रकांत से 5 करोड़ रुपए और मांगता था। इन दोनों ने बकाया 5 करोड़ रुपए शेयर खरीदने वाले रामलाल जाट से लेने के लिए कहा था।

आरोप है कि पूर्व मंत्री ने परमेश्वर से शेयर के कागज ट्रांसफर होते ही 5 करोड़ रुपए देने का वादा किया था। 50 प्रतिशत शेयर मोना व सुरेश जाट के नाम ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद परमेश्वर ने 5 करोड़ रुपए मंत्री से मांगे। पूर्व मंत्री ने साफ इनकार कर दिया। 2 करोड़ रुपए देने का आश्वासन दिया। वो 2 करोड़ रुपए भी नहीं मिले।

परमेश्वर का आरोप है कि उसने रुपए नहीं मिले तो आपत्ति की। इस पर पूर्व मंत्री भड़क गए। अपने राजस्व मंत्री पद पर होने की बात कहते हुए धमकाया। इसके बाद 17 जून 2022 को माइंस पर काम कर रहे लेबर को वहां से डराकर भगा दिया। इसके बाद पीड़ित परमेश्वर ने करेड़ा थाने में शिकायत की थी लेकिन उसका मामला दर्ज नहीं किया गया। इसके बाद परमेश्वर को कोर्ट का सहारा लेना पड़ा था।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड- बाली (राज.)

निविदा सूचना संख्या : 15 वर्ष 2023-24

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के ए, ए. श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा ओनलाईन निविदायें प्राप्त करने हेतु आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित वेबसाइट www.dipr.rajasthan.gov.in https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproe, rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। अन्य विभागों में पंजीकृत केवल ए एवं एए श्रेणी संवेदक ही निविदा में भाग लेने के पात्र होंगें।

निविदा के NIB Code है :- PWD2324A3931

निविदा के UBN No. है :- UBN NO-

1- PWD2324WSOB17029 2- PWD2324WSOB17030
3- PWD2324WSOB17031 4- PWD2324WSOB17032
5- PWD2324WSOB17034 6- PWD2324WSOB17035
7- PWD2324WSOB17037 8- PWD2324WSOB17038
9- PWD2324WSOB17039 10- PWD2324WSOB17040
11- PWD2324WSOB17041 12- PWD2324WSOB17045

(फतेहसिंह)
अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि., खण्ड-बाली

DIPR/C/16131/2023

कार्यालय नगरपालिका ऋषभदेव जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक :- निर्माण /न.पा.ऋ/2023-24/807 दिनांक :- 15.12.2023

निविदा सूचना सं. 15/2023-24

नगरपालिका ऋषभदेव की और से कार्य की अनुभवी एवं स्थानीयों व्यवसायीयों से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्युमेन्ट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदा आंमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in/wwww.sppp.raj.gon.in पर उपलब्ध है। NIB CODE: DLB2324A8026

क्रं. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत लाखें में	धरोहर राशि 2%	धरोहर राशि 1/2%	निविदा प्रपत्र शुल्क	प्रेसेसिंग फिस (Payable to MD RISL Jaipur)
1.	विभिन्न उत्सव पर्वो पर लाईट डैकोरेशन का कार्य "बी" क्लास ठेकेदार मार्फत सामग्री किराये पर लेने का कार्य।	20.00	40,000	10,000	500	500

1. राजस्थान सरकार वित विभाग (व्यय-III) के अनुसार 100.00 लाख से 200.00 लाख तक के भवन कार्यो पर पोटेन्शिलय एसेसेमेंन्ट पद्धति एवं 200.00 लाख से अवधि के कार्य पर पोस्ट क्वालिफिकेषन एवं सडक कार्यो पर 150.00 लाख 500.00 लाख तक पोटेषिन्लय एसेसमेन्ट पद्धति अपनाई जाएगी तथा 20000.00 लाख एवं उसे अधिक राषि पर प्री क्वालिफिकेषन पद्धति अपनाई जाएगी।
2. किसी भी निविदा को स्वीकार कराने एवं बिना बताए निरस्त करने के समस्त अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित है। आर.पी.डब्लयु. ए – 100 की समस्त शर्ते मान्य होगी।
3. वित्त विभाग के आदेष सं. एफ1(1)एफडी/जीएफएण्डआर/2007 दिनांक ..... र्सकुलर नं. 19/2011) के अनुसार 50.00 लाख तक की राषि के कार्यो के लिए 500 रूपया व 50.00 लाख रूपये से अधिक राषि के कार्यो के लिए 1000 रूपये की राषि निविदा शुल्क अतिरिक्त देनी होगी जो डिमान्ट ड्राफट बैंकर चेक के रूप में देनी होगी डिमाण्ड ड्राफट या बैंकर चेक मेनेजिंग डायरेक्टर आरआईएसएल जयपुर के पक्ष में व जयपुर में भुगतान योग्य होने चाहिए
ब. बिडिंग डॉक्युमेन्ट :-
4. निविदा प्रपत्र को इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 15.12.2023 को प्रातः 11.00 बजे से दिनांक 20.12.2023 को सांय 6.00 बजे तक डाउनलोड कर सकते है। इन निविदाओं को इलेक्ट्रोनिक फारमेंट में वेब साईट www.eproc.rajasthan.gov.in जमा करावें।
5. उक्त कार्यो की निविदा प्रपत्र को इलेक्ट्रोनिक फारमेंट में वेब साईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 15.12.2023 को प्रातः 11.00 बजे से दिनांक 20.12.2023 को सांयः 6.00 बजे तक डाउनलोड कर सकते है। एवं प्राप्त निविदाओ इलेक्ट्रोनिक फारमेंट में वेब साईट ww.eproc.rajasthan.gov.in पर उपस्थित निविदाताओं व उनके प्रतिनिधी के समक्ष दिनांक 22.12.2023 को प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवंष उस दिन अवकाष रहता है। जो अगले कार्य दिवस को उसी समय व उसी स्थान पर निविदाए खोली जावेगी।
(अ) निविदाओं की समस्त प्रकिया ऑनलाईन खोली जावेगी।
(ब) तकनिकी निविदा में सफल निविदाताओं के वित्तीय निविदा – पत्र इलेक्ट्रोनिक फारमेन्ट में वेब साईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा प्राप्ति कार्यालय में खोली जावेगी जिसके लिए समय एवं दिनांक सफल निविदाताओ को सूचित कर दिया जावेगा।
6. निविदा प्रपत्र को वेब साईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र में निविदाताओं के लिये योग्यता सूचना तथा निविदाताओं की पात्रता, प्लान व स्पेषिकेषन, ड्राईग विभिन्न कार्यो की मात्रा एवं दरो का विवरण , नियम, शर्ते एवं अन्य विवरण वर्णित है। निविदाताओं इन प्रपत्रो को Download कर सकते है।
7. निविदाताओं द्वारा निविदा शुल्क एवं धरोहर राषि अधिषाषी अधिकारी , नगरपालिका खेरवाडा संबंधित के नाम डिमाण्ड ड्राफट के रूप में संबंधित कार्यालय में तकनिकी निविदा खोलने के एक दिन पुर्व तक कार्यालय समय में जमा कराना आवष्यक है।
8. धरोहर राषि हेतु डिमाण्ड ड्राफट/बैंकर्स चेक स्वीकार किये जायेंगें।
(अ) इन निविदाओं में दिलचस्पी लेने वाले निविदाता निविदा प्रपत्र को इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है।
(ब) निविदाओं में भाग लेने वाले निविदाताओ को इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करना होगा। ऑनलाईन निविदा में भाग लेने के लिए डिजिटल साार्टिफिकेट इन्फॉनमेंषन टेक्नोलोजी एक्ट-2000 के तहत प्राप्त करना होगा जो इलेक्ट्रोनिक निविदा में साइन करने हेतु काम आयेगा। निविदाताओं उपरोक्त डिजिटल सर्टिफिकेट है। नया डिजिटल सर्टिफिकेट लेने की आवष्यकता नही है।
(स) निविदाताओं को निविदा प्रपत्र इलेक्ट्रोनिक फारमेट में उपरोक्त वेबसाईट पर डिजिटल साइन के साथ प्रस्तुत करना होगा। जिसके प्रस्ताव डिजिटल साइन के साथ नही होंगे , उनके प्रस्ताव स्वीकार नही किये जायेगें।
(द) ऑनलाईन निविदाए निर्धारित दिनांक एवं समय पर उपरोक्त क्रकम संख्या 2(अ) अनुसार खोली जावेगी।
(य) इलेक्ट्रोनिक निविदा प्रपत्र को जमा कराने से पुर्व निविदाताओ यह सुनिष्चित कर लेवे की निविदा प्रपत्र में संबंधित सभी आवष्यक दस्तावेजो की स्केन कॉपी निविदा प्रपत्र के साथ अटेच कर दी गई है।
(र) कोई भी टेण्डर इलेक्ट्रोनिक जमा कराने में किसी कारण से लेट हो जाता है तो उसका जिम्मेदार विभाग नही होगा।
(व) टेण्डर के प्रपत्र में आवष्यक सभी सूचियो रूप से भरकर ऑनलाईन दर्ज करें।
9. निविदा सूचना इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.gov.in पर उपलब्ध है।
10. अन्य विवरण निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।
11. विद्युत कार्य में 'बी' क्लास रजिस्ट्रेषन होगा वही टेण्डर कॉपी का पात्र होगा।

राज.संवाद/सी/23/11758

अध्यक्ष
नगरपालिका ऋषभदेव

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका ऋषभदेव

गहलोत को अब जूनियर नेता के निर्देश पर काम करना है

मुकुल वासनिक को कमेटी का कन्वीनर बनाकर गहलोत और भूपेश बघेल को बनाया गया सदस्य

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव हारने के बाद अब कांग्रेस ने भी अगले साल मई में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसी तैयारी के तहत राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन के लिए एक कमेटी बनाई गई है जिसमें राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सदस्य बनाया गया है।

कहा तो यह जा रहा है कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी लोकसभा चुनाव के लिहाज से कांग्रेस ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। इस नियुक्ति को देखते हुए अशोक गहलोत के समर्थक खुश भी हो रहे हैं। वही राजनितिक जानकारो का कहना है कि लोकसभा चुनाव तक अशोक गहलोत को राजस्थान के बाहर भेजकर कांग्रेस ने राजस्थान में नए लोगों को मौका देने का मन बना लिया है।

- **यह कमेटी लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन का काम देखेगी, ऐसे में अब गहलोत का राजस्थान में दखल नहीं होगा**

राजस्थान में लगातार 3 बार अशोक गहलोत के नेतृत्व में सत्ता गवाने के बाद कांग्रेस ने हमेशा की तरह ही गहलोत को दिल्ली में जिम्मेदारी दी है। हालांकि यह जिम्मेदारी उस तरह की नहीं है कि संगठन में बहुत ज्यादा दखल दिया जा सके। यह जिम्मेदारी ऐसी है, जिसमें अशोक गहलोत को मुकुल वासनिक के मातहत बनकर काम करना होगा, क्योंकि जिस कमेटी में अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को शामिल किया गया है, उसमें कन्वीनर मुकुल वासनिक हैं। इस कमेटी में राजस्थान के मोहन प्रकाश को भी मौका दिया गया है। मोहन प्रकाश कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के विश्वास लोगों में माने जाते हैं।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को एक आदेश जारी करते हुए बताया है कि लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नेशनल अलायंस कमेटी का गठन किया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी इस कमेटी में शामिल किया गया है।

कांग्रेस के संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी आदेश के अनुसार, इस नेशनल अलायंस कमेटी का कन्वीनर मुकुल वासनिक को बनाया गया है। उनके अलावा राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद और मोहन प्रकाश को भी इस कमेटी में शामिल किया गया है।

'पुराने राजस्व मामलों का शीघ्र निपटारा करें'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की राजस्व अदालतों में दशकों से लंबित चल रहे मुकदमों का निस्तारण नहीं होने को गंभीरता से लिया है। हाईकोर्ट ने सभी राजस्व अदालतों को निर्देश दिए हैं कि वह पांच से दस साल पुराने मामलों को अलग कैटेगिरी में रखकर उनका जल्दी निस्तारण किया जाए। वहीं ऐसे मामलों की पहचान के लिए उन्हें अलग रंग के कवर में रखा जाए। अदालत ने सभी राजस्व अधिकारियों को कहा है कि वह आर्डर शीट को कर्मचारियों के भरोसे न छोडकर स्वयं अपने हाथ से लिखे। इसके अलावा हर माल लंबित मामलो की जानकारी संबंधित जिला कलेक्टर को भेजी जाए। जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश विशंभर दयाल व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मंगलवार को विद्याधर नगर स्थित पापड़ के हनुमानजी मंदिर पहुँचकर भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने मंदिर की विभिन्न माँगों को लेकर अनशन पर बैठे संतों से वार्ता की और अनशन ख़त्म करवाया।

युवाओं के नाम जोड़ने के लिए 6 से विशेष अभियान : प्रवीण गुप्ता

भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने लोकसभा चुनावों के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक की। इसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता भी मौजूद थे।

जयपुर, (कासं)। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने लोकसभा चुनावों के संबंध में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि बैठक में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा आम चुनाव-2024 के संबंध में राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गयी हैं। इस क्रम में अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही के दौरान 17 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए आगामी 6 जनवरी से विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश भर में इनकी संख्या करीब 3 लाख होगी। मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान ट्रांसजेंडर, दिव्यांग एवं सहरिया आदिवसियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राज्य विधानसभा आम चुनाव के लिए मतदाता सूचियों के 4 अक्टूबर, 2023 को अंतिम प्रकाशन के बाद नए नाम जोड़ने के लिए अब तक प्रपत्र 6 में 3,11,034 आवेदन सहित कुल 5,27,032 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 87,314 को छोडकर शेष आवेदन निस्तारित कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में 6 नवंबर ई-रोल अपडेट हुए सभी मतदाताओं को मतदाता पहचान-पत्र मुद्रित कर वितरित किए जा चुके हैं।

युवती की सरेराह हत्या करने वाले अभियुक्त को उम्रकैद

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-6 महानगर प्रथम ने करीब तीन साल पहले सरेराह युवती को चाकू से गोदकर उसकी हत्या करने वाले अभियुक्त विष्णु चौधरी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर 26 सितंबर, 2020 को मृतका गरिमा की बुआ के बेटे ने आदर्श नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी ममेरी बहन गरिमा परीक्षा देने सुबह वैदिक कन्या कॉलेज गई थी। करीब 10.30 बजे सूचना मिली की विष्णु चौधरी ने धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि मृतका कनोडिया कॉलेज में बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा थी। अभियुक्त विष्णु चौधरी उसका परिचित था। अभियुक्त ने वैदिक कन्या कॉलेज के बाहर खडी गरिमा को चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर दी। अभियुक्त पूर्व में पीडिता को फोन कर परेशान करता था।

कोविड पॉजिटिव पाए जाने पर सैम्पल की जीनोम सिक्वेंसिंग कराने के निर्देश

चिकित्सा विभाग सॉर्स कॉव-2 जेएन. 1 वैरिएंट को लेकर सतर्क

जयपुर। प्रदेश में चिकित्सा विभाग करोना के नए वैरिएंट सॉर्स कॉव-2 जेएन. 1 को लेकर सतर्क हो गया है। इसके चलते विभाग ने कोविड पॉजिटिव पाए जाने पर सैम्पल की जीनोम सिक्वेंसिंग करोन के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने मंगलवार को शासन सचिवालय में राज्य में कोविड-19, आईएलआई तथा एसएआरआई रोगों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि केरल में सॉर्स कॉव 2 जेएन. 1 वैरिएंट के रोगी पाए गए है। इसे देखते हुए प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में आने वाले आईएलआई एवं श्वसन रोगों से पीड़ित रोगियों की सतत निगरानी की जाए। सात ही आवश्यकतानुसार जांच

- **चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने नए वैरिएंट को लेकर की समीक्षा बैठक**

के लिए नमूने लिये जाएं। उन्होंने रोगियों की सूचना प्रतिदिन आईएचआईपी पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, अतिरिक्त निदेशक ग्रामीण स्वास्थ्य रवि प्रकाश शर्मा, राज्य नोडल अधिकारी व एसएमएस मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबॉयोलोजी विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि केरल में पाये गये सॉर्स कॉव-2 जेएन. 1 वैरिएंट का प्रदेश में एक भी रोगी चिन्हित नहीं हुआ है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में इस वैरिएंट का एक भी रोगी सामने नहीं आया है, लेकिन एहतियातन सभी चिकित्सा संस्थानों में रोगियों के उपचार के लिए आवश्यक आइसोलेशन बैड, ऑक्सीजन बैड, आईसीयू बैड, वेन्टीलेटर, दवाइयों एवं जांच सुविधा आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सिंह ने कहा कि संयुक्त निदेशक-जोन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, आईडीएसपी टीम आईएलआई एवं एसएआरआई रोगियों की निगरानी रखे। वहीं ऐसे रोगियों की जांच कराई जाए। किसी जिले में कोविड पॉजिटिव रोगी पाये जाने पर उसका सैम्पल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए लैब में भिजवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। यह सुविधा जयपुर, जोधपुर एवं कोटा में उपलब्ध है। उधर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया आज वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए सभी राज्यों के चिकित्सा मंत्री, एसीएस, प्रमुख सचिव, सचिव वीसी में मौजूद रहेंगे। राजस्थान से एसीएस हैल्थ शुभ्रा सिंह समेत अन्य चिकित्सा अधिकारी वीसी में शामिल होंगे।राजस्थान के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर व कोरोना की रोकथाम के लिए जारी प्रयासों के बारे में रिपोर्ट देंगे।

फर्जी परीक्षार्थी पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। मानसरोवर पुलिस ने फर्जी परीक्षार्थी पकड़ा है। पुलिस ने बताया कावेरी पथ स्थित जे.जी. पब्लिक स्कूल में सीबीएससी द्वारा आयोजित जे.एस.ए. पोस्ट के लिए 17 दिसंबर को हुई परीक्षा में मोनू के स्थान पर रन्विन्द्र सिंह (23) निवासी गांव बलवेरा पंजाब को बायोमैट्रिक मशीन की मदद से पकड़ा गया है, जिससे पूछताछ की जा रही है।

'राजस्थान सिने महोत्सव' में मिलेगा एंटरटेनमेंट का डोज

- **महोत्सव के दौरान एंटरटेनिंग परफॉर्मेंस, फिल्म स्क्रीनिंग, फैशन शो, अवॉर्ड, म्यूजिक कॉन्सर्ट, किड्स प्ले जोन व फूड कोर्ट रहेंगे प्रमुख आकर्षण**

जयपुर (कासं)। राजस्थानी सिनेमा को उस मुकाम तक पहुंचाना है, जिसका वो हकदार है। इसी ध्येय के साथ एन.के. मित्तल एंड एल.एस. फिल्म्स की ओर से गुलाबी नगरी में पहले राजस्थान सिने महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 28 दिसंबर से 31 दिसंबर तक सुबह 11 से रात 10 बजे खासा कोठी स्थित माया इंटरनेशनल होटल में होने वाले महोत्सव में कला प्रेमियों को एंटरटेनमेंट का फुल डोज मिलेगा।

फिल्म निर्माता नंद किशोर मित्तल, लेखक और डायरेक्टर लखविंदर सिंह, फिल्म निर्माता त्रिलोक नवलखा व गोपाल शर्मा, प्रसिद्ध साहित्यकार इकराम राजस्थानी, संगीत निर्देशक निज़ाम खान, इस्माइल खान, पं. जयदेव शास्त्री, उषा जैन, राखी गुप्ता, माही कटारिया, पवन भगत व लेखक धनराज दाधीच ने इस बारे में जानकारी दी। बताया गया कि राजस्थानी लोक कलाओं समेत कई एंटरटेनिंग परफॉर्मेंस, फिल्म स्क्रीनिंग, फैशन शो, अवॉर्ड, म्यूजिक कॉन्सर्ट, किड्स प्ले जोन, फूड कोर्ट महोत्सव के प्रमुख आकर्षण रहेंगे। महोत्सव के तहत भव्य जश्न के साथ नए साल का स्वागत किया जाएगा। आगामी 28 दिसंबर को राजस्थान के अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म टॉकीज 24 ऐप की ठौंड लॉन्चिंग होगी। ऐप पर राजस्थानी मूवीज, फीचर फिल्म और वेब शोज की स्ट्रीमिंग होगी। 10 सालों से राजस्थानी सिनेमा के लिए काम कर रहे प्रोड्यूसर नंद किशोर मित्तल ने कहा कि पधारो म्हारे सिनेमा टैगलाइन के साथ टॉकीज 24 राजस्थानी सिनेमा की ओर बढ़ ने का आ ान करता है। राजस्थानी सिनेमा से केवल मनोरंजन ही नहीं, हमारी संस्कृति और परंपराओं को भी विश्वपटल पर पहचान मिलेगी, स्थानीय कलाकारों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। वहीं मशहूर लेखक व डायरेक्टर लखविंदर सिंह का कहना है कि हमारे लोग, हमारी बोली में, हमारा सिनेमा देख सकें इसके लिए टॉकीज 24 सर्वश्रेष्ठ प्लेटफॉर्म है। एन.के. मित्तल एंड एल.एस. फिल्म्स 25 से अधिक राजस्थानी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है जिससे 300 से अधिक स्थानीय कलाकार काम करेंगे।

सहकारिता को नया स्वरूप प्रदान करें : श्रेया गुहा

जयपुर । प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता, श्रेया गुहा ने कहा कि सरकार की मंशा है कि वर्तमान समय में सहकारिता आए बदलाव को ध्यान में रखकर राज्य में भी सहकारिता को नया स्वरूप प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि विभाग 100 दिन की कार्ययोजना बनाकर क्रियान्विति पर कार्य करें।

गुहा मंगलवार को सहकार भवन में विभागीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों के विजन को ध्यान में रखकर कार्य करें। बहुत समय से सहकारिता में केपिसिटी बिल्डिंग पर ध्यान नही दिया जा रहा है। इस और कार्ययोजना को बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सहकारिता में कार्ययोजना के दौरान क्रेडिट सेक्टर, दलहन एवं तिलहन खरीद, रिटेल एवं आधारभूत ढांचा को ध्यान में रखकर मूर्त रूप दिया जाए।

उन्होंने कहा कि नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी आने वाले समय में व्यापक स्तर पर उपयोग होगा। इसके लिए किसानों को ड्रोन उपलब्ध हो, इस पर कार्य किया जाए। गुहा ने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में केन्द्र सरकार द्वारा किए जा रहे नवाचारों को राज्य की आवश्यकता को ध्यान में रखकर नवाचारों में बदलाव करें जिसका फायदा पात्र लोगों को मिल सके।

पीएम मोदी का लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत बनाना : प्रभुलाल सैनी

जयपुर, (का.सं.)। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में किया गया। इस दौरान कार्यशाला के दो सत्र आयोजित किए गए जिसमें प्रथम सत्र को भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और पीएम विश्वकर्मा योजना के प्रदेश संयोजक प्रभुलाल सैनी ने संबोधित किया।

वहीं दूसरे सत्र को मथुरा विधायक श्रीकांत शर्मा ने संबोधित किया। कार्यशाला के दौरान ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्षों और जिला महामंत्रियों को प्रदेशभर से पांच लाख दस्तकारों और कारीगरों को इस योजना से जोड़ने के लक्ष्य को लेकर चलने का आव्हान किया गया। जिसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत से 50 दस्तकारों और कारीगरों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में 18 पारंपरिक ट्रेड के कारीगरों को आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने के विजन पर काम किया जाएगा। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दूरदृष्टि के नेता हैं और इसी वजह से उनकी लोकप्रियता हर दिन बढ़ रही है। कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने आजादी के बाद जो आर्थिक रोडमैप बनाया उसमें हमारे पारंपरिक व्यवसायों लघु उद्योग, कुटीर उद्योग और किसानों को कौशल से दूर करने का प्रयास किया।

राज्यपाल से विदेश सेवा के अधिकारियों ने मुलाकात की

राज्यपाल कलराज मिश्र से भारतीय विदेश सेवा के वर्ष 1998 और 1999 के तीन अधिकारियों ने मंगलवार को राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल से इन अधिकारियों की यह शिष्टाचार भेंट थी। राज्यपाल ने विदेश सेवा के अधिकारियों से संवाद करते हुए राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव रखते हुए भारतीय संस्कृति और गौरव के प्रसार के लिए कार्य करने का आह्वान किया। हरिशचंद्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान के अतिरिक्त महानिदेशक महेंद्र सोनी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

नेपाली युवक ने की पत्नी की गला दबाकर हत्या

शव कमरे में बंद कर भाग गया था आरोपी, पुलिस ने दबोचा

जयपुर। वैशाली नगर इलाके में नेपाली युवक ने गला दबाकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी और लाश को घर में बंद कर दिया। आरोपी पति ने पत्नी को दीपावली से पहले ही नेपाल से भारत बुलाया था। सूचना मिलने पर वैशाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची और एफ.एस.एल. टीम की मदद से सबूत जुटाए। पुलिस ने आरोपी पति संदीप उर्फ मेजर को वैशाली नगर से गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच एडिशनल डीसीपी गुरुशरण राव कर रहे हैं।

आरोपी संदीप उर्फ मेजर

- **पुलिस ने आरोपी संदीप को वैशाली नगर से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया**

पुलिस ने बताया कि मृतका की बड़ी बहन गीतो रोका (30) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसकी छोटी बहन संगीता रोका (26) पुत्री रत्ने सार्कर का मर्डर किया गया है। गत 4 मई 2023 को संगीता की शादी दोखला (नेपाल) निवासी संदीप मेजर उर्फ विशाल (28) से हुई थी। शादी के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर संदीप ने संगीता के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। करीब एक महीने बाद ही संदीप अपनी पत्नी संगीता को काठमांडू अकेला छोड़कर इंडिया काम करने आ गया। गीता ने बताया कि संदीप ने दीपावली से पहले कॉल कर संगीता को भारत आने के लिए कहा। दीपावली से 4 दिन पहले संगीता नेपाल से भारत आ गई।

जयपुर आने के बाद संदीप ने संगीता को नेमी सागर कॉलोनी, वैशाली नगर स्थित घर में नहीं रखा और बापू नगर में बच्चों की देखरेख के लिए केयरटेकर की नौकरी पर लगा दिया। संदीप 10 दिसंबर को संगीता को बापू नगर से अपने घर नेमी सागर कॉलोनी लेकर आया। घर लेकर आने के बाद संगीता के साथ संदीप ने मारपीट की। 13 दिसंबर को संदीप ने गला दबाकर संगीता की हत्या कर दी। इसके बाद शव को बेड पर लेटा कर घर को बंद कर फरार हो गया था। जान-पहचान वाली मनीषा ने गीता को फोन कर संगीता के साथ अनहोनी की आशंका जताई। पुलिस ने बताया कि संगीता की बहन गीता ने वैशाली नगर थाना पुलिस को शिकायत की। पुलिस मौके पर पहुंची तो घर के बाहर से कुंदी लगी मिली। जब टीम घर के अंदर गई तो बेड पर संगीता की लाश पड़ी मिली। प्रथम दृष्टया जांच में लग रहा है कि संगीता की गला दबाकर हत्या की गई है। पुलिस ने एफ.एस.एल. टीम की मदद से मौके से सबूत जुटाए गए हैं और शव को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में भिजवाया। तकनीकी सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी संदीप को वैशाली नगर से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पेट्रोल पंप पर विदेशी महिला से छेड़छाड़

जयपुर । राजधानी में घूमने आई एक रूसी महिला से पेट्रोल पंप कर्मचारी ने अश्लील हरकत की। रूसी महिला के साथी ने 7 नवम्बर की रात को हुई इस घटना की वीडियो भी बनाई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कर्मचारी से कान पकड़कर माफी मंगवाई और भविष्य में इस तरह की घटना फिर से नहीं करने की हिदायत दी। महिला के भारतीय दोस्त ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर जयपुर में पेट्रोल पंप पर बनाए गए वीडियो को अपलोड किया। बताया जा रहा है कि वीडियो टोंक रोड स्थित पेट्रोल पंप का है। रूसी महिला के साथ उसका दोस्त बाइक पर यात्रा करने निकला था। जयपुर में पेट्रोल पंप पर रूके। तभी पेट्रोल पंप कर्मचारी ने रूसी महिला को तीन बार कथित तौर पर टच किया, जिसका इसका महिला ने विरोध किया। रूसी महिला ने पेट्रोल पंप कर्मचारी की हरकत का विरोध किया तो कर्मचारी माफी मांगने लगा। मौके पर पुलिस पहुंची, लेकिन रूसी महिला के शिकायत नहीं दी, इस पर पुलिस ने कर्मचारी को चेतावनी देकर छोड़ दिया।

सुखदेव सिंह गोगामेडी हत्याकांड में लिप्त 7 बदमाशों को अजमेर जेल शिफ्ट किया

- **बताया जा रहा है कि जयपुर सेंट्रल जेल में पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा का हवाला देते हुए इन बदमाशों को यहां रखने से मना किया**
- **अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में सीसीटीवी कैमरों से रखी जा रही है बदमाशों पर नजर**

जयपुर। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के हत्यारों और प्लानिंग में मदद करने वाले 7 बदमाशों को एनआईए कोर्ट ने 2 जनवरी तक जेल भेज दिया। कोर्ट में पेशी के बाद सोमवार को जब पुलिस सातों बदमाशों को लेकर जयपुर सेंट्रल जेल पहुंची तो अधिकारियों ने सुरक्षा का हवाला देते हुए अपने यहां रखने से इनकार कर दिया। इस पर जेल विभाग के सीनियर अधिकारियों और कमिश्नरेट के अधिकारियों के बीच चर्चा हुई। इसके बाद सभी बदमाशों को अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में रखने का फैसला किया गया। उधर दूसरी ओर एन.आई.ए. ने इन आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सूत्रों के अनुसार जयपुर जिला जेल और सेंट्रल जेल में इन बदमाशों को रखने की व्यवस्था है, लेकिन इनकी जान को खतरा था। इसलिए इनको हाई सिक्योरिटी में रखना जरूरी हो गया था। अधिकारियों का मानना है कि 5 दिसंबर को गोगामेड़ी की हत्या के बाद से आरोपियों और पुलिस प्रशासन के खिलाफ समाज काफी आक्रोशित है। आरोपियों नितिन फौजी, रोहित राठौड, रामवीर जाट, सुमित, राहुल, भवानी उर्फ रोनी और उधम सिंह की जान को खतरा है। इसकी इंटेलिजेंस रिपोर्ट भी थी। जेल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार जयपुर सेंट्रल जेल में अगर इन बदमाशों को रखा जाता तो कभी भी इन पर हमला हो सकता था। इसके चलते जेल प्रशासन पर सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो सकते थे। बताया जा रहा है कि अजमेर जेल में सातों आरोपियों को दो अलग-अलग बैरक में रखा गया है। इनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए बैरकों में सीसीटीवी कैमरे लगा रखे हैं। इनके बैरक के बाहर 24 घंटे एक गार्ड भी लगाया गया है, जो इन पर व्यक्तिगत निगरानी रख रहा है। सेंट्रल जेल में प्रदेश के 25 से अधिक हार्डकोर क्रिमिनल बंद हैं, इसलिए सुरक्षा को देखते हुए इन पर पैनी नजर रखी जा रही है।

ज्ञात रहे कि मामले की जांच के लिए एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने एडिशनल कमिश्नर (जयपुर) कैलाश बिश्नोई के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने हत्या करने वाले शूटर मकराना के जूसरी निवासी रोहित राठौड, हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी नितिन फौजी, फरारी में सहयोग करने वाले रामवीर जाट, उधम सिंह और वारदात के पहले नितिन को पनाह देने के मामले में पूजा सैनी को गिरफ्तार कर लिया था। इसके साथ ही हत्या की साजिश में शामिल भवानी सिंह उर्फ रोनी, राहुल और सुमित को हरियाणा की जेल से प्रोडक्शन वारंट परगिरफ्तार किया था। इस हत्याकांड के शूटरों तक हथियार पहुंचाने वाला कोटा के गुमानपुरा निवासी हिस्ट्रीशीटर महेंद्र उर्फ समीर हथियार लेकर फरार हो गया। उसे पकड़ने के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस को अंदेशा है कि महेंद्र के पास -47 भी हो सकती है। उसकी पत्नी पूजा सैनी के पास से पुलिस को एक फोटो मिली है, जिसमें उसके फ्लैट पर -47 रखी हुई है। यह -47 राजू ठेहट हत्याकांड के लिए मंगवाई गई थी। महेंद्र ने हत्याकांड के लिए हथियार और पैसे की व्यवस्था की थी। महेंद्र ने परिचित युवती के बैंक खाते में चंडीगढ़ से किसी के जरिए 6 लाख रुपए मंगवाए थे। पुलिस ने महेंद्र पर 2 लाख रुपए का इनाम भी घोषित कर रखा है।

एस.डी.एम. और तहसीलदार पर रिश्वत मांगने के आरोप में मामला दर्ज

वहीं एसीबी कोटा ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा और परिवादी से मारपीट का माण्डलगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया

दोनों अधिकारियों के दफ्तरों के साथ अन्य विभाग के दफ्तरों में सन्नाटा पसरा रहा।

राहुल धाकड़ तहसीलदार

महेश गगोरिया एसडीएम

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ एसडीएम महेश गगोरिया और तहसीदार राहुल धाकड़ पर एसीबी कोटा ने रिश्वत मांगने के मामले में सोमवार रात कार्रवाई को अंजाम दिया। इस कार्रवाई को लेकर दोनों अधिकारियों के दफ्तरों में हड़कंप मच गया। मंगलवार को दोनों अधिकारियों के दफ्तरों के साथ अन्य विभाग के दफ्तरों में सन्नाटा पसरा रहा और रिश्वत काण्ड की चर्चाओं का दौर रहा। कोटा एसीबी के एडिशनल एसपी विजय स्वर्णकार के निर्देशन में टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है।

कोटा निवासी परिवादी संजय सिंह के मुताबिक माण्डलगढ़ के श्यामपुरा में परिवादी की सास विमला कंवर के पति की कृषि भूमि है। कृषि भूमि में भागीदारी का एक भूमि नामांतरण स्टे का वाद माण्डलगढ़ एसडीएम व तहसीलदार न्यायालय में विचाराधीन चल रहा है। उक्त मामले में अंतिम फैसला करने की एवज में परिवादी से दोनों अधिकारियों द्वारा रिश्वत की माँग की जा रही थी। सोमवार को सांयकाल परिवादी 50 हजार रिश्वत की राशि लेकर माण्डलगढ़ तहसीलदार राहुल धाकड़ के पास पहुंचा, तो तहसीलदार ने परिवादी को एसडीएम को देने के लिए चैम्बर में भेज दिया। एसडीएम ने 50 हजार की राशि लेने से पूर्व परिवादी का मोबाइल छीन कर कॉल डिटेल खंगाली।

- **परिवादी के मोबाइल में एसीबी के डायल नम्बर देख एसडीएम व तहसीलदार ने डंडे से मारपीट की थी**
- **एसडीएम ने 50 हजार की राशि लेने से पूर्व परिवादी का मोबाइल छीन कर कॉल डिटेल खंगाली थी**

परिवादी के मोबाइल में एसीबी के डायल नम्बर देख एसडीएम महेश गगोरिया ने तहसीलदार राहुल धाकड़ को अपने चैम्बर में बुलाया। दोनों अधिकारियों ने परिवादी संजय सिंह के साथ डंडे से मारपीट करने लगे। परिवादी चैम्बर के बन्द गेट के लात मारकर बाहर निकल आया। तो भी दोनों अधिकारियों ने परिवादी के साथ धक्का मुक्की की। इस बीच एसीबी कोटा की टीम ने परिवादी को सुरक्षा घेरे में लिया। इस दौरान एसीबी टीम को देख तहसीलदार राहुल धाकड़ मौक़े से कुछ दूर पैदल भागा और किसी कार में बैठक कर फरार हो गया।

उधर कोटा एसीबी ने एसडीएम महेश गगोरिया और तहसीलदार राहुल धाकड़ के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। वहीं दोनों अधिकारियों के खिलाफ माण्डलगढ़ थाने में राजकार्य में बाधा और परिवादी से मोबाइल छीनकर मारपीट का एक ओर मामला दर्ज कराया है। दोनों अधिकारियों की एफआईआर एसीबी ने जयपुर मुख्यालय कार्मिक विभाग को प्रेषित की है। माना जा रहा कि राज्य सरकार इस मामले में दोनों अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई कर सकती है। उधर माण्डलगढ़ थानाधिकारी ने भी जाँच कार्रवाई शुरू कर दी है।

मांडलगढ़ में एसडीएम महेश गंगोरिया की पहली पोस्टिंग है। 13 फरवरी 2023 को मांडलगढ़ एसडीएम पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। 24 दिसंबर 2021 से 1 जुलाई 2022 तक जयपुर में ट्रेनिंग की थी, 4 जुलाई 2022 को असिस्टेंट कलेक्टर (प्रशिक्षु) डूंगरपुर में कार्य किया था। माण्डलगढ़ तहसीलदार राहुल धाकड़ की सेवा नियुक्ति 7 जनवरी 2022 को हुई और 25 जुलाई 2022 को माण्डलगढ़ में नायब तहसीलदार पद पर जॉइनिंग की थी। इस दौरान 2023 में एक माह तक काछोला तहसीलदार का चार्ज धाकड़ के पास रहा। वहीं 31 अगस्त 2023 से तहसीलदार के पद पर राहुल धाकड़ कार्यरत रहे है। इस बीच करीब 4 माह से माण्डलगढ़ नगर पालिका ईओ का चार्ज भी धाकड़ के पास है।गौरतलब है कि तहसीलदार राहुल धाकड़ माण्डलगढ़ में 17 माह से है, वहीं उपखण्ड अधिकारी महेश गगोरिया माण्डलगढ़ में 10 माह से नियुक्त है। दोनों अधिकारियों के पास अर्जित सम्पति व परिजनों के नाम अन्य सम्पति,बैंक अकाउंट भी जांच के दायरे में लिए जाने की जानकारी मिली है।

उधर कोटा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के सी आई देशराज गुर्जर ने माण्डलगढ़ थाने में एसडीएम महेश गगोरिया ओर तहसीलदार राहुल धाकड़ के खिलाफ राजकार्य में बाधा, एसीबी टीम से अभद्रता, परिवादी से मारपीट कर मोबाइल छिनने का मामला दर्ज कराया है।

उक्त परिवादी संजय सिंह की सास विमला कंवर के भूमि विवाद के मामले की कार्रवाई में तत्कालीन तहसीलदार सीमा बघेल ओर श्यामपुरा सरपंच यशवन्त कंवर की भूमिका संदेह के दायरे में आई है। जिसकी जांच की की जाएगी। वहीं दोनों अधिकारियों द्वारा दिन में दफ्तर ओर रात्रि में इलाके में गश्त कर समस्याओं का समाधान कर पीड़ितों को राहत एवं न्याय प्रदान करने की चर्चा इलाके में जोरों पर चल रही है।

सामूहिक खुदकुशी मामले में पांच की मौत से उठा पर्दा

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण फांसी के कारण दम घुटना बताया गया

बीकानेर, (निसं)। मुक्ताप्रसाद नगर थाना इलाके के अंत्योदय नगर में पांच दिन पहले एक ही परिवार के सभी पांच सदस्यों की ओर से खुदकुशी करने के मामले से पर्दा उठ गया है। पांचों मृतकों की सोमवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई। जिसमें मौत का कारण फांसी के कारण दम घुटना बताया गया है। मृतकों के फांसी लगाने से पहले जहरीला पदार्थ खाने की फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है।

- **पांच दिन पहले एक ही परिवार के सभी पांच सदस्य घर में लटके हुये मिले थे**

एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, मौत फांसी लगने से हुई है, यह स्पष्ट हो गया है। हनुमान सोनी, उसकी पत्नी विमला देवी, बेटे मोहित उर्फ मोनू, ऋषि एवं बेटी गुड़िया उर्फ गुड्डू के शव 14 दिसंबर की शाम को घर के कमरे, आंगन व रसोई में लटके मिले थे। एक सुसाइड नोट घटनास्थल और दूसरा हनुमान सोनी की पेंट की जेब से मिला था। दोनों में ससुराल व पीहर पक्ष के लोगों पर जायदाद में हिस्सा नहीं देने एवं 50 लाख रुपए हड़पने का आरोप लगाया गया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतकों के जहरीला पदार्थ खाने जैसी बात जांच में साबित नहीं हुई है और ना ही किसी भी मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस हर एंगल से बारीकी से जांच-पड़ताल कर रही है। अब पुलिस को एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर दीपक शर्मा के सुपरविजन में गठित एसआईटी ने मृतक महिला विमला देवी के पीहर पक्ष के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने हनुमान के पिता, भाई और रिश्तेदारों से भी 50 लाख की जायदाद संबंधी पूछताछ की। हनुमान को जायदाद में हिस्सा मिला था या नहीं और जायदाद के कागजात जैसे बिंदुओं पर जांच चल रही है। नगदी संबंधी कोई प्रमाण नहीं मिले हैं।

एसआईटी ने पड़ोसियों से पूछताछ की। पड़ोसियों के मुताबिक पति-पत्नी कभी घर से बाहर निकलते ही नहीं थे। पति घर के बाहर पोर्च में या चौकी पर बैठकर कभी-कभार अखबार पढ़ते हुए जरूर नजर आता था। वह समाज व परिवार से पूरी तरह कटे हुए थे। वह न किसी के घर जाते थे और ना ही कोई उनके घर आता था। बेटी गुड़िया उर्फ गुड्डू कॉलोनी की सहेलियों के साथ बैडमिंटन जरूर खेलती थी। मोनू व ऋषि सामने पार्क में कॉलोनी के बच्चों के साथ क्रिकेट खेलते थे। मोनू घर के सामने करणी माता के मंदिर में रोजाना जाता था। पुलिस ने मकान मालिक अनिल से भी घटना के बारे में पूछताछ की। मकान मालिक के मुताबिक केवल इसी माह का किराया बकाया था। पीछे का कोई किराया बकाया नहीं था। वह दस साल से नियमित किराया दे रहा था।

अवैध रॉयल्टी काटने से नाराजगी

भीलवाड़ा, (निसं)। आसींद क्षेत्र के सभी बजरी सप्लायर्स ने एकत्रित होकर आसींद पुलिस उपाधीक्षक योगेश शर्मा को ज्ञापन सौंपा। पूर्व विधायक प्रत्याशी मनसुख सिंह गुर्जर ने मिडिया से रूबरू होते हुए बताया कि आसींद क्षेत्र में मेसर्स अभिषेक चौधरी द्वारा अवैध बजरी की रॉयल्टी वसूल की जा रही है जिससे बजरी सप्लायर को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही ज्ञापन में बताया कि उक्त मैसर्स के टीपी पोईंट खनन क्षेत्र शंभूगढ में स्थित है। लेकिन उसकी बजाय दांतडा क्षेत्र से सप्लायर से अवैध रॉयल्टी वसूल कर रहे हैं। साथ ही बजरी रॉयल्टी क्षेत्र का निर्धारित सीमांकन भी नहीं कर रखा है। आए दिन ट्रैक्टर संचालकों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। अवैध रॉयल्टी वसूली के चलते बजरी सप्लायर में रोष व्याप्त है।

शिल्पा शेट्टी परिवार के साथ उदयपुर पहुंची

अभिनेत्री शिल्पा व राज कुन्द्रा ने बच्चों के साथ उदयपुर में नैसर्गिक वादियों को देखा।

उदयपुर, (कासं)। विश्व में खुबसूरती के लिए अपनी अलग पहचान बना चुके उदयपुर शहर, आसपास की जंगल सफारी व नैसर्गिक सौन्दर्यता बॉलीवुड सितारों को आकर्षित करती है।

- **खेरोदा के बाठेड़ा कलां में की जंगल सफारी, बच्चे भी साथ रहे**
- **अडिन्दा स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर पहुंचकर दर्शन किए**

कई बॉलीवुड सितारे बीते दो सालों से अपने विंटर वैकेशन को सेलिब्रेट करने यहां पहुंचने लगे हैं। रविवार को बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपने परिवार के साथ उदयपुर पहुंची। वे यहां वल्लभनगर क्षेत्र के खेरोदा के बाठेड़ाकलां में स्थित चुंडा शिकार ओदी में रूकी। परिवार सहित उन्होंने यहां जंगल सफारी सहित बर्ड वॉचिंग की। साथ ही ओदी से सटकर लगे तालाब में बोटिंग कर यहां की नेसर्गिक सुंदरता को निखारा। शिल्पा अपने पति राज कुन्द्रा, बेटे विआन व बेटी समीशा के साथ उदयपुर पहुंची है।

शिल्पा ने यहां पर राजस्थानी थाली का आनंद लिया। जिसमें बाजरे की रोटी, हल्दी, गट्टे की सब्जी, हरे घास व मक्की की रोटी, मटर पुलाव आदि शामिल थे। यहां से वे अडिन्दा स्थित पार्श्वनाथ मंदिर पहुंची जहां उन्होंने वहां दर्शन किए। हालांकि वे यहां कितने दिन रहेगी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। दो दिन पहले ही बॉलीवुड अभिनेत्री बिपाशा बसु अपने पति करन ठोवर व बेटी देवी के साथ उदयपुर पहुंची थी और यहां उन्होंने ताज ग्रुप के 120वीं वर्षगांठ पर आयोजित केक सेरेमनी में भाग लिया था और परिवार के साथ यहां ठहरी थी।

सड़क दुर्घटना में गर्भवती महिला की मौत

कोटा, (निसं)। शहर के कुन्हाड़ी थाना इलाके में एक बड़ा सड़क हादसा घटित हुआ। नांता इलाके में नेवाजी पैलेस के नजदीक सोमवार रात को एक बाइक की दूसरी बाइक से टक्कर के बाद एक गर्भवती महिला बाइक से उछल गई और रोड से गुजरती बस की चपेट में आ गई। इस घटना में महिला की मौत हो गई।

- **हादसे में पति घायल, 10 वर्षीय बच्ची को मामूली खरोंच आई है**

कुन्हाड़ी थाने के एएसआई रईस मोहम्मद ने बताया कि दुर्घटना नांता इलाके में नेवाजी पैलेस के नजदीक हुई है। मृतक महिला गौना मेहरा है जो सकतपुरा काली बस्ती की निवासी है। वह अपने घर से पति मुकेश और बेटी प्रिया के साथ लैंडमार्क सिटी जा रही थी। दोनों हॉस्टल में संचालित मैस में खाना बनाने का काम करते हैं। इस दौरान कुन्हाड़ी से नांता की तरफ जा रही एक बाइक से ही उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई जिससे महिला गौना उछल कर सड़क पर गिर गई। इस दौरान भीलवाड़ा से कोटा की ओर आ रही रोड़वेज बस का पिछला पहिया उसके शरीर से गुजर गया। इसके चलते मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हादसे में उसका पति घायल हो गया जबकि उसकी 10 वर्षीय बच्ची को मामूली खरोंच आई है। पति का एमबीएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। पति मुकेश और बेटी प्रिया का भी मंगलवार सुबह मेडिकल करवाया गया है जबकि मृतक गौना के शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक के परिवार के सदस्य प्रेमचंद मेहरा ने बताया कि मुकेश के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी ज्यादा खराब थी। उनके पास शव ले जाने के लिए भी पैसा नहीं था। ऐसे में ह्यूमन हेल्पलाईन के मनोज जैन आदिनाथ ने उनकी आर्थिक मदद की है।

20 हजार का फरार ईनामी गिरफ्तार

जोधपुर, (नि.सं.)। पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम और जोधपुर ग्रामीण डीएसटी ने जोधपुर आयुक्तालय के बनाड़ थाना क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई कर एनडीपीएस एक्ट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी मांगीलाल विश्नोई पुत्र देवाराम निवासी डुडियो की ढाणी लूणावास थाना झंवर जिला जोधपुर ग्रामीण को डिटेन किया। जिसे बनाड़ थाना पुलिस को सुपुर्द किया गया है।

- **सीआईडी और जोधपुर ग्रामीण डीएसटी की कार्रवाई**
- **एनडीपीएस एक्ट में 3 साल से था फरार**

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एम एन ने बताया कि आरोपी मांगी लाल के विरुद्ध साल 2020 में बूंदी जिले के थाना डाबी में अवैध मादक पदार्थो की तस्करी का मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसका विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट बूंदी द्वारा स्थाई वारंट जारी है।

जिसमें इसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी बूंदी द्वारा 20 हजार रुपये का इनाम घोषित है। लम्बे समय से फरार वांछित अपराधियों के बारे में आसूचना संकलन करने सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीमों को राज्य के विभिन्न शहरों में भेजा गया है। एडीजी एमएन ने बताया कि इसी दौरान एक टीम के हैड कांस्टेबल राकेश जाखड़ को सूचना मिली कि बूंदी जिले में वांछित इनामी अभियुक्त मांगी लाल जोधपुर आयुक्तालय के बनाड़ थाना क्षेत्र में परिवार सहित किराए के मकान में रह रहा है। सूचना पर आईजी प्रफुल्ल कुमार के पर्यवेक्षण व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशा राम चौधरी के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में एक टीम गठित कर जोधपुर रवाना कर आसूचना को डवलप किया गया।

सूचना की पुष्टि के बाद सोमवार रात सीआईडी और जोधपुर ठाामीण डीएसटी की टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर आरोपी मांगीलाल के किराए के मकान पर दबिश देकर दस्तयाब किया। जिसे अग्रिम कार्रवाई के लिए बनाड़ थाना पुलिस को सुपुर्द किया गया है। संबंधित डाबी थाना पुलिस को इसकी गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी दे दी गई है। एमएन ने बताया कि इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल राकेश जाखड़ की अहम भूमिका एवं हेड कांस्टेबल महेश कुमार, रविंद्र सिंह, शंकर दयाल, कमल सिंह व कांस्टेबल नरेश कुमार का सहयोग रहा वहीं इंस्पेक्टर सुभाष सिंह का कुशल नेतृत्व रहा। जोधपुर ग्रामीण डीएसटी से प्रभारी लाखाराम पुलिस निरीक्षक, हेड कांस्टेबल चिमनाराम, कांस्टेबल मुकन सिंह व मदन लाल शामिल थे।

माहेश्वरी समाज के लोगों ने अतिक्रमण हटाने की मांग की

जैसलमेर, (नि.सं.)। माहेश्वरी समाज के जनों ने मंगलवार को नगरपरिषद आयुक्त लजपालसिंह सोढा को ज्ञापन सौंपकर जैसलमेर शहर में माहेश्वरी मुक्ति धाम के हक की जमीन पर से अतिक्रमण हटाने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि समाज के मुक्ति धाम के पास अतिक्रमण करके पक्का निर्माण करवाने का कार्य हो रहा है जो सरासर गलत है। अत: अतिक्रमण को तुरन्त प्रभाव से हटवाया जावे। इनवर्ड संख्या 12108 देते हुए आयुक्त द्वारा अतिक्रमण शाखा को मार्क करते हुए अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए गए है।

गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा प्रत्याशी छोटूसिंह भाटी के परिवार द्वारा उपरोक्त अतिक्रमण करते पाए जाने पर माहेश्वरी समाज जनों ने विरोध किया। बताया कि तब चुनाव को देखते हुए अतिक्रमण हटवा दिया गया तथा विधायक के भाई नख्तसिंह द्वारा भरोसा दिलाया गया कि माहेश्वरी समाज के हित की जमीन पर हमारे द्वारा भविष्य में अतिक्रमण नहीं किया जायेगा परन्तु सत्ता में काबिज होते ही वापिस अतिक्रमण की जमीन पर निर्माण कार्य शुरू करवा दिया गया है ऐसी दोगली बात करने से आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा का असली चेहरा सामने लाने का कृत्य किया जा रहा है।

जैसलमेर माहेश्वरी समाज भारत के गुजरात, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छतीसगढ, केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, उतरप्रदेश सहित अनेक राज्यों में भारी संख्या में निवास करते हैं।समाज के मुक्ति धाम के पास हो रहे अतिक्रमण का विरोध समाज जनों द्वारा आगामी लोकसभा चुनावों में किए जाने की प्रबल संभावनाएं बनने के आसार हो जायेंगे। ज्ञापन आयुक्त को सुपर्द करते समय समाज के विजय बिसानी, दीपक केला,मनीष धीरन, मुकेश नागोरी, राहुल केला, महेश भूतड़ा, पवन सुदा, मनीष भूतड़ा, प्रणय भूतड़ा सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

समाजजनों द्वारा आयुक्त को समय रहते अतिक्रमण हटाने का निवदेन किया। साथ ही समाज मुद्दे को आगामी दिनों में जैसलमेर प्रवास के दौरान राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री के समक्ष पुरजोर तरीके से रखेगा।

सत्संग मेले पर श्योसिंहपुरा-पदमपुरा स्टेशन पर कई ट्रेनों का ठहराव

कोटा, (निसं)। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु बीलवा, जयपुर के पास आयोजित होने वाले राधा स्वामी सत्संग मेले के अवसर पर कोटा से प्रारम्भ एवं कोटा होकर जाने वाली कई ट्रेनों का श्योसिंहपुरा पदमपुरा स्टेशन पर 22 दिसम्बर 2023 से 25 दिसम्बर 2023 तक 01 मिनट का अस्थाई ठहराव दिया जा रहा है। गाडी संख्या 19813, कोटा-हिसार एक्सप्रेस 21 दिसम्बर 2023 एवं 23 दिसम्बर 2023 को एवं वापसी में गाड़ी संख्या 19814, हिसार-कोटा एक्सप्रेस 22 दिसम्बर 2023 एवं 24 दिसम्बर 2023 को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर श्योसिंहपुरा पदमपुरा स्टेशन पर 01 मिनट ठहराव करेगी।

गाड़ी संख्या 19807, कोटा-हिसार एक्सप्रेस 22 दिसम्बर 2023 एवं 24 दिसम्बर 2023 को एवं वापसी में गाडी संख्या 19808, हिसार-कोटा एक्सप्रेस 21 दिसम्बर 2023 एवं 23 दिसम्बर 2023 को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर श्योसिंहपुरा पदमपुरा स्टेशन पर 01 मिनट ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 12181, जबलपुर-अजमेर एक्सप्रेस 21 दिसम्बर 2023 एवं 22 दिसम्बर 2023 को एवं वापसी में गाडी संख्या 12182, अजमेर-जबलपुर एक्सप्रेस 22 दिसम्बर 2023 एवं 23 दिसम्बर 2023 को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर श्योसिंहपुरा पदमपुरा स्टेशन पर 01 मिनट ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 22982, श्रीगंगानगर-कोटा एक्सप्रेस 21 दिसम्बर 2023, 22 दिसम्बर 2023 एवं 24 दिसम्बर 2023 को एवं वापसी में गाड़ी संख्या 22981, कोटा-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस 22 दिसम्बर 2023, 23 दिसम्बर 2023 एवं 25 दिसम्बर 2023 को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर श्योसिंहपुरा पदमपुरा स्टेशन पर 01 मिनट ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 22998, श्रीगंगानगर-झालावाड़ सिटी एक्सप्रेस 23 दिसम्बर 2023 को एवं वापसी में गाड़ी संख्या 22997, झालावाड़ सिटी-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस 24 दिसम्बर 2023 को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर श्योसिंहपुरा पदमपुरा स्टेशन पर 01 मिनट ठहराव करेगी।

गाड़ी संख्या 12465, इंदौर-भगत की कोठी एक्सप्रेस 22 दिसम्बर 2023 से 25 दिसम्बर 2023 तक अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर श्योसिंहपुरा पदमपुरा स्टेशन पर 01 मिनट ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 20844, भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस 23 दिसम्बर 2023 को एवं वापसी में गाड़ी संख्या 20846, बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस 24 दिसम्बर 2023 को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर श्योसिंहपुरा पदमपुरा स्टेशन पर 01 मिनट ठहराव करेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/जनसम्पर्क अधिकारी-कोटा ने बताया कि इस संबंध में सर्व-संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

रेस्टोरेंट के किचन में आग लगने से हड़कम्प मचा

दमकल की दो गाड़ियों ने पाया आग पर काबू, दो से ढाई लाख का नुकसान हुआ

अजमेर, (कासं)। ब्यावर रोड रामगंज मुख्य बाजार स्थित पंजाबी तड़का रेस्टोरेंट के किचन में मंगलवार सुबह अचानक आग लग गई। आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर अग्निशमन विभाग की दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण किचन की चिमनी में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आग लगने से रेस्टोरेंट मालिक को ढाई लाखों से अधिक का नुकसान हुआ है। रामगंज थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

रेस्टोरेंट के किचन में लगी आग को दमकल कर्मियों ने बुझाया।

- **आग लगने का कारण किचन की चिमनी में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है**

रामगंज थाना क्षेत्र के ब्यावर रोड स्थित रामगंज बाजार में मंगलवार को पंजाबी तड़का रेस्टोरेंट के किचन में करीब 11 बजे आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने धीर-धीरे विकराल रूप धारण कर लिया। इसके बाद रेस्टोरेंट और बाजार में हड़कंप मच गया। रेस्टोरेंट में मौजूद कर्मचारियों और अन्य लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। रेस्टोरेंट के मालिक नितिन अरोड़ा ने आग लगने की सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग और रामगंज थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग ने दमकल की दो गाड़ियां मौके पर भेजी, जहां दमकल कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मौके पर पहुंचे रामगंज थाने के एएसआई गिरधारी लाल ने बताया कि रामगंज बाजार स्थित पंजाबी तड़का के किचन में आग लगने की सूचना मिली थी, अग्निशमन विभाग की दो गाडियों ने आग पर काबू पाया है। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। नुकसान को लेकर रेस्टोरेंट मालिक से पूछताछ की जा रही है।

चिमनी में लगी थी आग :- पंजाबी तड़का रेस्टोरेंट के संचालक मालिक नितिन अरोड़ा ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की प्रबल संभावना है, लेकिन किचन की चिमनी में कचरा और तेल का जमाव होने से भी आग लगने की आशंका जताई है। चिमनी में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया था। अरोड़ा ने बताया कि आग में करीब दो से ढाई लाख रुपए कीमत का माल जलकर खाक हो गया। पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है।

बिल्डिंग को कराया खाली :- रामगंज थाना पुलिस के अनुसार आग लगने की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंची थी और पंजाबी तड़का किचन के ऊपरवाली बिल्डिंग को पूरी तरमह खाली कराया गया ताकि कोई जनहानि न हो सके। लेकिन दमकल कर्मियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया था। जिसके कारण बड़ा हादसा टल गया।

एक साल पहले, हम सभी ऐसा ही कर रहे थे। हम फीफा विश्व कप का अब तक का सबसे अच्छा फाइनल देख रहे थे। मैं अब आपको फीफा प्लस पर उस विश्व कप और उस फाइनल की भावनाओं को फिर से जीने के लिए आमंत्रित करता हूं।

- जियानी इन्फैनटिनो

फीफा अध्यक्ष, फीफा विश्व कप कतर 2022 को सबसे अच्छा बताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

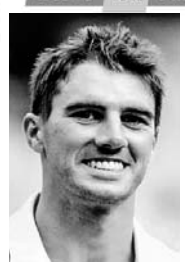

पैट कमिंस

एक बार पैट कमिंस ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता, तो वहीं दूसरी बार उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया। दोनों बार खिताबी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ ही जीता है। साल 2023 जाते-जाते भी पैट कमिंस के लिए शानदार गिफ्ट देकर जा रहा है। सनराइजर्स हैदराबाद ने ट्रैविस हेड को भी खरीदा है, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाने में टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में अहम भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलिया के इन दो दिग्गजों के आने से सनराइजर्स हैदराबाद को भी बड़ा बूस्ट मिलने वाला है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

रॉयल रेंजर्स और वाटिका की बड़ी जीत

नयी दिल्ली, 1। दिसंबर। डीएसए प्रीमियर लीग में सोमवार को रॉयल रेंजर्स और वाटिका ने अपने-अपने मुकबालों में जीत दर्ज की है। पहले मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच भारन्यु बंसल की शानदार तिकड़ी से रॉयल रेंजर्स ने दिल्ली एफसी को 4-1 से पीट कर आसान जीत दर्ज की। वहीं आज दिन के दूसरे मुकाबले में पहली प्रीमियर लीग के विजेता वाटिका एफसी ने रेंजर्स एफसी को प्लेयर ऑफ द मैच हार्दिक पंत, आयुष बिष्ट और अर्जुन शरीन के शानदार गोलों से 3-0 से परास्त किया। रॉयल रेंजर्स ने खेल पर मजबूत पकड़ बनाते हुए दनादन तीन गोल जमाकर दिल्ली एफसी को रक्षात्मक खेलने के लिए विवश कर दिया। डीएफसी का गोल 13 वें मिनट में कृष्ण पंडित ने किया। उसके बाद खेल पर रॉयल रेंजर ने पकड़ बना ली। बंसल के सभी गोल दर्शनीय रहे। एक गोल शुभम राम ने किया। 70 मिनट तक उतार चढ़ाव के चलते अंतिम पंद्रह मिनट में वाटिका ने खेल पर पकड़ बनाई और तीन गोल दाग दिए।

यू मुम्बा ने तमिल थलाइवाज को हराया

मुम्बई, 19 दिसंबर। गुमान सिंह और अमीरमोहम्मद जफरदानिश के शानदार सुपर 10 के दम पर यू मुम्बा ने शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए पीकेएल सीजन 10 के मुकाबले में तमिल थलाइवाज को 46-33 से हराया। रविवार को खेले गये इस मुकाबले में गुमान सिंह और अमीरमोहम्मद जफरदानिश ने यू मुम्बा की जीत में विशेष योगदान दिया। दोनों ने सुपर 10 लगाते हुए क्रमश: 11 और 10 अंक अर्जित किये। यू मुंबा की पांच मैचों में यह तीसरी जीत है। टीम 16 अंक के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गई है। वहीं तमिल थलाइवाज को चार मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। पहले पांच मिनट तक यू मुंबा की टीम 8-4 से आगे थी। यू मुंबा के लिए के गुमान सिंह ने लगातार प्वाइंट लेना जारी रखा। 11वें मिनट में जफर दानिश ने सुपर रेड करके मुम्बा की बढ़त को आठ अंक तक पहुंचा दिया। हालांकि इसके बाद ही तमिल थलाइवाज की टीम ऑल आउट हो गई और इससे यू मुम्बा का स्कोर 21-9 तक पहुंच गया। पहले हाफ के समाप्त होने से पांच मिनट पहले तक मुम्बा के पास अच्छी बढ़त हो गई थी। गुमान सिंह ने जल्द ही अपना सुपर 10 भी पूरा कर लिया। हालांकि अपने बचाव के दम पर तमिल थलाइवाज ने खुद को मुकाबले में बनाए रखा। 17वें मिनट तक मुम्बा के पास 10 अंक की शानदार लीड थी। जफरदानिश और गुमान सिंह के रेड में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत यू मुम्बा ने पहले हाफ में 11 अंक की बढ़त बनाते हुए स्कोर को 27-16 तक पहुंचा दिया। मुम्बा की टीम दूसरे हाफ में भी तमिल थलाइवाज की टीम पर हावी रही। शुरुआती कुछ मिनटों में तमिल थलाइवाज ने भी अंक जुटाते स्वयं को मुकाबले में बनाए रखा। लेकिन पहले 10 मिनट के बाद भी मुम्बा की टीम 11 अंक से बढ़त बनाये हुए थी। तमिल थलाइवाज के लिए अजिंक्य पवार और नरेंदर ने अंक अर्जित करना जारी रखा। 32 वें मिनट में यू मुम्बा ने सुपर रेड करके अपनी बढ़त को और ज्यादा मजबूत कर लिया। इसी बीच तमिल थलाइवाज के द्वारा सुपर टैकल करने के बाद भी यूं मुम्बा का स्कोर 36-23 का था। 36वें मिनट में फिर यूं मुम्बा ने तमिल थलाइवाज को ऑल आउट करके 16 प्वाइंट की शानदार लीड बना ली और अपने स्कोर को 40-24 तक पहुंचा दिया।मुम्बा के खिलाड़ियों ने लगातार अंक अर्जित करते हुए तमिल थलाइवाज को 46-33 से हरा दिया।

फीफा प्लस पर फुटबॉल विश्वकप कतर 2022 की फिल्म

ज्यूरिख, 19 दिसंबर। फीफा प्लस पर फुटबॉल विश्वकप कतर 2022 में महानतम खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी लेकर तैयार की गई फिल्म का पहला संस्करण रिलीज किया गया है। फीफा विश्वकप कतर 2022 के एक वर्ष बाद रिलीज हो रही यह फिल्म ऐसी 32 टीमों की कहानी है जिसमें अर्जेंटीना को विश्वकप जीतने वाले और खेल के इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनेल मेस्सी भी शामिल हैं। इसके जरिए अर्जेंटीना के अब तक खेले गए सबसे अविस्मरणीय फुटबॉल मैचों को इसमें संजोया गया है। इस विश्वकप 172 गोल दागे गये। जिसे पांच अरब लोगों ने देखा। यह डॉक्यूमेंट्री दर्शकों को मैचों के पर्दे के पीछे ले जाती है। पहले अनदेखे कैमरे के कोण से सभी गतिविधियों को दिखाती है और दुनिया भर में देख रहे प्रशंसकों के परिप्रेक्ष्य के जरिए टूर्नामेंट की विशाल वैश्विक अपील को दिखाती है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैनटिनो ने कहा, एक साल पहले, हम सभी ऐसा ही कर रहे थे। हम फीफा विश्व कप का अब तक का सबसे अच्छा फाइनल देख रहे थे। मैं अब आपको फीफा प्लस पर उस विश्व कप और उस फाइनल की भावनाओं को फिर से जीने के लिए आमंत्रित करता हूं। जियानी ने कहा, फीफा विश्व कप कतर 2022, सीधे शब्दों में, अब तक का सबसे अच्छा विश्व कप था। खुशी, हर्ष, गौरव, तृप्ति जब आप फुटबॉल द्वारा दुनिया को दी जा सकने वाली हर चीज के बारे में सोचते हैं तो वह सब कुछ सपना देख सकते हैं जो 2022 में कतर में हो सकता है।

आईपीएल इतिहास में सबसे महंगे बिके स्टार्क, 24.75 करोड़ में कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा

230.45 करोड़ रुपये में 72 खिलाड़ी बिके

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मिनी ऑक्शन दुबई में हुआ । ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। उन्हें 24.75 करोड़ रुपए में कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा, उनके लिए गुजरात ने भी आखिर तक बोली लगाई। एक्सलरेटेड राउंड में ऑस्ट्रेलिया के स्पेंसर जॉनसन 10 करोड़ रुपए में बिके, उन्हें गुजरात टाइटंस ने खरीदा। ऑस्ट्रेलिया के ही जाय रिचर्डसन को दिल्ली ने 5 करोड़ रुपए में खरीदा। श्रीलंका के नुवान थुषारा को 4.80 करोड़ रुपए में मुंबई ने खरीदा। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस 20.50 करोड़ रुपए में बिके। उन्हें स्टार्क से डेढ़ घंटे पहले ही सनराइजर्स हैदराबाद ने खरीदा था। हर्षल पटेल इस ऑक्शन में सबसे महंगे भारतीय बने। उन्हें 11.75 करोड़ रुपए में पंजाब किंग्स ने खरीदा।

10 करोड़ में बिके स्पेंसर जॉनसन

ऑस्ट्रेलिया के लेफ्ट आर्म पेसर स्पेंसर जॉनसन के लिए दिल्ली और गुजरात में बिडिंग वॉर देखने को मिला। 50 लाख रुपए की बेस प्राइस से जॉनसन की कीमत 10 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। उन्हें आखिर में गुजरात ने ही बेस प्राइस से 20 गुना ज्यादा कीमत देकर अपने स्क्वॉड में शामिल किया।

रिचर्डसन को दिल्ली, थुषारा को मुंबई ने खरीदा

ऑस्ट्रेलिया के राइट आर्म पेसर जाय रिचर्डसन को दिल्ली कैपिटल्स ने 5 करोड़ रुपए में खरीदा, उनकी बेस प्राइस 1.50 करोड़ रुपए थी। इसी राउंड में श्रीलंका के नुवान थुषारा को मुंबई इंडियंस ने 4.80 करोड़ रुपए में खरीदा, उनकी बेस प्राइस 50 लाख रुपए थे। एक्सलरेटेड राउंड में लखनऊ ने डेविड विली और एश्टन टर्नर, कोलकाता ने शेरफन रदरफोर्ड और बेंगलुरु ने टॉम करन को खरीदा। टर्नर की कीमत एक करोड़ और विली की कीमत 2 करोड़ रही। वहीं बाकी दोनों प्लेयर्स 1.50 करोड़ रुपए में बिके।

स्टार्क के लिए भिड़ गए कोलकाता-गुजरात

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के लिए मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स में शुरुआती बिडिंग वॉर देखने को मिला। दिल्ली ने 9.60 करोड़ रुपए तक और मुंबई ने 10 करोड़ रुपए तक बोली लगाई। यहां से गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स में बिडिंग वॉर हुआ। आखिर में कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा।

7 अनकैप्ड करोड़पति बने

7 अनकैप्ड प्लेयर करोड़पति बने। समीर रिजवी को चेन्नई सुपर किंग्स ने 8.40 करोड़ रुपए में खरीदा। शुभम दुबे 5.80 करोड़ रुपए में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बने। वहीं शाहरुख खान को 7.40 करोड़ रुपए में गुजरात ने खरीदा। कीपर कुमार कुशाग्र को 7.20 करोड़ रुपए में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा और गेंदबाज यश दयाल को 5 करोड़ रुपए में बेंगलुरु का हिस्सा बने।

अनकैप्ड समीर रिजवी बेस प्राइस से 42 गुना ज्यादा कीमत में बिके

यूपी टी-20 लीग में चमकने वाले 20 साल के अनकैप्ड बैटर समीर रिजवी के लिए बिडिंग वॉर देखने को मिला। उनके लिए चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स में लड़ाई दिखी। आखिर में चेन्नई ने उन्हें बेस प्राइस से 42 गुना ज्यादा कीमत देकर 8.40 करोड़ रुपए में खरीद लिया। समीर की बेस प्राइस 20 लाख रुपए थी। रिजवी यूपी टी-20 लीग में टॉप रन स्कोरर रहे थे।

कमिंस के लिए बेंगलुरु-हैदराबाद में हुआ बिडिंग वॉर

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस के लिए चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस में बिडिंग वॉर शुरू हुआ। 2 करोड़ की बेस प्राइस से मुंबई ने शुरुआत की, उन्होंने 5 करोड़ तक बोली लगाई। यहां से बेंगलुरु और चेन्नई में बिडिंग वॉर हुआ। दोनों ही टीमों को कप्तान की जरूरत है। चेन्नई ने 10 करोड़ तक बोली लगाई। बेंगलुरु ने 20.25 करोड़ तक बोली लगाई, आखिर में उन्हें हैदराबाद ने आखिरी में 20.50 करोड़ रुपए में खरीद लिया।

टॉप सरप्राइजः रचिन-हसरंगा सस्ते में बिके, स्मिथ-फर्ग्यूसन अनसोल्ड

न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 14 करोड़ रुपए में चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हो गए। रचिन रवींद्र महज 1.80 करोड़ में बिक गए। श्रीलंका के वनिंदू हसरंगा भी 1.50 करोड़ में ही हैदराबाद का हिस्सा बने। जबकि ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ, साउथ अफ्रीका के राइली रुसो और न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन अनसोल्ड रहे।

अनकैप्ड शाहरुख फिर बने करोड़पति

2022 के ऑक्शन में 9 करोड़ में बिकने वाले अनकैप्ड बैटर शाहरुख खान फिर करोड़पति बन गए। उनके लिए पंजाब और गुजरात में बिडिंग वॉर हुआ। आखिर में उन्हें 7.40 करोड़ रुपए में गुजरात टाइटंस ने खरीद लिया। सेट-7 में अर्शीन कुलकर्णी को लखनऊ सुपरजायंट्स और रमनदीप सिंह को कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा। दोनों को 20-20 लाख रुपए की कीमत मिली।

अनकैप्ड कीपर कुमार कुशाग्र 7.20 करोड़ में बिके

अनकैप्ड विकेटकीपर कुमार कुशाग्र करोड़पति बन गए। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने 7.20 करोड़ रुपए में खरीदा। उनके लिए गुजरात टाइटंस ने भी बोली लगाई थी। कुशाग्र झारखंड से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। सेट-7 में टॉम कोहलर कैडमोर को 40 लाख में राजस्थान और रिकी भुई को 20 लाख में दिल्ली ने खरीदा। इस सेट में उर्विल पटेल और विष्णु सोलंकी अनसोल्ड रहे।

5.80 करोड़ में बिके अनकैप्ड बैटर शुभम

विदर्भ के अनकैप्ड लेफ्ट हैंड बैटर शुभम दुबे को बेस प्राइस से कई गुना ज्यादा बोली मिली। उनके लिए राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स में बिडिंग वॉर हुआ। उन्हें आखिर में राजस्थान ने ही बेस प्राइस से 29 गुना ज्यादा कीमत देकर 5.80 करोड़ रुपए में खरीद लिया। शुभम की बेस प्राइस 20 लाख रुपए थी। इस सेट में अंगकृष रघुवंशी को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 20 लाख रुपए में खरीदा।

5 करोड़ में बिके यश दयाल, रिंकू ने लगाए थे 5 छक्के

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने यश दयाल को 5 करोड़ रुपए में खरीदा। उन्हें पिछले सीजन रिंकू सिंह ने 20वें ओवर में 5 लगातार सिक्स लगाए थे। सेट-9 में गुजरात टाइटंस ने 2 प्लेयर्स खरीदे। उन्होंने कार्तिक त्यागी को 60 लाख और सुशांत मिश्रा को 2.20 करोड़ रुपए में खरीदा। रसीख सलाम 20 लाख रुपए में दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा बने।

एम सिद्धार्थ 2.40 करोड़ में बिके

अनकैप्ड स्पिनर एम सिद्धार्थ भी करोड़पति बन गए, उन्हें लखनऊ सुपरजायंट्स ने बेस प्राइस से 12 गुना ज्यादा कीमत देकर 2.40 करोड़ रुपए देकर खरीदा। सेट-10 में 2 प्लेयर्स और भी बिके। गुजरात ने मानव सुथार और मुंबई ने श्रेयस गोपाल को 20 लाख रुपए की बेस प्राइस में खरीदा।

मिचेल को चेन्नई ने 14 करोड़ में खरीदा

न्यूजीलैंड के बैटिंग ऑलराउंडर डेरिल मिचेल के लिए पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स में बिडिंग वॉर हुआ। 12 से 13.75 करोड़ रुपए तक दोनों टीमों ने बोली लगाई। आखिर में चेन्नई ने ही मिचेल को 14 करोड़ रुपए में खरीद लिया।

हर्षल को 11.75 करोड़ में पंजाब ने खरीदा

स्लोअर बॉल स्पेशलिस्ट हर्षल पटेल के लिए गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स में बिडिंग वॉर हुआ। 10.75 करोड़ रुपए तक गुजरात ने बोली लगाई, उनके बाद लखनऊ सुपरजायंट्स भी आ गया। पंजाब फिर भी आखिर तक टिका रहा और हर्षल को 11.75 करोड़ रुपए में खरीद लिया। वह इस ऑक्शन के सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी हैं।

अल्जारी जोसेफ के लिए लखनऊ-बेंगलुरु में बिडिंग वॉर

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ के लिए लखनऊ सुपरजायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में बिडिंग वॉर हुआ। एक करोड़ रुपए से शुरू हुई उनकी बोली 10 करोड़ रुपए के पार पहुंच गई। आखिर में उन्हें 11.50 करोड़ रुपए में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने खरीद लिया।

सेट-5 में सभी स्पिनर्स अनसोल्ड

सेट-5 में विदेशी स्पिनर्स के नाम आए, एक को भी खरीदार नहीं मिला। इसमें अफगानिस्तान के वकार सलामखील, इंग्लैंड के आदिल रशीद, वेस्टइंडीज के अकील हुसैन, साउथ अफ्रीका के तबरेज शम्सी, न्यूजीलैंड के ईश सोढी और अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान के लिए किसी ने बोली नहीं लगाई।

मदुशंका 4.60 करोड़ में बिके

सेट-4 में जोश हेजलवुड और लॉकी फर्ग्यूसन अनसोल्ड रहे। श्रीलंका के दिलशान मदुशंका को 4.60 करोड़ रुपए में मुंबई ने खरीदा। इस सेट में जयदेव उनादकट को 1.60 करोड़ रुपए में सनराइजर्स हैदराबाद ने स्क्वॉड में शामिल किया। इसी सेट में चेतन साकरिया को 50 लाख रुपए में कोलकाता ने खरीदा।

शिवम मावी 6.40 करोड़ में बिके

भारत के तेज गेंदबाज उमेश यादव को 5.80 करोड़ रुपए में गुजरात टाइटंस ने खरीदा। उनकी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए थी। 50 लाख की बेस प्राइस वाले शिवम मावी की बोली भी एक करोड़ के पार गई।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरा वनडे 8 विकेट से जीता

सीरीज 1-1 की बराबरी पर, जॉर्जी की शतकीय पारी, बर्गर ने झटके 3 विकेट

नई दिल्ली 19 दिसंबर। मेजबान साउथ अफ्रीका ने वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में भारत पर 8 विकेट की जीत हासिल की। इस जीत से 3 मैचों की सीरीज रोमांचक मोड़ पर आ गई है। अब दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर हैं, यानी कि विनर का फैसला 21 दिसंबर को पार्ल में होने वाले तीसरे और निर्णायक मुकाबले से होगा।

केबेरा के सेंट जॉर्ज पार्क स्टेडियम में मंगलवार को अफ्रीकी टीम ने 212 रनों का टारगेट 42.3 ओवर में एक विकेट पर हासिल कर लिया। ओपनर टोनी डी जॉर्जी (नाबाद 119 रन) ने वनडे करियर का पहला शतक जमाया, जबकि रीज हेंडिक्स (52 रन) ने 7वीं फिफ्टी जमाई। रासी वान डर डसन ने 36 रन का योगदान दिया।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 46.2 ओवर में 211 रन पर ऑलआउट हो गई। ओपनर साई सुदर्शन ने 62 रन बनाए, जबकि केएल राहुल ने 56 रन की पारी खेली। नांद्रे बर्गर को 3 विकेट मिले।

212 रन का टारगेट चेज कर रही साउथ अफ्रीका की टीम ने संभली शुरुआत की। अफ्रीकी ओपनर्स ने बड़े शॉर्ट के लिए के लिए खराब बॉल का इंतजार किया और अच्छी बॉल को सम्मान दिया। 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर ओपनर रीजा हेंड्रिक्स को जीवनदान मिला। मुकेश कुमार की बाहर जाती बॉल पर ऋतुराज गायकवाड ने स्लिप पर उनका कैच छोड़ा। शुरुआती 10 ओवर में खेल में साउथ अफ्रीकी टीम ने धीमी गति से रन बनाए, लेकिन विकेट बचाने में कामयाब रही। 10 ओवर के बाद टीम का स्कोर 39/0 रहा।

टीम ने केबेरा के सेंट जॉर्ज पार्क स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.1 ओवर में 211 रन पर ऑलआउट हो गई। ओपनर साई सुदर्शन (62 रन) और कप्तान केएल राहुल (56 रन) ने अर्धशतक जमाए। शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सके। नांद्रे बर्गर ने 3 विकेट चटकाए। ब्युरन हेन्ड्रिक्स और केशव महाराज को 2-2 विकेट मिले। साई सुदर्शन ने 83 बॉल पर 62 रन की पारी खेली। सुदर्शन ने लगातान अपने दूसरे इंटरनेशनल में अर्धशतक लगाया।

मिडिल ओवर में 7 विकेट गंवाने के बाद टेल एंडर्स ने भारतीय टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। आखिरी 38 बॉल पर टीम इंडिया ने एक विकेट खोकर 34 रन बनाए। पावरप्ले में धीमी शुरुआत के बाद भारतीय बैटिंग ऑर्डर मिडिल ऑर्डर में बिखर गया। भारतीय टीम ने बीच के ओवर में 131 रन बनाने में 6 विकेट गंवा दिए। 40 ओवर के बाद टीम इंडिया का स्कोर 177/7 रहा। केएल राहुल की 18वीं फिफ्टी, इस साल 1000 रन बनाए केएल राहुल ने 56 रनों की पारी खेली।

रिंकू सिंह ने डेब्यू वनडे में किया निराश

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। रिंकू सिंह ने मंगलवार (19 दिसंबर) को वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया। रिंकू को साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे के लिए भारतीय प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। भारतीय टीम ने सिर्फ एक ही बदलाव किया था। हालांकि, रिंकू डेब्यू वनडे में कमाल नहीं दिखा सके। उन्होंने छठे नंबर पर उतरने के बाद 14 गेंदों में 17 रन बनाए। उन्होंने दो चौके और एक छक्का ठोका। उन्हें स्पिनर केशव महाराज ने स्टंप आउट कराया।

रिंकू को वनडे डेब्यू का अवसरटी20 अंतरराष्ट्रीयमें चमकने का इनाम मिला है। उन्होंने अगस्त 2023 में भारत के लिए पदार्पण करने के बाद से अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया है। उन्होंने अब तक 12 टी20 मैचों में 65.50 के औसत और 180.68 के स्ट्राइक रेट से 262 रन बनाए हैं। उन्होंने 12 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में शानदार अर्धशतकीय पारी खेली थी। उन्होंने बतौर फिनिशर जबर्दस्त छाप छोड़ी है।

26 वर्षीय रिंकू को अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की जगह चांस मिला। अय्यर पहले वनडे के बाद साउथ अफ्रीका के विरुद्ध होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए तैयारी में जुट गए हैं। अय्यर के जाने से प्लेइंग इलेवन में एक जगह खाली हुई, जिसके बाद रिंकू और रजत पाटीदार में से किसी एक प्लेयर का वनडे डेब्यू तय था। चौथे क्रम के बल्लेबाज अय्यर की जगह के लिए पाटीदार का दावा ज्यादा मजबूत माना जा रहा था क्योंकि घरेलू मैचों वह इसी क्रम पर बल्लेबाजी करते हैं।

आईपीएल 2024 में प्रति ओवर दो बाउंसर की अनुमति

दुबई, 19 दिसंबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में इस बार गेंदबाजो को प्रति ओवर दो बाउंसर डालने की अनुमति होगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार प्रति ओवर दो बाउंसर के इस बदलाव का परीक्षण भारत की घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान किया गया था।

सौराष्ट्र के अनुभवी तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने इस बदलाव का स्वागत करते हुए कहा, मुझे लगता है कि एक ओवर में दो बाउंसर बहुत उपयोगी होते हैं और यह उन चीज़ों में से एक है जो गेंदबाज को बल्लेबाजों के खिलाफ अतिरिक्त फायदा देता है।

उन्होंने कहा, मान लीजिए कि अगर मैं पहले धीमी बाउंसर फेंकता था तो बल्लेबाज़ को उसके बाद यक़ीन हो जाता था कि अब कोई और बाउंसर नहीं आएगा लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अगर हम ओवर के पहले हिस्से में ही बाउंसर डालते हैं, तब भी हमारे पास एक और बाउंसर फेंकने मौक़ा होगा। जो बल्लेबाज बाउंसरों के खिलाफ कमजोर हैं, उन्हें इसमें बेहतर होना होगा।

यह बदलाव गेंदबाज को एक अतिरिक्त विकल्प प्रदान करेगा। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ा प्रभाव वाला छोटा बदलाव है। एक गेंदबाज़ के तौर पर मुझे लगता है कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण नियम है। उन्होंने कहा, इसके अलावा डेथ ओवरों में भी आपके पास एक और विकल्प मिलेगा। मौजूदा समय में तेज गेंदबाजों के लिए डेथ ओवरों में यॉर्कर का ही अधिक विकल्प होता है। अब गेंदबाजों के पास यॉर्कर, धीमी गेंद और दो बाउंसर का विकल्प होगा। भले ही आप दूसरा बाउंसर न फेंकें लेकिन फिर भी बल्लेबाज को पता होगा कि गेंदबाज दूसरा बाउंसर डाल सकता है।

पिछले आईपीएल सत्र में इम्पैक्ट प्लेयर का जो नियम आया था वह बना रहेगा। इस नियम के तहत टॉस के समय एक टीम को एकादश के अलावा चार खिलाड़ियों की विकल्प की सूची भी देनी होती है। वे उन चार खिलाड़ियों में से किसी एक को अपने इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उपयोग कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर आईपीएल ट्रेडिंग विंडो अभी बंद हो गई है लेकिन यह मिनी-नीलामी के एक दिन बाद 20 दिसंबर को फिर से खुलेगी और 2024 सत्र शुरू होने से एक महीने पहले बंद होगी। आईपीएल 2024 का सत्र 22 मार्च से मई के आखिर में हो सकते है, भारतीय चुनाव आयोग द्वारा आम चुनावों के लिए मतदान की तारीखों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद इसके अंतिम कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के होने वाले आखिर दो टी-20 मैचों के लिए टीम की घोषणा की

एंटीगुआ, 19 दिसंबर। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के साथ होने वाले आखिरी दो टी-20 मैच के लिए अल्जारी जोसेफ को आराम दिया है तथा शिमरोन हेटमायर को टीम से बाहर कर दिया है। हेटमायर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टी-20 में एक और दो रन बनाये और वह फॉर्म को लेकर संघर्ष करते देखे गये। उनकी जगह अगस्त में भारत में टी-20 खेलने वाले जॉनसन चार्ल्स को टीम में शामिल किया है।

इस बीच जोसेफ को अगले महीने वेस्टइंडीज के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले आराम दिया गया है। इसमें दौरे में दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैच खेले जाने है। 17 जनवरी से एडिलेड में टेस्ट मैच शुरु होगा। जोसेफ के तीनों प्रारूपों में खेलने की संभावना है। जोसेफ ने दूसरे टी-20 में 39 रन देकर तीन विकेट लेकर महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया। वेस्टइंडीज ने यह मुकाबला 10 रन से जीत लिया था।

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टी-20 मैचों के लिए वेस्टइंडीज टीम इस प्रकार है:- रोवमैन पॉवेल (कप्तान), शाई होप, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज़, मैथ्यू फोर्ड, जेसन होल्डर, अकील होसेन, ब्रैंडन किंग, काइल मेयर्स, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड , रोमारियो शेफर्ड और ओशाने थॉमस।

चैम्पियन बनाने वाले कप्तान को सनराइजर्स हैदराबाद ने किया ब्लॉक

डेविड वॉर्नर ने दुनिया के आगे खोल डाली पोल

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। सनराइजर्स हैदराबाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में महज एक ही बार खिताब जीत पाया है और उसने यह कारनामा डेविड वॉर्नर की कप्तानी में किया था। वॉर्नर ने 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

आईपीएल 2016 खिताबी मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को आठ रनों से हराकर आईपीएल ट्रॉफी उठाई थी। वॉर्नर ने एसआरएच के साथ सात साल बिताए हैं, लेकिन इसके बाद दोनों के बीच मनमुटाव हो गया और पहले वॉर्नर को कप्तानी से हटाया गया और फिर टीम से ही हटा दिया गया। एसआरएच और वॉर्नर के बीच क्या हुआ, इसकी पूरी डिटेल्स आजतक किसी को नहीं पता है। वॉर्नर इसके बाद आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी टीम का हिस्सा बन गए। आईपीएल 2024 में पैट कमिंस और ट्रैविस हेड को सनराइजर्स हैदराबाद ने खरीदा। पैट कमिंस तो 20.50 करोड़ रुपये में बिके। कमिंस और ट्रैविस हेड को जब वॉर्नर बधाई देने के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के इंस्टाग्राम अकाउंट पर गए, तब उन्हें पता चला कि एसआरएच के आधिकारिक अकाउंट से तो उन्हें ब्लॉक किया गया है।

वॉर्नर ने इसका स्क्रीनशॉट लेकर पूरी दुनिया के आगे पब्लिक कर दिया। ऑक्शन में अब अनकैप्ड की बारी, ने समीर को दिए 8.40 करोड़ पैट कमिंस की सैलरी को लेकर शास्त्री और पठान की राय बिल्कुल अलग-अलग इसको लेकर अब बहुत मजेदार कमेंट्स भी आ रहे हैं। किसी ने कहा कि ट्रविस हेड और पैट कमिंस की मदद से डेविड वॉर्नर एसआरएच से सफारिश कर रहे हैं कि उनको अनब्लॉक किया जाए। एसआरएच ने ट्रैविस हेड को 6.80 करोड़ रुपये में खरीदा है। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के ही मिचेल स्टार्क बन गए हैं। मिचेल स्टार्क को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा है। आईपीएल मेगा ऑक्शन 2022 में हुआ था और तभी एसआरएच ने डेविड वॉर्नर को टीम से रिलीज कर दिया था, जिसके बाद उनको दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा था।

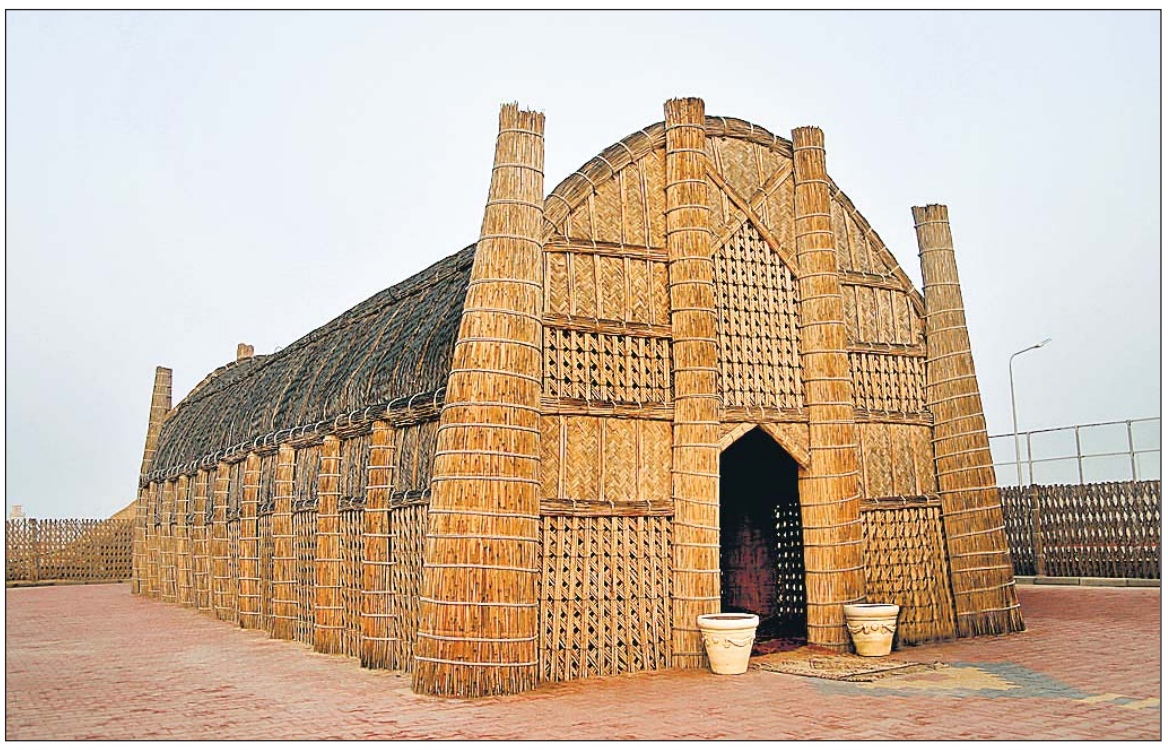

इराक के बारे में आपने खबरों में जितनी भी तस्वीरे देखी होंगी वो या तो युद्ध और हिंसा की होंगी या फिर रेगिस्तान की, यही वजह है कि पूरी दुनिया इस 5000 साल पुरानी संस्कृति से प्रायः अनभिज्ञ सी है जिसमें दक्षिणी इरान के मार्श अरब्स के "मडहिफ" भवन भी शामिल हैं। मडान लोग, चूंकि दलदल के करीब रहते हैं, इसलिए इन्हें मार्श अरब भी कहते हैं, इनकी आबादी लगभग 5 लाख से भी कम है। ये लोग अपने खास शैली में स्थापत्य वाले मडहिफ हाउस के लिए जाने जाते हैं। मडहिफ हाउस थोड़े से वक्राकार होते हैं तथा सरकंडे और धूप में सुखाई गई ईंटों से बनाए जाते हैं। गांव का शेख इनका रखरखाव करता है तथा इसके लिए सभी से कर वसूला जाता है। मडहिफ भवन मडान समाज के मुख्य केन्द्र हैं। इनमें मेहमानों को ठहराया जाता है तथा यहां धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होते हैं। मार्श अरब कल्चर और मडहिफ भवन निर्माण कला को सद्दाम हुसैन के काल में सर्वाधिक नुकसान हुआ। चूंकि मार्श अरब लोगों ने सद्दाम हुसैन के खिलाफ हुई बगावत को समर्थन दिया था इसलिए सद्दाम बेहद नाराज हो गया, उसने सत्तर के दशक की एक सिंचाई योजना को मंजूरी दे दी जिससे क्षेत्र के दलदली भाग में होने वाला जल प्रवाह रुक गया और ये सूख गए, जो बचे खुचे जल क्षेत्र थे उनमें जहर डलवा दिया इनके घर जला दिए। इसके बाद इन लोगों ने पारम्परिक जीवन शैली छोड़ दी और वे गांवों व शरणार्थी शिविरों में रहने चले गए। पांच लाख लोगों में से सिर्फ 1600 लोग ही बचे हैं जो अब भी वहां पारम्परिक शैली के घरों में रहते हैं और जैसे तैसे अपनी संस्कृति व भवन निर्माण कला को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।

सांसदों के निलंबन के खिलाफ इंडिया गठबंधन शुक्रवार को देशव्यापी प्रदर्शन करेगा

इंडिया गठबंधन की बैठक में मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह घोषणा की

नयी दिल्ली, 19 दिसम्बर। विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन ने संसद के दोनों सदनों से विपक्ष के सदस्यों के निलम्बन के खिलाफ शुक्रवार (22 दिसंबर) को देशभर में विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है।

गठबंधन के नेताओं की मंगलवार को यहां हुई बैठक में घटक दलों ने अगले आम चुनाव में जीत के लिए मिलकर काम करने और प्रदेश स्तर पर सीटों के तालमेल को मजबूत के उपाय करने का फैसला किया है।

बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, इंडी गठबंधन विपक्ष के सदस्यों के संसद से निलम्बन के खिलाफ 22 दिसम्बर को देशभर में विरोध प्रदेश करेगा। कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा राज्यसभा और लोकसभा के कुल 141 विपक्षी सदस्यों को निलम्बित किया गया है और जैसा कि खड़गे जी ने कहा है कि, हम 22 दिसंबर को हर राज्य में इसके विरोध में मिलकर प्रदर्शन करेंगे।

■ कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा कि संसद से कुल 141 सांसद निलम्बित हुए हैं, इसके खिलाफ हरेक राज्य में विरोध प्रदर्शन किया जाएंगे।

खड़गे ने बैठक की जानकारी देते हुए यह भी कहा कि, हमारी मुख्य चिंता चुनाव जीतने और गठबंधन के सदस्यों की संख्या बढ़ ने की है। बैठक में तय किया गया है कि, गठबंधन के सभी लोग मिलकर काम करेंगे और सीटों के बंटवारे को लेकर स्थानीय स्तर पर बातचीत होगी और कहीं विवाद हुआ तो पार्टी के केंद्रीय नेता उसे सुलझाएंगे।

उन्होंने कहा कि, बैठक में सभी 28 दलों के नेता शामिल हुए और सभी ने बैठक को प्रभावशाली बनाया है और इसके लिए सभी दलों के नेता बधाई के पात्र हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि बैठक के बाद गठबंधन और मजबूत होगा।

गठबंधन के नेता के सवाल पर उन्होंने कहा कि, पहले मिलकर सीटें जीतनी हैं और उसके बाद मिलकर अपना नेता तय करेंगे। उन्होंने कहा कि दो-तीन राज्यों में जीत हासिल कर भाजपा का घमंड बढ़ गया है लेकिन इंडी गठबंधन पहले जीत हासिल करेंगे और उसके बाद सांसद किस तरह से अपने नेता का चुनाव करेंगे इस बारे में विचार किया जाएगा। संसद भवन की सुरक्षा में सेंध के मुद्दे पर सियासी घमासान के बीच इंडी गठबंधन की चौथी बैठक यहां अशोक होटल में बैठक हुई।

बैठक में कांग्रेस की ओर से खड़गे और जयराम रमेश के अलावा कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल शामिल हुए। बैठक में जनता दल के नेता एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पार्टी अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, तृणमूल कांग्रेस नेता तथा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी, राष्ट्रीय जनता दल के लालू प्रसाद यादव और बिहार के उपमुख्यमंत्री तथा राजद नेता तेजस्वी यादव, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार और सुप्रिया सुले, आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सीताराम येचुरी, कम्युनिस्ट पार्टी के ए राजा तथा अन्य कई दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया।

विधानसभा का पहला सत्र आज से

■ पहले दिन विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी, मुख्यमंत्री भजन लाल भी शपथ लेंगे।

■ वरिष्ठ विधायक कालीचरण सराफ को राज्यपाल ने प्रोटैम स्पीकर नियुक्त किया है, वे नए विधायकों को शपथ दिलाएंगे।

■ सत्र के दूसरे दिन स्पीकर का चुनाव होगा। भाजपा ने स्पीकर पद के लिए वासुदेव देवनानी को उतारा है, चर्चा है कि, कांग्रेस भी उन्हें समर्थन दे सकती है।

जयपुर, 19 दिसम्बर (का.सं.)। राजस्थान की 16वीं विधानसभा का पहला सत्र बुधवार को बुलाया गया है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने सत्र बुलाने की स्वीकृति दे दी है। सत्र के पहले दिन नव निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। वहीं, दूसरे दिन स्पीकर का चुनाव होगा, भाजपा की आरे से स्पीकर के दावेदार वासुदेव देवनानी की जीत तय मानी जा रही है।

वही सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस देवनानी को समर्थन दे सकती है, यदि विपक्ष देवनानी को समर्थन देता है तो उनका चुनाव निर्विरोध भी हो सकता है। राजस्थान में यह संभवत पहला मौका है, जब मंत्रिमण्डल के गठन से पहले विधायकों को शपथ दिलाई जा रही है। इससे पहले नई विधानसभा का पहला सत्र जनवरी में होता आया है, इसलिए सत्र से पहले मंत्रिमंडल का गठन हो जाया करता था।

नव निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाने के लिए राज्यपाल कलराज मिश्र ने सबरे वरिष्ठ विधायक कालीचरण सराफ को सोमवार को प्रोटैम स्पीकर नियुक्त किया था। कालीचरण सराफ को राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को प्रोटैम स्पीकर पद की शपथ दिलाई थी। प्रोटैम स्पीकर के सहयोग के लिए राज्यपाल ने तीन सदस्यीय पैनल भी बनाया है। इसमें वरिष्ठ विधायक दयाराम परमार, प्रताप सिंह सिंघवी और डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा को शामिल किया गया है।

वही 16वीं विधानसभा में करीब 72 विधायक ऐसे हैं, जो पहली बार चुने गए हैं, इनमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शामिल हैं। वहीं, संभवत भजनलाल शर्मा पहले ऐसे विधायक हैं, जो विधायक से पहले मुख्यमंत्री के तौर पर विधानसभा पहुंचेंगे। पहली बार विधानसभा पहुंचने वाले विधायकों में भाजपा के 46, कांग्रेस के 19 और अन्य 7 विधायक शामिल हैं। कालीचरण सराफ 16वीं विधानसभा में सबसे वरिष्ठ विधायक हैं। वे इस बार मालवीय नगर विधानसभा से चुनाव जीतकर 8वीं बार विधानसभा पहुंचे हैं। सराफ 1985 से लगातार चुनाव लड़ रहे हैं। वे 4 बार जौहरी बाज़ार विधानसभा सीट से विधायक रहे हैं, लेकिन 2008 में परिसीमन के बाद जौहरी बाजार विधानसभा सीट समाप्त हो गई। इसके बाद से कालीचरण सराफ जयपुर की मालवीय नगर विधानसभा सीट से लगातार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंच रहे हैं।

जी.एस.टी. दूसरा संशोधन विधेयक 2023 लोकसभा में पारित

संशोधन विधेयक जी.एस.टी. अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष व सदस्यों की आयु व योग्यता से संबंधित है

नयी दिल्ली, 19 दिसम्बर। लोकसभा ने जी.एस.टी. अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष और सदस्यों की आयु एवं योग्यता में संशोधन के प्रावधान वाले केंद्रीय माल एवं सेवाकर (दूसरा संशोधन) विधेयक 2023 को मंगलवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

यह विधेयक वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में 13 दिसम्बर को पेश किया था और इसे चर्चा तथा पारित कराने के लिए आज पेश किया गया। इस विधेयक में जी.एस.टी. अधिनियम 2017 में संशोधन करके इसके प्रावधानों को ट्रीब्यूनल सुधार अधिनियम 2021 के प्रावधानों के अनुरूप करना है।

विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि, जीएसटी न्यायाधिकरण के गठन से देश में उच्च न्यायालयों तथा उच्चतम न्यायालय में मामलों का बोझ कम होगा और जी.एस.टी. से जुड़े मुद्दों पर न्याय के लिए लोगों को लम्बे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसका मुख्यालय दिल्ली में होगा और राज्यों में एक या दो पीठ होगी ताकि स्थानीय स्तर करदाताओं को सुविधा मिल सके।

उन्होंने कहा कि, विधेयक में न्यायाधिकरण के सदस्यों के लिए न्यूनतम उम्र 50 साल रखी गई है जबकि अधिकतम उम्र 67 साल और अध्यक्ष के लिए अधिकतम उम्र 70 करने का प्रावधान है। फिलहाल यह आयु सीमा अध्यक्ष के लिए 67 और सदस्यों के लिए 65 वर्ष है।

सीतारमण ने कहा, सरकार का उद्देश्य है कि हमारी सूक्ष्म एवं मझौली इकाइयों-एम.एस.एम.ई. इकाइयों को कारोबार करने में आसानी हो। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि जी.एस.टी. कानून में संशोधन से लघु क्षेत्र की इकाइयों को सावर्जनिक उपक्रमों से भुगतान में देरी नहीं होगी। सरकार एस.एस.एम.ई. इकाइयों के प्रति संवेदनशील होकर काम कर रही है।

इससे पहले चर्चा में हिस्सा लेते हुए भारतीय जनता पार्टी के निशिकांश दुबे ने कहा कि, पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने 2006-07 में कहा था कि, जी.एस.टी. लाएंगे लेकिन 2014 तक वह सरकार जी.एस.टी. को लेकर सिर्फ बातें ही करती रही क्योंकि वह टैक्स छोड़ने को तैयार नहीं थी। बीजू जनता दल की शर्मिष्ठा सेठी ने कहा कि, समिति की संस्तुति को क्रियान्वित करने की जरूरत है ताकि जीएसटी के दायरे में आने वाले सारे काम आसानी से हो सके। शिवसेना के धैर्यशील माणे ने कहा कि, न्यायाधिकरण जी.एस.टी. करदाताओं के सामने आने वाली दिक्कतों को मिलने वाली चुनौतियों के निदान के लिए आवश्यक है। जी.एस.टी. से जुड़े विवादों का इस विधेयक के आने से सुलझाया जा सकेगा। चर्चा में भाजपा के शंकर लालवानी तथा वाई.एस.आर. के श्रीकृष्ण डी लावू ने भी हिस्सा लिया।

■ यह विधेयक वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में 13 दिसम्बर को पेश किया था और इसे चर्चा तथा पारित कराने क लिए आज पेश किया गया। इस विधेयक में जी.एस.टी. अधिनियम 2017 में संशोधन करके इसके प्रावधानां को ट्रीब्यूनल सुधार अधिनियम 2021 के प्रावधानों के अनुरुप करना है।

■ सीतारमण ने कहा कि विधेयक में न्यायाधिकरण के सदस्यों के लिए न्यूनतम उम्र 50 साल रखी गई है जबकि अधिकतम उम्र 67 साल और अध्यक्ष के लिए अधिकतम उम्र 70 करने का प्रावधान हैं। फिलहाल यह आयु सीमा अध्यक्ष के लिए 67 और सदस्यों क लिए 65 वर्ष है।

'जमानत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीड़ित को सुनवाई का मौका देने के लिए कहा है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि उन्हें जमानत याचिकाओं में पक्षकार बनाया जाए। अदालत ने कहा कि पीड़ित पक्ष को कोई भी अधिकार देते समय यह भी जरूरी है कि आरोपी के अधिकारों की भी रक्षा की जाए।

प्रकरण से जुड़े अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने बताया कि हाईकोर्ट की एक एकलपीठ ने 8 अगस्त 2023 के दिए अपने आदेश में कहा था कि सभी जमानत याचिकाओं में पीड़ित को भी पक्षकार बनाया जाए, ताकि वह भी अपना पक्ष रख सके। इसके साथ ही एकलपीठ ने हाईकोर्ट प्रशासन को भी इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा था। जिस पर हाईकोर्ट प्रशासन ने 15 सितंबर को इस संबंध में निर्देश जारी कर जमानत याचिकाओं में पीड़ित या शिकायतकर्ता को जरूरी तौर पर पक्षकार बनाए जाने का निर्देश दिया। आज हाईकोर्ट की खण्डपीठ को इस मुद्दे पर स्पष्टता से फैसला देना था कि जो शर्तें विधानसभा ने कानून में नहीं डाली है, क्या वही शर्तें अदालत कानून को पढ़ते समय जोड़ सकती है? यानि वर्तमान मामले में जो शर्तें भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सी.आर.पी.सी.) में जमानत याचिका पेश करने के लिए नहीं लगाई गई है, क्या कोई अदालत उनमें अलग से शर्तें जोड़ सकती है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान मामले में एक अन्य एकलपीठ ने पूजा गुर्जर व अन्य की जमानत याचिकाओं में अपना मत दिया कि ऐसे मामलों में परिवादी या पीड़ित पक्ष को पक्षकार बनाना जरूरी नहीं है। इसके साथ ही एकलपीठ ने प्रकरण में दो अलग-अलग मत होने के चलते इस बिंदु को तय करने के लिए खंडपीठ में भेज दिया था। आज खण्डपीठ ने इस विवाद को खत्म करते हुए कहा है कि जमानत याचिकाओं में परिवादी या पीड़ित को पक्षकार बनाना जरुरी नहीं।

खड़गे को प्रधानमंत्री पद का प्रत्याशी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की ओर प्रधान पद का चेहरा घोषित करने के बारे में कोई भी निर्णय आम चुनावों में किया जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि बनर्जी ने इस प्रस्ताव को विपक्षी इंडिया गठबंधन की चल रही बैठक को ध्यान में रखते हुए इसलिए तैयार किया था ताकि इंडिया गठबंधन की लोकप्रिय छवि को प्रचारित किया जा सके कि यह गठबंधन कमजोर और दबे कुचले दलितों के लिए कार्य कर रहा है। विपक्ष में खड़गे दलित के रूप में प्रमुख चेहरा हैं और इस योजना को व्यापक स्तर पर मंजूरी मिल जाएगी।

बनर्जी ने कहा कि "जब बहुत सारे राजनीतिक दल एक साथ नजर आ जाए तो यह लोकतंत्र है भिन्न-भिन्न राज्यों, जिनका अलग-अलग दृष्टिकोण एवं पृथक-पृथक राय हो, परन्तु अन्ततोगत्वा इंडिया एक ऐसा मंच है जिसके माध्यम से हम सब मिलकर एक साथ संघर्ष कर रहे हैं।"

ममता ने कहा कि, "भाजपा का कोई गठबंधन नहीं है। एन.डी.ए. अब खत्म हो चुका है। हम उनकी तरह नहीं है। यह अच्छा ही होगा कि आम चुनावों के परिणाम दखेंगे और उसके बाद प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा करेंगे। इसका फैसला सभी पार्टियां मिल बैठकर करेगी।"

बनर्जी ने यह भी कहा कि "आप यह निर्णय कर सकते हैं कि किस प्रकार एक पार्टी जनता व मातृभूमि लिए अच्छा कार्य कर सकती है। आपको भारत की जनता को उनकी भलाई के लिए प्राथमिकता देनी होगी। अभी जो शासन चल रहा है वह निरंकुश तंत्र है जिसे कोई भी आमजन नहीं चाहता है।"

बनर्जी ने खड़गे का प्रस्ताव इसलिए किया था ताकि जनता में यह संदेश बिल्कुल सीधा जाए कि इंडिया गठबंधन के दल सत्ता प्राप्ति के भूखे नहीं है बल्कि यह स्पष्ट संदेश है कि वे ऐतिहासिक उद्देश्य के साथ एक दलित व्यक्ति को देश के सर्वोच्च शासक पद पर पदस्थापित करना चाहते हैं।

इस बात ने मीडिया में खलबली मचा दी। मीडिया ने पहले से ही खड़गे को प्रधानमंत्री का उम्मीदवार बनाने का प्रस्ताव को उछालना शुरू कर दिया और वह इसे राहुल गांधी के लिए झटका बता रहा है। हालांकि राहुल लगातार यह बात दोहराते आ रहे हैं कि वे प्रधानमंत्री की कुर्सी की दौड़ में सम्मिलित नहीं है। राहुल एक ही नहीं अनेक अवसरों पर कह चुके हैं कि उनकी लड़ाई विचारधारा की है न कि सत्ता के लिए।

विपक्षी नेताओं से कहा गया है कि संयुक्त प्रचार अभियान चलाने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार करें, सीटों की सहभागिता की व्यवस्था और वे अपनी रणनीति को पुन: नया रूप दें अभी कुछ समय पूर्व सम्पन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को पराजय से काफी झटका लगा है, राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के चुनावों में भाजपा ने जीत दर्ज की है।

इंडिया गठबंधन की यह चतुर्थ बैठक हुई है। इस गठबंधन की पहली बैठक पटना में 23 जून को, बेंगलुरू में द्वितीय बैठक 17-18 जुलाई एंव तृतीय बैठक मुम्बई में 31 अगस्त व 1 सितम्बर को हुई थी।

इंडिया गठबंधन की इस बैठक में वरिष्ठ नेतागण सहित सी.पी.पी. अध्यक्ष सोनिया गांधी व पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी उपस्थित थे। इनके अतिरिक्त ममता बनर्जी, तमिलनाडू मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दिल्ली व पंजाब के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल एवं भगवंत मान तथा एन.सी.पी. के अध्यक्ष शरद पवार भी बैठक में उपस्थित थे।

श्रीनगर, पहलगाम का तापमान और गिरा

श्रीनगर, 19 दिसंबर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में मंगलवार को न्यूनतम तापमान शून्य से कम 3.7 डिग्री सेल्सियस और पहलगाम में शून्य से कम 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम की सबसे ठंडी रात रही। मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में सोमवार को पर्यटक स्थल के लिए तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस कम था जबकि मंगलवार को यहां का तापमान शून्य से कम 5.1 डिग्री सेल्सियस, पुलवामा में शून्य से कम 5.5 डिग्री सेल्सियस, शोपियां में शून्य से कम 6.8 डिग्री सेल्सियस और कुलगाम में शून्य से कम 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुलमर्ग में आज तापमान शून्य से कम 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस कम है।

राज्यसभा में अव्यवस्था के कारण कार्यवाही स्थगित

नयी दिल्ली,19 दिसंबर। संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर गृहमंत्री के बयान की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों ने मंगलवार को लगातार चौथे दिन राज्यसभा में अव्यवस्था पैदा की जिसके कारण सदन की कार्यवाही चार बार के स्थगन के बाद पांच बजे तक स्थगित करनी पड़ी। स्थगन के बाद चार बजे जैसे ही कार्यवाही दोबारा शुरू हुई किसी सदस्य ने राम राम कह कर सभापति का अभिवादन किया। सभापति ने कहा कि राम राम से एक किस्सा याद आ रहा है।

सभापति ने किस्सा सुनाते हुए कहा कि, एक बार एक बस में एक बुजुर्ग के पास सीट पर बैठा युवक सिगरेट पी रहा था। वह बार-बार सिगरेट का धुंआ ताऊ की ओर छोड़ रहा था। ताऊ इससे परेशान था। इसी बीच सिगरेट से निकली एक चिंगारी ताऊ की धोती पर गिर गयी लेकिन ताऊ ने इसे भी नजरंदाज किया तो युवक को महसूस हुआ कि, उसने सीमा पार कर दी है। उसने ताऊ से पूछा कि आप किस गांव के हो , तो ताऊ ने तपाक से जवाब दिया कि क्या अब उसे गांव भी फूंकना है।

उन्होंने कहा कि, विपक्ष ने सभी सीमा पार कर दी है। सभापति ने विपक्षी सदस्यों से कहा , आपने अब तक जो किया सो किया आगे क्या करना है। पूरा दिन इतना दुखी रहा है और क्या करोगें।

सभापति ने कहा कि, बाहर और भीतर जो कुछ भी हो रहा है यह बहुत चिंता का विषय है। इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही पांच बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले विपक्षी सदस्यों के हंगामें के कारण सदन की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे, फिर अपराह्न दो बजे, भोजनावकाश के बाद तीन बजे तक और फिर अपराह्न चार बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

आडवाणी व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आलोक कुमार ने कहा कि, राम मंदिर आंदोलन के पुरोधा आदरणीय लाल कृष्ण आडवाणी जी और आदरणीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी को अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने बताया कि निमंत्रण देते समय राम जन्मभूमि आंदोलन के बारे में भी बातें हुईं। इससे पहले चर्चा थी कि आडवाणी और जोशी प्राण प्रतिष्ठा में आने का निमंत्रण नहीं दिया जाएगा। कारण बढ़ती उम्र व खराब स्वास्थ्य को बताया गया था।

विपक्ष मुक्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा।थरूर ने आगे यह भी कहा कि "आज मंगलवार है, मेरे साथी सांसदों के साथ एकजुटता प्रकट करने के लिए, मैंने भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया और जो कोई भी वहां उपस्थित था उसे संसद के शेष रहे सत्र की अवधि के लिए निलम्बित कर दिया गया, इसका मतलब साफ है कि वे उनके द्वारा प्रस्तुत विधेयकों को बगैर कोई चर्चा-बहस के पारित करना चाहते हैं। मुझे लगता है यह संसदीय लोकतंत्र के साथ विश्वासघात है।"

कांग्रेसी सांसद मनीष तिवारी, वो भी उन सांसदों में से एक हैं, जिन्हें मंगलवार को निलम्बित किया गया था, ने कहा, "संसद की वैधानिक प्रतिष्ठा को नष्ट कर दिया गया है।" उन्होंने कहा, यह सब कार्यवाही अत्यन्त क्रूर कानून को पारित करने के लिए की गई है, इस कानून की वजह से देश पुलिस राज स्थापित हो जाएगा।

संसद से अब तक 141 सांसदों को निलम्बित किया जा चुका है, जिसमें से 34 राज्यसभा के और 107 लोकसभा के सदस्य हैं।

तेलंगाना के बाद अब कांग्रेस का फोकस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सत्तारूढ़ वाय.एस.आर.सी.पी. चिन्तित है, क्योंकि तेलंगाना के परिणामों ने यह सिद्ध कर दिया कि कांग्रेस की थोड़ी-बहुत लोकप्रियता अभी बरकरार है और तेलंगाना में लोक लुभावन राजनीति कर लोकप्रिय बने पूर्व मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव को जिस तरीके से सत्ता से बाहर किया गया, पार्टी यहां भी रैवन्त रेड्डी का आक्रामक मॉडल अपनाकर अपना पुनरुत्थान कर सकती है।

आंध्र प्रदेश का राष्ट्रीय संदर्भ में भी महत्व है क्योंकि यहां से 25 सांसद निर्वाचित होकर लोकसभा पहुंचाते हैं। वर्तमान में सत्तारूढ़ वाय.एस.आर.सी.पी. के यहां से 23 लोकसभा सांसद हैं। लोकसभा चुनावों के साथ ही आंध्र प्रदश में विधानसभा चुनाव होंगे।

आंध्र प्रदेश में वाय.एस.सी.आर.पी. एवं जगन मोहन रेड्डी सरकार सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रहे हैं, लेकिन विडम्बना यह है कि आंध्र प्रदेश में कांग्रेस का पुनरुत्थान सत्तारूढ़ पार्टी के लिए एक अच्छी खबर हो सकती है क्योंकि इससे उन सत्ता विरोधी मतों का विभाजन हो जाएगा जिन्हें पूर्व मुख्यमंत्री एवं टी.डी.पी. सुप्रीमो एन. चन्द्रबाबू नायडू अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहे हैं। संयोगवश, आंध्र प्रदेश की राजनीति सत्तारूढ़ वाय.एस.आर.सी.पी. और तेलुगु देसम पार्टी के रूप में दो घोड़ों की रेस बनकर रह गई है और दोनों ही राष्ट्रीय पार्टियां भाजपा व कांग्रेस यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए संघर्ष कर रही हैं। एक दिलचस्प बात यह है कि विपक्षी टी.डी.पी. ने फिल्म स्टार से राजनेता बने पवन कल्याण के साथ गठबंधन किया है और पवन कल्याण का भाजपा के साथ अच्छा तालमेल है।

भाजपा की आंध्र प्रदेश में फिलहाल कोई भी उपस्थिति नहीं है, लेकिन वह यहां लोकसभा चुनावों के संभावित परिणामों को लेकर चिन्तित है और यहां से जीतने वाले वाय.एस.आर.पी. या टी.डी.पी. यदि केन्द्र में भाजपा का समर्थन करेंगे तो उसे प्रसन्नता होगी।

जगन मोहन रेड्डी को सत्ता से बाहर करने के लिए टी.डी.पी. भाजपा के साथ गठजोड़ की इच्छित रहती आयी है, लेकिन जगन मोहन का आंध्र प्रदेश और अपनी पार्टी पर आज भी कड़ा नियंत्रण है। उनकी पार्टी पिछले तीन वर्षों से विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रही है।

तेलंगाना के चुनाव परिणामों के बाद जगन मोहन ने भी अपनी जीत पर फोकस करना शुरु कर दिया है और उम्मीद है कि वह वे गलतियां नहीं करेंगे जो के.सी.आर. और उनकी पार्टी ने तेलंगाना में की थीं। वह संसद में भी अपने राज्य को अपनी ग्रिप में रखना चाहते है और आंध्र प्रदेश की कुल 25 में से अधिकांश सीटें जीतकर वर्ष 2019 के अपने प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे।

पार्टी सूत्रों के अनुसार जगन मोहन अपनी पार्टी के कुल 151 विधायकों का टिकट काट सकते है क्योंकि सिर्फ जिताऊ उम्मीदवार को ही मैदान में उतारा जाएगा। यह कुछ ऐसा है जैसा के.सी.आर. ने नहीं किया था। उन्होंने टिकटों के वितरण में अपने प्रति निष्ठा को ही प्राथमिकता दी थी।

लेकिन आंध्र प्रदेश राजनीतिक लय एवं व्याकरण को गड़बड़ाकर कांग्रेस का प्रयास अपना पुनरुत्थान करना होगा, जो कि वाय.एस.आर.सी.पी. के बजाए टी.डी.पी. को अधिक चिन्तित कर सकता है, किन्तु कांग्रेस यदि अपने कुछ नेताओं की वाय.आर.एस.आर.पी. से वापसी करवाने में सफल हो जाती है तो आंध्र में उसकी उपस्थिति एवं पुनरुत्थान दोनों विपक्षी पार्टियों में से एक को नुकसान पहुंचा सकता है और यहां के मुखर होते राजनीति ड्रामा में सब को चौंका सकता है।

तेलंगाना के चुनाव परिणामों के बाद आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के नेताओं ने कई मीटिंग्स कर नवजीवन के संकेत देने शुरु कर दिए हैं जिससे पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। आंध्र के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवाजी को एक स्थानीय तेलुगु मीडिया में यह कहते हुए उद्धृत किया गया कि "कर्नाटक और तेलंगाना के बाद हमारा लक्ष्य आंध्र प्रदेश है। चूंकि हम विधानसभा और लोकसभा चुनावों के मद्देनज़र पार्टी का मजबूत कर रहे है, इसलिए हमें यहां कापू और पिछड़ी जातियों को अधिक तवज्जो देने की जरुरत है।

बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी हैं लेकिन इनमें ज्यादा दम नहीं है। एक राजनीतिक विश्लेषक ने कुछ ऐसा ही कहते हुए आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की आकांक्षाओं को खारिज किया क्योंकि कांग्रेस को वर्ष 2014 के बाद से यहां सिर्फ 1.5 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। लेकिन कांग्रेस की दीर्घकालीन "ब्रैण्ड इमेज" और दक्षिण भारत में उसके पुनर्जीवन को देखते हुए वह आंध्र प्रदेश में वह किसी अन्य पार्टी की संभावना को खत्म करने में सक्षम है।

आखिरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करिश्माई नेता राजस्थान में कांग्रेस को उभारने में मद्दगार हो सकता है।

एक सीनियर नेता ने कहा कि "राजस्थान की राजनीति में जितना संभव हो सकता था, गहलोत उतना नुकसान कांग्रेस को पहले ही पहुंचा चुके हैं और उनकी यदि रिटायर होने की इच्छा नहीं है तो उनका राजस्थान की राजस्थान से दूर रहना ही बेहतर होगा।"

आखिर क्या...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकर्ता के हत्यारे बेखौफ घूम रहे हैं, उन्हें अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने वादा किया है कि राष्ट्रीय स्तर पर चाहे कुछ भी हो, वह तृणमूल के खिलाफ कड़ा संघर्ष करेगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600